वार्षिक रिपोर्ट
2013–2014

बीएमटीपीसी

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय
भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट
2013–2014

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार
कोर-5ए, प्रथम तल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड,
नई दिल्ली-110003

ikDdFku

मुझे वर्ष 2013–14 के लिए निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिक संवर्द्धन परिषद् की 24वीं रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है।

1990 में अपने आरंभ से ही बीएमटीपीसी उन लागत प्रभावी, पर्यावरण–अनुकूल और आपदा प्रतिरोधी निर्माण प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन में लगा हुआ है, जो मुख्यतः स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों और स्थानीय कौशलों पर आधारित है। 2 दशकों से अधिक के अपने कार्यकाल में, बीएमटीपीसी प्रयोगशाला से फील्ड स्तरीय अनुप्रयोगों में अनेक निर्माण सामग्रियों और निर्माण संघटकों को अंतरित करने में सफल रही है। तथापि, दिन–प्रतिदिन बदल रहे शहरी परिप्रेक्ष्य और शहरी क्षेत्रों में, विशेष रूप से मकानों की कमी के संदर्भ में, बीएमटीपीसी ने हाल ही के वर्षों में व्यापक पैमाने पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियां प्रसारित करने और उनके संबंध में जागरूकता फैलाने के निरंतर प्रयास किए हैं। व्यापक स्तर पर आवास हेतु सरकारी एवं निजी अनेक बड़ी आवास एजेंसियों ने अपनी व्यापक आवास परियोजनाओं में इन प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल प्रारंभ कर दिया है। कुछ उदाहरण हैं डीएसआईआईडीसी, दिल्ली, कुदुंबश्री, केरल, आरजीआरएचसीएल, कर्नाटक।

प्रौद्योगिकी अंतरण का एक महत्त्वपूर्ण संघटक वैकल्पिक सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग से निर्माण का प्रदर्शन करना है। शुरू से ही बीएमटीपीसी देश के विभिन्न भागों में मॉडल प्रदर्शन मकानों के निर्माण का कारक रहा है। पहले वैम्बे योजना में, बीएमटीपीसी ने नागपुर, देहरादून, त्रिची, बैंगलोर, बिलासपुर आदि में मकानों के निर्माण द्वारा विभिन्न सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। हाल ही के वर्षों में, बीएमटीपीसी अमेठी, (उत्तर प्रदेश) एवं पिंजौर (हरियाणा) में प्रदर्शन मकानों का निर्माण, अंबाला, हरियाणा में सामुदायिक भवन, विशाखापटनम, (आंध्र प्रदेश) में अनौपचारिक बाजार तथा उत्तर – पूर्व क्षेत्र में बांस के मकान एवं संरचनाओं का निर्माण कर चुकी है। हाल ही में रायबरेली (उ.प्र.) के बरवारीपुर में वैकल्पिक निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों को प्रचारित करने के उद्देश्य से प्रदर्शन आवास परियोजना पूर्ण की गई है। ये प्रदर्शन परियोजनाएं लागत प्रभावीपन तथा बीएमटीपीसी द्वारा संवर्धित प्रौद्योगिकियों के टिकाऊपन की साक्षी हैं।

इसके साथ ही परिषद उन उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को लाने की दिशा में कार्यरत है, जो विश्व के कई भागों में पहले से सफल हैं, ताकि आवास निर्माण के क्षेत्र में किफायत, गुणवत्ता, पर्यावरण संरक्षण तथा निर्माण में तेजी आए। इस दिशा में, बीएमटीपीसी ने पहले ही भारतीय भू–वातावरण जलवायु एवं जोखिम दशाओं के अनुकूल निर्माण प्रणाली/प्रौद्योगिकी विकासकों/प्रदाताओं से नई उभरती एवं वैकल्पिक लागत प्रभावी आवास प्रौद्योगिकियों हेतु वैश्विक रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की थी। प्रौद्योगिकी सलाहकार समूह (टीएजी) के माध्यम से, बीएमटीपीसी ने अब तक चार उभरती हुई प्रौद्योगिकियां अनुमोदित की हैं। इसके अतिरिक्त, पांच उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को बीएमटीपीसी की निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणन योजना (पीएसीएस) के तहत प्रमाणपत्र प्रदान किए गए है। वर्ष के दौरान, चार अन्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियों ने विश्वसनीय पीएसी जारी करने के लिये आवेदन किया गया है। यह प्रयास किए गए हैं कि इन उभरती प्रौद्योगिकियों को सीपीडब्ल्यूडी तथा राज्य पीडब्ल्यूडी (सार्वजनिक निर्माण विभाग) की दरों की सूची (शेड्यूल ऑफ रेट्स) में शामिल किया जाए और इन उभरती हुई प्रणालियों के बारे में राज्यों तथा अन्य निर्माण एजेंसियों के बीच जागरूकता फैलाई जाए।

अभिनवीकरण के संवर्द्धन, विकास और अनुप्रयोग के अपने कोर मैंडेट के अंदर बहु–कोणीय दृष्टिकोण और आपदा प्रतिरोधी निर्माण प्रौद्योगिकियों के जरिए बीएमटीपीसी ने जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के अंतर्गत चल रही बीएसयूपी और आईएचएसडीपी परियोजनाओं का मूल्यांकन और मानीटरिंग करने के अतिरिक्त राजीव आवास योजना (आरएवाई) के कार्यान्वयन में अपनी सहभागिता जारी रखी है। इसके साथ ही परिषद परियोजना तैयारी, मूल्यांकन तथा निगरानी एवं गुणवत्ता सुनिश्चयन व नियंत्रण के क्षेत्र में यूएलबी के म्युनिसिपल कार्यकर्ताओं के क्षमता निर्माण में भी शामिल है। तदंतर निर्मोचन हेतु जेएनएनयूआरएम के अंतर्गत बीएसयूपी और आईएचएसडीपी के लिए तृतीय पक्ष निरीक्षण और मॉनीटरिंग रिपोर्ट (टीपीआईएम) की समीक्षा में बीएमटीपीसी द्वारा की जा रही है। इसके साथ ही परिषद् मूल्यांकन एजेंसी के रूप में एवं सिक्किम सहित उत्तर–पूर्वी राज्यों के लिए 10 प्रतिशत एकमुश्त प्रावधान हेतु विनिर्दिष्ट है।

यह परिषद आपदा अल्पीकरण और प्रबंधन के प्रति एक सक्रिय दृष्टिकोण स्थापित करने का निरंतर प्रयास कर रही है और पणधारियों तथा आम आदमी के बीच जागरूकता सृजित करने तथा उन्हें जागरूक बनाने में अग्रणी रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने आईएस 1893–2002 के आधार पर बीएमटीपीसी को जिला स्तर तक अद्यतित भूकंप जोखिम प्रक्षेत्रीय मानचित्र तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। भूकंप प्रतिरोधी डिजाइन एवं निर्माण में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने के क्रम में परिषद ने बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बीआईपीएआरडी) तथा बिहार सरकार की बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) से हाथ मिलाया है। कार्यक्रम के तहत बिहार सरकार के वास्तुविदों एवं इंजीनियरों के लिए एक प्रशिक्षण की श्रृंखला आयोजित की जा

रही है। इसके अलावा, वर्ष के दौरान परिषद ने ''भारत में आवास भूकम्पीय सुरक्षा प्ररूप प्रलेखीकरण हेतु प्रणाली'' का प्रकाशन किया है। यह दस्तावेज भारत में सामान्य से तीव्र भूकम्पीय क्षेत्रों में सात स्थानों में क्रियान्वित आवासीय उप–प्ररूप वर्गीकरण की व्याख्या करता है।

निर्माण के लिए आम आदमी एवं व्यवसायविदों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से, परिषद् ने रेडी मिक्स कंक्रीट(आरएमसी) प्लांट सर्टिफिकेशन स्कीम (क्यूसीआई) के तहत आरएमसी केपेबिल्टिी सर्टिफिकेशन हेतु रेडी मिक्स कंक्रीट के उत्पाद नियंत्रण के लिए मानदंड पर पुस्तिका, निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणन योजना – नवोन्मेषी और नई भवन सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिये एक उपकरण पर पुस्तिका, बीमएटीपीसी द्वारा प्रयास – प्रदर्शन निर्माण और आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के माध्यम से किफायती और आपदा रोधी प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहन, अनुसरण हेतु मुख्य क्रियाकलाप पर ब्रोशर प्रकाशित किए हैं। परिषद की वेबसाइट को निरंतर अद्यतित करके नवीनतम गतिविधियों एवं सूचनाओं को अपलोड किया जाता है। वेबसाइट पर उत्पाद एवं सेवाओं के बारे में सामान्य पूछ–ताछ के लिए अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है।

परिषद ने हडको बिल्ड टेक 2013 में भी हिस्सा लिया और 14–27 नवंबर, 2013 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किफायती और वैकल्पिक प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के लिये प्रदर्शन आवास के निर्माण द्वारा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के दौरान वैकल्पिक और उभरती भवन सामग्रियों और निर्माण प्रणालियों पर प्रदर्शनी आयोजित की। बीएमटीपीसी प्रदर्शनी में तेरह प्रौद्योगिकी प्रदाताओं/कंपनियों ने बीएमटीपीसी क्षेत्र के भीतर अपने प्रदर्शन का आयोजन करके उभरती आवास प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भी हिस्सा लिया। पिछले वर्षों की भांति विश्व पर्यावास दिवस 2013 के अवसर पर परिषद ने इस वर्ष के लिए यूएन–हैबिटाट द्वारा चुने गए 'शहरी गतिशीलता' विषय पर ''निर्माण सारिका'' का विशेष अंक निकाला है। इस अवसर पर परिषद ने भिन्न रूप से सशक्त बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की और विजेताओं को विश्व पर्यावास दिवस के आयोजन के दौरान सम्मानित किया गया।

भवन सामग्रियों की उपलब्धता और बदलती हुई भू–वातावरणीय परिस्थितियों के जोखिम परिदृश्य सहित, यह आवश्यक है कि वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों सहित क्षेत्रीय विशिष्ट मानक एवं रिहायशी इकाइयों का विनिर्देशन विकास किया जाए, जो रिहायशी इकाइयों की योजना बनाते समय डिजाइनरों केलिये उपयोगी दिशानिर्देशों के तौर पर कार्य करेगा। बीएमटीपीसी ने ऐसे दिशानिर्देश तैयार करने के लिये राज्य सरकारों से परामर्श करके कार्य आरंभ किया। कौशल विकास के क्षेत्र में, परिषद का निरंतर प्रयास रहा कि आपदा प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों एवं वैकल्पिक निर्माण सामग्री के उपयोग हेतु कार्यरत व्यवसायविद एवं कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। अभिनव निर्माण प्रौद्योगिकियों के विकास और संवर्द्धन पर विशेष ध्यान देते हुए, विशिष्ट आर एंड डी परियोजनाएं भी आरंभ की गई हैं, जैसे कि निम्न लागत आवास और ह्यूमोटर के विकास हेतु प्रिकास्ट कंक्रीट कॉलम हेतु प्रौद्योगिकी का विकास।

यह मेरा सौभाग्य है कि मैं बीएमटीपीसी द्वारा आरंभ किए गए और क्रियान्वित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के लिए अध्यक्ष, प्रबंधन मंडल के सदस्यों, कार्यकारिणी के अध्यक्ष और सदस्यों तथा आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के द्वारा परिषद को दिए गए बहुमूल्य मार्गदर्शन, समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं विशेष रूप से योजना आयोग, शहरी विकास पर स्थायी संसदीय समिति, जेएनएनयूआरएम तथा राजीव आवास योजना मिशन निदेशालय, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, विभिन्न राज्य सरकारों, नगर निगमों और शहरी स्थानीय निकायों, गृह मंत्रालय, डोनर मंत्रालय, एनडीएमए, एनआईडीएम, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, डीएसटी, सीएसआईआर, आईआईटीज, सीईपीटी, आईपीआईआरटीआई, सीबीआरआई, एसईआरसी,आईसीआई, आईआईएचआरडी, एसईपी, एसपीए, हडको, बीआईएस, एनएचबी, एनसीएचएफ, एचपीएल, सीजीईडब्ल्यूएचओ, सीपीडब्ल्यूडी, एनएसआईसी, सीआईडीसी, यूएनडीपी, यूनिडो और यूएन–हैबिटाट को उनके द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग और आगामी वर्षों में परिषद के प्रयासों का समर्थन करने में रुचि लेने के लिए विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं।

मैं परिषद् के क्रियाकलापों का कार्यान्वयन करने में अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग की भी हृदय से सराहना करता हूं। परिषद् आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से प्राप्त समर्थन और सहयोग के प्रति आभार प्रकट करती है, जिसने परिषद के अधिदेश (मैंडेट) को पूरा करने और इसके उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सहायता प्रदान की है।

(डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल)
कार्यकारी निदेशक

fo"k;& lıph

मिशन और ध्येय 1

प्रस्तावना 2

वर्ष 2013–14 के दौरान मुख्य पहलें और क्रियाकलाप 6

I. लागत प्रभावी (सस्ती) प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन भवनों में उपयोग 6

1. प्रदर्शन आवास परियोजनाओं के माध्यम से लागत प्रभावी, प्रौद्योगिकियों का जमीनी स्तर पर अनुप्रयोग 6

II. आपदा न्यूनीकरण – मरम्मत, पुनर्निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग 9

1. अद्यतित भूकंप जोखिम प्रक्षेत्रीय नक्शों एवं मानचित्रावली की तैयारी 9
2. राज्य के इंजीनियरों और वास्तुविदों के लिये भूकंप रोधी डिजाइन एवं निर्माण पर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण(टीओटी) कार्यक्रम 9
3. भारत में आवास प्ररूप वर्गीकरण की भूकंपीय सुरक्षा अभिलेखन (दस्तावेजीकरण) हेतु प्रविधि का विकास 10

III. पूर्वोत्तर क्षेत्र में क्रियाकलाप 11

1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में महत्वपूर्ण क्रियाकलाप 11

IV. निर्माण क्षेत्र में सूचना एवं आंकड़ा आधार (डाटा बेस) का सुदृढ़ीकरण 12

1. "निर्माण सारिका" – बीएमटीपीसी सूचनापत्र के विशेष अंक का प्रकाशन 12
2. ''रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट सर्टिफिकेशन योजना (क्यूसीआई) के तहत आरएमसी क्षमता प्रमाणीकरण हेतु रेडी मिक्स कंक्रीट के उत्पाद नियंत्रण के लिये मानदंड'' का प्रकाशन 12
3. निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणीकरण योजना (पीएसीएस) पर व्याख्यात्मक पुस्तिका का प्रकाशन 13
4. लक्ष्य अनुसरण में मुख्य गतिविधियां शीर्षक पर विवरणिका (ब्रोशर) का प्रकाशन 14
5. प्रदर्शन निर्माण के माध्यम से किफायती और आपदा रोधी प्रौद्योगिकियों का प्रसार शीर्षक पर ब्रोशर का प्रकाशन 14
6. आपदा अल्पीकरण एवं प्रबंधन – बीएमटीपीसी द्वारा पहल शीर्षक पर ब्रोशर का प्रकाशन 14
7. परिषद की वेबसाइट के माध्यम से सूचना का प्रसार 15
8. मानकीकरण एवं उत्पाद मूल्यांकन 15

V. राष्टीय और अंतर्राष्टीय स्तर पर संवर्द्धनात्मक और क्षमता निर्माण क्रियाकलाप 17

1. आर एंड डी संस्थानों के साथ वैकल्पिक तथा उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर संभावित समन्वयन क्षेत्रों की पहचान हेतु विचार मंथन सत्र का आयोजन 17
2. नई दिल्ली में निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र योजना पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 18
3. चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में आवास तथा भवन निर्माण में मार्बल स्लरी के उपयोग पर बुद्धिशीलता सत्रों का आयोजन 18
4. गांधीनगर में उभरती निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला का आयोजन 19
5. बंगलुरु में 7 मार्च, 2014 को उभरती निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला का आयोजन 20
6. अहमदाबाद में 26 मार्च, 2014 को किफायती आवास के मानकों एवं विनिर्देशों पर परामर्श बैठक का आयोजन 20
7. वैकल्पिक एवं लागत प्रभावी निर्माण सामग्री एवं आवास प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण 21

8. विश्व पर्यावास दिवस 2013 का समारोह 22
9. प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2013 में 14–27 नवम्बर, 2013 में सहभागिता 23

VI. प्रौद्योगिकी विकास, प्रसार एवं अंतरण 23
1. उभरती आवास प्रोद्योगिकियों की पहचान एवं मूल्यांकन 23
2. निम्न लागत आवास हेतु पूर्वनिर्मित कंक्रीट कॉलम के लिए प्रौद्योगिकी का विकास 25
3. ह्यूमोटर का विकास 26
4. निम्न लागत आवास हेतु रसायनिक उपचारित बांस प्रबलित कंक्रीट मैबर्स (तख्तों) के लिए डिजायन प्रविधि का विकास 26
5. भवनों हेतु ऊर्जा श्रम (कुशल) निर्माण सामग्री का विकास 27
6. ''अर्ध स्वचालित ईंट चिनाई निर्माण का वैज्ञानिक प्रमाणीकरण'' पर परियोजना 28
7. हडको सीएसआर निधि के तहत ''बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क का कायाकल्प एवं सुदृढ़ीकरण – प्रायोगिक अध्ययन'' पर परियोजना 29

VII. जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम), राजीव आवास योजना (आरएवाई) प्रायोगिक चरण तथा एक मुश्त 10 प्रतिशत प्रावधान के साथ सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए परियोजनाएं 30
1. राजीव आवास योजना (आरएवाई) में बीएमटीपीसी की भूमिका 30
2. जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के कार्यान्वयन में बीएमटीपीसी की भूमिका 34
3. सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 10 प्रतिशत एकमुश्त प्रावधान के तहत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में बीएमटीपीसी की भूमिका 36

संगठन 37

स्टाफ संख्या 39

लेखा 40

अनुबंधः

I: राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भागीदारी 53
II: प्रस्तुत किए गए/प्रकाशित पेपर 62
III: वर्ष के दौरान निकाले गए प्रकाशन 64
IV: विदेशों से आनेवाले आगंतुक 65
V: कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट एवं तदनुरूपी उपलब्धियां सहित वर्ष 2013–14 हेतु परिणाम–ढांचा दस्तावेज 66

è;;

"बीएमटीपीसी, आम आदमी पर विशेष ध्यान देते हुए आपदा रोधी निर्माण सहित सुस्थिर निर्माण सामग्रियों और उचित प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों के क्षेत्र में सभी के लिए विश्व स्तरीय ज्ञान (नॉलेज) तथा प्रदर्षन (डिमोंस्ट्रेशन) हब बने।"

fe'ku

"आवास के सुस्थिर विकास के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों सहित संभावित लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल, आपदा रोधी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन और प्रयोगशालाओं से जमीन तक इनके अंतरण के लिए व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण बनाने की दिशा में कार्य करना"

निर्माण सामग्री एंव प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद (बीएमटीपीसी) की स्थापना 1990 में भारत सरकार के आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के पूर्ण समर्थन के साथ इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए हुई थी कि मूल्य प्रभावी, पर्यावरण मैत्री एवं टिकाऊ भवन निर्माण सामग्री तथा आपदारोधी निर्माण प्रौद्योगिकियों के व्यापक पैमाने पर कार्यक्षेत्र की उपयोगिता एवं प्रयोगशालायी विकास के बीच के अंतर को पाटा जा सके।

बीएमटीपीसी के अधिदेश में निहित विविध उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, परिषद ने अनेक बहुफलकित क्रियाकलापों की शुरुआत की ताकि टिकाऊ भनव निर्माण के लिए समर्थ वातावरण तैयार हो। वर्षों से परिषद नवाचरी, मूल्य प्रभावी, प्रर्यावरण–मैत्री तथा ऊर्जा कुशल भवन निर्माण सामग्री के विकल्प एवं प्रौद्योगिकियों को ग्रामीण स्तर पर सफलतापूर्वक हस्तांतरण हेतु प्रयत्नशील है। इसके साथ ही परिषद ने कार्यक्षेत्र स्तर पर भवन निर्माण सामग्री एवं प्रौ़द्योगिकियों के अनुप्रयोग के भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों में मॉडल आवासों एवं अन्य संरचनाओं जैसे कि अनौपचारिक बाजार, सामुदायिक केन्द्र आदि प्रदर्शन निर्माण करते हुए शुरुआत की है। अपने प्रौद्योगिकी विकास, संवर्धन एवं प्रसार प्रयासों में परिषद ने बाँस आधारित आवास समाधान के साथ आवास एवं भवन निर्माण में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न प्रौद्योगिकियां विकसित की है।

परिषद ने उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के कई राज्यों में प्रदर्शन ढांचों का भी निर्माण किया है और बांस चटाई (बैम्बू मैट) से संबंधित सामग्री जैसे कि नालीदार चादरें, बांस के बोर्ड (तख़्ते) आदि के लिए बांस चटाई (बैम्बू मैट) उत्पादन केन्द्रों की स्थापना की है। जिनसे रोजगार भी मिलता है। पहली बार 1997 एवं 2006 में भारत की वलनेरैबिलटी एटलस (जोखिम नाजुक क्षेत्र मानचित्र) निकालने के साथ–साथ परिषद नियमित रूप से महत्वपूर्ण दिशानिर्देश/आपदा–रोधी निर्माण पर पुस्तिकाएं प्रकाशित करती रहती है। भूकंप रेट्रोफिटिंग के प्रति जागरूकता पैदा करने के क्रम में परिषद ने दिल्ली नगर निगम द्वारा संचालित कुछ स्कूलों की रेट्रोफिटिंग (जीर्णोद्धार) का जिम्मा लिया है। इस के साथ ही परिषद ने राजीव आवास योजना और जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन के तहत अपनी बीएसयूपी तथा आईएचएसडीपी की परियोजनाओं के लिए मूल्यांकन एवं निगरानी एजेंसी के रूप में खुद को प्रतिस्थापित किया है जोकि आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के मिशन मोड कार्यक्रम हैं। हाल के वर्षों में परिषद ने अपने उपागमों को न केवल सघन मूल्याकंन के माध्यम से टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के संवर्धन एवं प्रसार की दिशा में अभिमुख किया है, बल्कि सामाजिक व्यापक जन–समूह के आवास (मास हाउसिंग) के लिए विदेशों से उभरती पूर्व विनिर्मित प्रौद्योगिकियों को हासिल करने की दिशा में प्रयास किया है।

mnn' ;

- **भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकीः** निर्माण के क्षेत्र में प्रभावित नवाचारी एवं उभरती भवन निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों के विकास, मानकीकरण, यंत्रीकरण तथा भारी पैमाने पर जमीनी अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।
- **क्षमता निर्माण एवं कौशल विकासः** व्यावसायिकों, निर्माण एजेंसियों, कारीगरों हेतु क्षमता निर्माण एवं बेहतर निर्माण प्रथाओं को प्रोत्साहित करने हेतु एक प्रषिक्षण संसाधन केन्द्र के रूप में काम करना तथा भवन प्रौद्योगिकी को प्रयोगशाला से जमीन तक लाने के लिए विपणन करना
- **आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधनः** प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण, जोखिम सुकुमारता तथा जोखिम घटाव की प्रौद्योगिकियों एवं प्रविधियों को बढ़ावा देना और भवनों का पुनर्निमाण एवं रेट्रोफिटिंग तथा मानव बस्तियों के लिये आपदा प्रतिरोधी नियोजन करना।
- **परियोजना प्रबंधन एवं परामर्शः** मूल्यांकन, निगरानी तथा केन्द्र एवं राज्य की विभिन्न आवास योजनाओं के तहत तीसरे पक्ष का निरीक्षण सहित परियोजना प्रबंधन तथा परामर्श सेवाएं देना।

i:e[k dk;l {k=

- वैश्विक स्तर पर उपलब्ध उभरती हुई एवं प्रमाणित प्रौद्योगिकियों की पहचान एवं मूल्याकंन करना तथा भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण क्षेत्र में संयुक्त उद्यमों को बढ़ावा देना।
- निर्माण में किफायत, कुशलता एवं गुणवत्ता को प्रोत्साहित करना।
- प्रौद्योगिकियों को प्रोन्नत करना, जानकारी जुटाना, आत्मसात करना तथा प्रसार करना।
- पर्यावराण मैत्री ऊर्जा–कुशल (क्षम) तथा आपदा रोधी प्रौद्योगिकी हेतु प्रमाणित स्थानीय उपलब्ध एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर उपयोग।
- नई उभरती हुई प्रौद्योगिकियों/प्रणालियों के साथ प्रमाणित भवन निर्माण सामग्री/प्रौद्योगिकियों पर मानकीकरण का गठन और विशिष्टीकरण/दरों की अनुसूची में समन्वित करना
- किफायती आवास हेतु मानकों/विनिर्देशों का गठन
- लागत प्रभावी (सस्ती) एवं नवाचारी भवन निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों के लाभ, टिकाऊपन एवं स्वीकार्यता, का अभिलेखन करना
- क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों के द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिकों एवं निर्माण कामगारों के कौशल को संवर्धित करना
- आपदा रोधी निर्माण प्रौद्योगिकियों को प्रोन्नत करना
- परियोजना प्रबंधन एवं परामर्श सेवाओं सहित मूल्याकंन, आवास परियोजना की निगरानी तथा तीसरे पक्ष की निरीक्षण की जिम्मेदारी उठाना
- उपयोगकर्ता पुस्तिका, दिशानिर्देश, सार–संग्रह, निर्देशिका, विवरणिका, तकनीकी–व्यवहार्यता रिपोर्ट, वीडियो फिल्म, प्रदर्शन सीडी, इंटरेक्टिव वेबसाइट, ब्लॉग सहित सफलता की कहानियों का प्रकाशन।

प्रशासन एवं प्रबंधन

अपने कार्य के संबंध में, बीएमटीपीसी ने त्रिस्तरीय प्रणाली को अपनाया है:

i प्रबंधन बोर्ड जिसके अध्यक्ष माननीय आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्री होते हैं

ii कार्यकारी समिति जिसके अध्यक्ष सचिव, एचयूपीए होते हैं

iii कार्यकारी निदेशक

परिषद् के प्रबंधन बोर्ड में आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, योजना आयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक विकास परिषद्, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्लूडी) एवं आवास एवं शहरी विकास निगम (हडको) से 14 सदस्य शामिल हैं।

कार्यकारी समिति में आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, योजना आयोग, आवास एवं शहरी विकास निगम (हडको), केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) एवं तकनीकी विशेषज्ञों से 10 सदस्य शामिल हैं।

प्रबंधन बोर्ड

क्र.सं.	सदस्यगण	
1	श्री एम. वेंकैया नायडु माननीय आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन, शहरी विकास और संसदीय मामलों के मंत्री, भारत सरकार	अध्यक्ष
2	सुश्री अनीता अग्निहोत्री सचिव आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार	उपाध्यक्ष
3	वरिष्ठ सलाहकार (एचयूडी) योजना आयोग भारत सरकार	सदस्य
4	प्रो. के.विजय राघवन सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार	सदस्य
5	श्री माधव लाल सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार	सदस्य
6	श्री आर. विजय कुमार सचिव, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
7	सचिव राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार	सदस्य
8	श्री पी.एस. आहूजा महानिदेशक वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	सदस्य
9	श्री दिवाकर गर्ग महानिदेशक केंद्रीय लोक निर्माण विभाग	सदस्य
10	डॉ. एम.रवि कांत अध्यक्ष एवं प्रबंधनिदेशक, आवास एवं शहरी विकास निगम	सदस्य

क्र.सं.	सदस्यगण	
11	श्री हरिश कुमार अरोड़ा डी 6 एवं 7, लाजपत नगर–III नई दिल्ली – 110024	विशेषज्ञ सदस्य
12	श्री के.बी.एस. सिद्धु संयुक्त सचिव (आवास) आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
13	सुश्री झंजा त्रिपाठी संयुक्त सचिव एवं एफए, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
14	डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल कार्यकारी निदेशक, भवन सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद	सदस्य – सचिव

कार्यकारी समिति

क्र.सं.	सदस्यगण	
1	सुश्री अनिता अग्निहोत्री सचिव, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार	अध्यक्ष
2	श्री के.बी.एस. सिद्धु संयुक्त सचिव (आवास) आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
3	सुश्री झंजा त्रिपाठी संयुक्त सचिव एवं एफए, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
4	श्री संजीव कुमार संयुक्त सचिव (जेएनएनयूआरएम) आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
5	वरिष्ठ सलाहकार (एचयूडी) योजना आयोग भारत सरकार	सदस्य
6	डॉ. एम.रवि कांत अध्यक्ष एवं प्रबंधनिदेशक, आवास एवं शहरी विकास निगम	सदस्य
7	प्रोफ. एस.के.भट्टाचार्य निदेशक, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रूड़की	सदस्य
8	प्रोफ. ए.एस.आर्य सेवामुक्त प्रोफेसर एवं पूर्व राष्ट्रीय भूकम्प सलाहकार, गृह मंत्रालय	सदस्य
9	श्री कुलदीप सिंह चन्ना सी–119/डी/एस रमेश नगर, नई दिल्ली – 110015	सह–योजित सदस्य
10	डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल कार्यकारी निदेशक, भवन सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद	सदस्य – सचिव

वर्ष 2013–2014 के दौरान प्रमुख पहलें एवं क्रियाकलाप

I. लागत प्रभावी (सस्ती) प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन भवनों में उपयोग

1. प्रदर्शन आवास परियोजनाओं के माध्यम से लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों का जमीनी स्तर पर अनुप्रयोग

स्थानीय स्तर पर प्रसार के अतिरिक्त वैकल्पिक सामग्रियों और किफायती निर्माण प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करने के लिये, बीएमटीपीसी राज्य सरकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि पर लागत प्रभावी एवं आपदा रोधी प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर प्रदर्शन आवास या किसी अन्य ढांचे का निर्माण नियमित आधार पर करती है। इसके साथ ही निर्माण के दौरान, आसपास के इलाके की जनता, सिविल इंजीनियरिंग और वास्तुविद के कॉलेजों के छात्रों और कारीगरों, विशेष रूप से राजमिस्त्रियों को वैकल्पिक सामग्रियों और प्रौद्योगिकी के बारे में संवेदीकृत/प्रशिक्षित किया जाता है।

बरवारीपुर, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन आवास परियोजना

परिषद ने स्थानीय प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई भूमि में वैकल्पिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए बरवारीपुर, रायबरेली में प्रदर्शन आवासों का निर्माण कार्य सम्पन्न किया है। इस परियोजना में, ऑनसाइट आधारभूत संरचना विकास सहित 24 आवास इकाईयों (भूतल + 1) के निर्माण की जिम्मेदारी ली गई। प्रत्येक इकाई में 32 वर्गमीटर के कुरसी क्षेत्र (प्लिंथ एरिया) में बुनियादी सुविधाओं सहित एक लिविंग रूम, एक बेडरूम, रसोईघर तथा अलग बाथरूम एवं शौचालय शामिल है। इस प्रदर्शन आवास परियोजना में ऑनसाइट बुनियादी सुविधाएं जैसे रास्ते, भूमिगत जलापूर्ति, बाहरी दीवार, भू–दृश्य कार्य, बायो डाइजेस्टर, शौचालय, आदि शामिल हैं। प्रदर्शन आवास परियोजना फरवरी, 2014 को स्थानीय प्रशासन को सौंपी गई। परियोजना हेतु निर्माण की लागत 840 रू. प्रति वर्ग फुट थी जो क्षेत्र में पारंपरिक निर्माण की प्रचलित लागत से 10–15 प्रतिशत कम है।

प्रदर्शन आवास परियोजना के विनिर्देशन और प्रौद्योगिकियां निम्नानुसार हैं:

दीवार का निर्माण

- लागत प्रभावकता, ऊर्जा दक्षता आदि प्राप्त करने के लिये पारंपरिक इंग्लिश/ फ्लेमिश बोन्ड के स्थान पर रैट ट्रैप बॉन्ड में बर्न्ट क्ले ब्रिक्स।

छत/फर्श

- भूतल की छत के लिए पूर्व ढलवां प्रबलित ब्रिक पैनल/फिलर स्लैब
- स्लोप रूफिंग के लिये अर्थन पोट्स सहित फिलर स्लैब
- स्लोपिंग रूफ पर मैंगलोर टाइल क्लैडिंग
- आईपीएस फ्लोरिंग

बीएमटीपीसी द्वारा निर्मित बरवारीपुर, रायबरेली, यूपी में लागत–प्रभावी प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से प्रदर्शन आवास योजना।

14–27 नवंबर, 2013 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के दौरान विविध वैकल्पिक आवास प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन हेतु बीएमटीपीसी द्वारा निर्मित प्रदर्शन आवास।

दरवाजे / खिड़कियां

- लागत में किफायत करने हेतु परंपरागत चौखटों के स्थान पर पूर्व ढलवां आरसीसी दरवाजों की चौखटें
- स्टील सेक्शन में खिड़की की चौखटें
- दरवाजों के लिये लकड़ी के सपाट (फ्लश) दरवाजे
- खिड़कियों के लिये ग्लेज्ड शटर्स

फिनिशिंग (परिसज्जा)

- पॉइंटिंग सहित बाहरी सरफेस पर ऐक्सपोज्ड ब्रिक फिनिश
- आंतरिक प्लास्टर करना
- आंतरिक सरफेस पर ऑयल बाउंड डिसटैम्पर
- दीवार का बाहरी भाग वाटर प्रूफ सीमेंट पेंट से सज्जित
- दरवाजों / खिड़कियों पर इनैमल पेंट
- शौचालय और स्नानघर में सेरामिक टाइल्स
- इलैक्ट्रिक एवं सैनिटरी कार्य

अन्य

- बायोडाइजेस्टर शौचालय
- कंक्रीट पेवर्स सहित रास्ते
- फेरोसीमेंट स्टेयरकेसिस एवं सनशेड्स

निर्माण कार्य के दौरान, प्रदर्शन आवास परियोजना के स्थल पर, राजमिस्त्रियों के लिये दो प्रशिक्षण कार्यक्रम और भावी इंजीनियरों के लिये एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें केएनआईटी सुल्तानपुर से 70 सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों को वैकल्पिक एवं किफायती आवास प्रौद्योगिकियों पर हैंड्स–ऑन प्रशिक्षण दिया गया।

बीएसमटीपीसी एक्सपो'13 के दौरान प्रदर्शन आवास के निर्माण के माध्यम से लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहन

जन–साधारण हेतु किफायती, वैकल्पिक एवं आपदा रोधी प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिये, दिनांक 14–27 नवंबर, 2013 को प्रगति मैदान में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के दौरान बीएमटीपीसी ने हडको बिल्डटेक 2013 में प्रदर्शन हेतु एक प्रदर्शन आवास का निर्माण किया। प्रदर्शन इकाई में 33.15 वर्ग मीटर के कुरसी क्षेत्र में दो रहने योग्य कमरे, रसोईघर तथा स्नानघर युक्त शौचालय तथा अगले और पिछले हिस्से में प्रांगण को प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शन के लिए निर्मित आवास के विशेष विवरण निम्नानुसार हैं:

स्थान विशिष्टता:

- कुर्सी (नींव) क्षेत्र 33.15 वर्ग मी. तथा कार्पेट क्षेत्र 25.40 वर्ग मी
- दो रिहायशी अलग–अलग कक्ष
- किचन (रसोई) प्रकोष्ठ

- संयुक्त स्नान घर व शौचालय
- अगले और पिछले हिस्से में कोर्टयार्ड

भवन निर्माण सामग्री/निर्माण प्रौद्योगिकी:

चिनाई:

- एक दीवार फ्लाईऐश ईंट से 1:4 के सीमेंट व बालू के गारे में, रैट ट्रैप बोंड में
- एक दीवार पकी हुई मिट्टी की ईंटों से 1:4 का सीमेंट व बालू गारा, रैट ट्रैप बोंड में
- कोशिकामय (रंध्रीय) हल्के वजन के कंक्रीट ब्लॉक्स
- होलो कंक्रीट ब्लाक्स
- फ्लाईऐश की इंटर लाकिंग ब्लाक्स

छत (रूफिंग):

- ईंटों सहित आरबी स्लैब
- ईटों एवं मिट्टी के पोट सहित फिलर स्लैब
- एमसीआर टाइल रूफिंग
- प्रिकास्ट आरसी प्लैंक्स एवं ज्वाइस्ट्स
- बैम्बू मैट कोरूगेटिड रूफिंग शीट्स

खाली या खुली जगहें:

- खुली मेहराबें
- आरसीसी दरवाजा चौखटें
- जेड सेक्शन ग्लेज्ड विंडो
- ईंटों का टोड़ा (कोरबेलिंग)
- बांस चटाई की सजावट
- फेरो सीमेंट अल्मारी, सनशेड्स (झांप), किचेन स्लैब

फर्श:

- पूर्व ढलवां/निर्मित कंक्रीट टाइल का फर्श
- सेरामिक टाइल फर्श
- प्रिकास्ट पेवर्स टाइल

सजावट:

- सीमेंट चिहांकन (प्वाइंटिंग)

भूकंप/चक्रवात रोधी विशिष्टताएं:

- आरसीसी पिलिन्थ (कुर्सी) बैंड्स (मोड़) लिंटेल बैंड्स, रूफ बैन्ड तथा कोनों एवं जोड़ों पर क्षैतिज स्टील प्रबलीकरण
- सीमेंट बालू का 1:4 का गारा
- एनबीसी एवं भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार विनिर्दिष्ट डिजाइनकृत

टिकाऊपन (स्थाईत्व)

- रैट टैप बोंड चिनाई में विवर के कारण तापरोधन–कुशलता
- चिनाई में रिक्त स्थान (विवरों) के कारण ईंट व गारे में कमी

- ढांचागत मजबूती में समझौता किए बिना फिलर स्लैब के कारण कंक्रीट की मात्रा में कमी
- दरवाजे/खिड़की के आरसीसी के चौखटों के कारण लकड़ी/स्टील की मांग में कमी
- ईंटों की जाली के कारण खिड़कियों के चौखटों व पल्लों की जरूरत समाप्त
- फेरो सीमेंट अलमारियों में पत्थर/आरसीसी के स्लैब में कमी की
- प्लस्तर की आवश्यकता नहीं
- उपलब्धता एवं मूल्य को देखते हुए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध भवन (निर्माण) सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है
- स्थानीय उपलब्ध निर्माण सामग्री को मूर्तरूप देने में कम ऊर्जा सामग्री प्रयुक्त
- आवास को मूर्तरूप देने वाली ऊर्जा में लागत को बिना बढ़ाए 30 प्रतिशत तक कमी की जा सकती है।

निर्माण लागत

- निर्माण लागत भौगोलिक क्षेत्र, परिमाण/कार्य एवं लगने वाले समय पर निर्भर है। हालांकि, इन प्रौद्योगिकियों के प्रयोग से सीपीडब्लूडी/राज्य पीडब्लूडीज/आवास बोर्डों या विकास प्राधिकरणों के मानक निर्देशों के अनुसार निर्धारित विनिर्देशन की अपेक्षा 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक लागत में कमी आती है
- निर्माण तकनीकी में जटिलता नहीं
- कार्यों का कोई मालिकाना विषय नहीं क्योंकि सभी बीआईएस द्वारा कवर किये गये हैं।

II. आपदा न्यूनीकरण – मरम्मत, पुनर्निमाण एवं रेट्रोफिटिंग

1- अद्यतित भूकंप जोखिम प्रक्षेत्रीय नक्शों एवं मानचित्रावली की तैयारी

भारतीय संदर्भ में भूकंपीय खतरों एवं इसमें निहित जोखिमों की महत्ता को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार ने 1893–2002 के अनुसार भारत के भूकंप प्रक्षेत्रीय नक्शे के आधार पर बीएमटीपीसी पर, सर्वे ऑफ इंडिया, जनगणना तथा भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग आदि से उपलब्ध नवीनतम आकड़ों को समन्वित करते हुए जिला स्तर पर अद्यतित भूकंप खतरा मानचित्र तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी।

परिषद ने सर्वे ऑफ इंडिया प्रशासनिक सीमा डाटा पर आधारित जिला स्तर पर पूरे देश के लिये अद्यतित भूकंप जोखिम प्रक्षेत्रीय मानचित्र तैयार कर लिया है। इसके बाद, एनडीएमए की यह इच्छा थी कि भारत की जनगणना ऐटलस 2011 से उप–खंड (ब्लाक्स) का सीमा डाटा लिया जाए। एनडीएमए ने डाटा प्राप्त करने के लिये जनगणना विभाग से संपर्क किया। जनगणना विभाग से डाटा की प्रतीक्षा है। ज्योंही उप–खंड स्तर के संबंध में जनगणना

के आंकड़े उपलब्ध होंगे, उन्हें समन्वित किया जाएगा और मानचित्रों को पुनर्विकसित किया जाएगा।

2- jkT; d bthfu;jk vkj okLrfonk d fy; Hkdi jk/kh fMtkbu ,o fuek.k ij **प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण** ¼Vhvk Vh½ dk;Øe

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की पहल पर बिहार लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (बीआईपीएआरडी), भारत सरकार ने भूकंप रोधी डिजाइन एवं निर्माण पर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण(टीओटी) के आयोजन में बीएमटीपीसी की सहायता हेतु अनुरोध किया। प्रशिक्षण देने के लिये, भूकंप इंजीनियरिंग, आईआईटी रूड़की के सहयोग से एक पुस्तक शीर्षक ''भूकंप रोधी संरचनाओं का डिजाइन एवं निर्माण : इंजीनियरों और वास्तुविदों हेतु व्यवहारिक बातचीत'' के रूप में इंजीनियरों और वास्तविदों के प्रशिक्षण हेतु भूकंप रोधी डिजाइन और निर्माण में मानकीकृत संसाधन सामग्री पर तैयार की गई। प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम की श्रृंखला ''भूकंप रोधी डिजाइन और निर्माण'' पर एक एक सुग्राह्यी कार्यक्रम आयोजन द्वारा जनवरी, 2013 को पटना में आईआईटी रूड़की के साथ संयुक्त रूप से शुरू की गई।

अब तक पटना में बीआईपीएआरडी के अनुरोध पर टीओटी के सात बैचों का आयोजन किया गया है। संसाधन व्यक्ति आईआईटी रूड़की, एनआईटीपटना, बीएमटीपीसी और इस क्षेत्र में अन्य विशेषज्ञ थे। प्रत्येक बैच के प्रशिक्षण के अंत में, परीक्षा के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन किया गया।

3- Hkkjr e vkokl i:Ik oxhdj.k dh Hkdih; lj{kk vfHky[ku ¼nLrkothdj.k½ gr ifof/k dk fodkl

भारत में लगभग 60 प्रतिशत भू–क्षेत्र (लगभग 66 प्रतिशत जनसंख्या) साधारण से तीव्र भूकंप की परिधि में भूकंप तीव्रता के लिए जोखिम संवेदनशील है। विभिन्नतापूर्ण भू–जलवायु दशाएं, क्षेत्रानुसार विशेष भवन निर्माण सामग्री की पूर्व प्रचुरता, लोगों की रहन–सहन की आदतें तथा उस क्षेत्र के मकानों में प्रयुक्त निर्माण प्रौद्योगिकियां तथा आधारभूत सामग्री, जोखिम परिदृश्य भूकंप वर्गीकरण को प्रभावित करते हैं।

आज आधुनिक निर्माण सामग्री, प्रौद्योगिकी तथा रिवाजों (शैलियों) के प्रभाववश इन परंपरागत सुरक्षित रिवाजों को भुला दिया गया है। गंभीर भूकंप क्षेत्रों में ज्यादातर आधुनिक निर्माण में न तो परंपरागत भूकंप रोधी विशिष्टताओं को अपनाते है और न ही महत्वपूर्ण आधुनिक इंजीनियरिंग विशिष्टताओं को अपनाया जाता है। वर्तमान में आए भूकंपों ने देश में विद्यमान भवनों की नाजुकता को उजागर किया है। मानवीय क्षति का मुख्य कारण भूकंप के दौरान भवनों का ढह जाना है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि सक्रिय आपदा न्यूनीकरण एवं नियोजन उपागम का अनुपालन किया जाए। किसी भी आपदा न्यूनीकरण योजना हेतु, यह महत्वपूर्ण है कि उन प्रौद्योगिकियों को समझा जाए जो देश में गंभीर भूकंप क्षेत्र में भवन निर्माण

7–10 मई, 2013 को पटना में बीएमटीपीसी द्वारा बिहार राज्य सरकार के इंजीनियरों एवं वास्तुकारों हेतु भूकंपरोधी डिजाइन एवं निर्माण पर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

के लिए विद्यमान हैं। भावी भूकंपों के अवसर पर जोखिम नाजुकता को मूल्यांकित करने हेतु तथा इस प्रकार के भवनों को सुदृढ़ीकृत करने के सरल साधनों को पहचाना जाए।

बीएमटीपीसी ने सी वी आर मूर्ती (आईआईटी, मद्रास) तथा इस क्षेत्र के अन्य विषेशज्ञों की उनकी टीम के साथ उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ, पंजाब, आसाम, जम्मू व कश्मीर,, गुजरात तथा बिहार के गंभीर से लेकर साधारण भावी भूकंपीय क्षेत्र के विभिन्न प्रकार के मकानों एवं उनकी सुरक्षा के लिए एक प्रायोगिक परियोजना की जिम्मेदारी ली है। इस संबंध में, संबंधित क्षेत्र के स्थानीय पदाधिकारियों तथा अन्य जाने–माने विशेषज्ञों के परामर्श के साथ कोर ग्रुप के द्वारा वर्तमान में सघन क्षेत्र स्तरीय अध्ययन को आयोजित किया गया ताकि भूकंपीय नजरिए को ध्यान में रखते हुए विद्यमान आवासों के प्रकार तथा उन आवासों की कमियां और भारत के गंभीर से साधारण भूकंपीय क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर आवास वर्गीकरण की तकनीकी अभिलेखन के अध्ययन की जिम्मेदारी उठाई जा सके।

वर्ष के दौरान परिषद द्वारा ''भारत में आवास प्ररूप वर्गीकरण की भूकंप सुरक्षा पर दस्तावेजीकरण हेतु प्रविधि'' शीर्षक पर प्रकाशन निकाला गया। इस दस्तावेज में भारत में साधारण से तीव्र भूकंप प्रक्षेत्रों में साम स्थनों में भूकंप क्षेत्रों में प्रचलित आवास उप–प्ररूप वर्गीकरण की व्याख्या की गई है। प्रकार को ध्यान में रखकर 'आदर्श मकान' की व्याख्या सहित, इसमें भूकंप सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यमान मकानों की कमियों की पहचान की गई है और यह बड़े पैमाने पर आवास प्रारूप वर्गीकरण के तकनीकी दस्तावेजीकरण को शुरू करने के लिये एक प्रविधि भी प्रस्तुत की गयी।

III. पूर्वोत्तर क्षेत्र में क्रियाकलाप

1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण क्रियाकलाप

बीएमटीपीसी पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा बांस उगाने वाले अन्य क्षेत्रों में बांस आधारित प्रौद्योगिकियों का विकास करने और उनका संवर्द्धन करने में सक्रिय रूप से शामिल है। परिषद् द्वारा यह सहयोग, बांसों के प्रसंस्करण के लिए, बांस आधारित वाणिज्यिक उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए, प्रदर्शन मकानों/ढांचों के निर्माण के लिए बांस चटाई उत्पादन केंद्रों की स्थापना करके दिया जा रहा है। परिषद बांस के भवन निर्माण में उपयोग के संबंध में स्थानीय कारीगरों को सतत आधार पर प्रशिक्षण दे रही है। वर्ष के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न कार्यकलाप निम्नलिखित हैं :

- परिषद ने मणिपुर राज्य बांस मिशन, वन विभाग, मणिपुर सरकार तथा दक्षिण एशिया बांस संस्थान (एसएबीएफ) के साथ संयुक्त रूप से 26–29 जून, 2013 को इंफाल, मणिपुर में बांस से निर्माण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान 30 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिये बांस का एक गजेबो कांगला फोर्ट, इंफाल में मास्टर शिल्पी कारीगर के मार्गदर्शन के तहत

मणिपुर राज्य बांस मिशन, वन विभाग, मणिपुर सरकार और दक्षिण एशिया बांस संघ (एसएबीएफ) के साथ मिलकर संयुक्त रूप से 26–29 जून, 2013 को इम्फाल, मणिपुर में बीएमटीपीसी के द्वारा बांस से भवन निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वन विभाग, मेघालय सरकार के साथ संयुक्त रूप से मिलकर 2–4 दिसंबर, 2013 को शिलोंग, मेघालय में बीएमटीपीसी के द्वारा बांस से भवन निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजना किया गया।

प्रतिभागियों ने निर्मित किया। गजेबो कला एवं संस्कृति विभाग, मणिपुर सरकार, इंफाल को सौंप दिया गया।

- परिषद ने बांस से निर्माण पर वन विभाग, मेघालय सरकार के साथ मिलकर 2–4 दिसंबर, 2013 को शिलोंग, मेघालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान, 30 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिये बांस का एक गजेबो शिलोंग में शिल्पी कारीगर के मार्गदर्शन के तहत प्रतिभागियों ने निर्मित किया।

IV. निर्माण क्षेत्र में सूचना एवं आंकड़ा आधार (डाटा बेस) का सुदृढ़ीकरण

1- "निर्माण सारिका" – बीएमटीपीसी सूचना दर्शिका के विशेष अंक का प्रकाशन

दिनांक 07 अक्तूबर, 2013 को आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय द्वारा मनाए गए विश्व पर्यावास दिवस, 2013 के अवसर पर बीएमटीपीसी ने, इस अवसर को यादगार बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा चुने गए "शहरी गतिशीलता'' विषय पर अपने न्यूजलैटर "निर्माण सारिका" का एक विशेष अंक निकाला। इस विशेष प्रकाशन में विश्व पर्यावास दिवस के विषय से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है और इसके साथ ही साथ परिषद् के क्रियाकलापों को प्रमुखता से दर्शाया गया है। "निर्माण सारिका" का विमोचन 07 अक्तूबर, 2013 को विश्व पर्यावास दिवस, 2013 के समारोह के दौरान, भारत सरकार के आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय की तत्कालीन मंत्री द्वारा किया गया।

2. ''रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट सर्टिफिकेशन योजना (क्यूसीआई)के तहत आरएमसी क्षमता प्रमाणीकरण हेतु रेडी मिक्स कंक्रीट के उत्पाद नियंत्रण के लिये मानदंड'' का प्रकाशन

कंक्रीट, अपने स्थायीत्व और बहुविज्ञता के कारण सर्वव्यापी निर्माण सामग्री है। बुनियादी ढांचे और आवास क्रियाकलापों में वर्धित घ्यान के साथ, दिन–ब–दिन विभिन्न रूपों में कंक्रीट का उपयोग बढ़ रहा है। आरसीसी निर्माण के टिकाऊपन के लिये, वांछित ग्रेड की उपयुक्त गुणवत्ता और कंक्रीट का सर्वोत्तम निष्पादन सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। एक केंद्रीकृत संयंत्र में नियंत्रित परिवेश में तैयार किया रेडी मिक्स कंक्रीट हमेशा कार्य स्थल पर तैयार किये जाने के बजाय बेहतर विकल्प है। नब्बे के दशक के प्रारंभ से शुरू होकर, आरएमसी उद्योग नब्बे के दशक के उत्तरार्द्ध से वर्तमान स्थिति में विकसित हुआ, जब यह दो और तीन स्तर के शहरों में भी फैला।

उद्योग में तीव्र विकास के साथ ही, आरएमसी संयंत्रों का स्तर और वांछित गुणवत्ता बनाये रखने की चुनौती भी बढ़ी है। इस चुनौती को महसूस करते हुए, रेडी मिक्स कंक्रीट प्लांट मैनूफैकचर'स ऐसोसियेशन (आरएमसीएमए) ने अपने लिये एक लेखा परीक्षा की प्रणाली विकसित करने की पहल की और लेखा परीक्षा हेतु समुचित भारतीय मानकों तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रियाकलापों पर आधारित, एक विस्तृत जांच सूची तैयार की।

लेखा परीक्षा को एक स्वतंत्र पहचान देने के लिये, आरएमसीएमए ने अब भारतीय गुणवत्ता परिषद के साथ हाथ मिलाया है, जिसने आरएमसी प्लांट के प्रमाणीकरण के संचालन की जिम्मेदारी ली है। बीएमटीपीसी ने भी क्यूसीआई और आरएमसीएमए के साथ हाथ मिलाया है ताकि रेडी मिक्स कंक्रीट के आरएमसी प्लांट के उत्पादन नियंत्रण हेतु मानदंड तैयार किये जा सकें। आरएमसी सक्षमता प्रमाणपत्र हेतु रेडी मिक्स कंक्रीट के उत्पादन नियंत्रण का मानदंड दस्तावेज केलोनिवि, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय, डीएमआरसी एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जैसी प्रयोक्ता एजेंसियों की तकनीकी समिति के प्रतिनिधि सदस्यों के साथ व्यापक विचारविमर्श से तैयार किया गया है; आर एंड डी लैब्स जैसे एनसीसीबीएम, सीबीआरआई; अन्य विशेषज्ञ और आरएमसीएमए द्वारा प्रतिनिधित्व वाले उद्योग; प्रमाणीकरण योजना के लिये संयंत्रों की लेखा परीक्षा का आधार तैयार करेंगे।

3. निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणीकरण योजना (पीएसीएस) पर व्याख्यात्मक पुस्तिका का प्रकाशन

बड़ी तेजी से बदलते हुए बाजार परिदृश्य, आर्थिक उदारीकरण और प्रौद्योगिकीय विकासों के साथ, भवन निर्माण बाजार में नई भवन सामग्रियों, उत्पादों, उपकरणों और सम्मिश्रणों की अनेक किस्में आ गई हैं। वास्तुकारों/ इंजीनियरों, निर्माण एजेंसियों, भवन निर्माताओं और अन्य ग्राहकों के सामने बार–बार नई निर्माण सामग्रियों, उत्पादों, उपकरणों और प्रणालियों की गुणवत्ता, टिकाऊपन, उपयागिता और निष्पादन का प्रश्न आया है।

यद्यपि भारत में निर्माण सामग्रियों और निर्माण तकनीकों पर राष्ट्रीय मानदंड कई विकासशील और यहां तक कि कुछ विकसित देशों से कहीं अधिक बेहतर है लेकिन मानकीकरण की दीर्घ अवधि वाली प्रक्रिया है और मानदंड निर्धारित करने से पूर्व सामग्रियों के क्षेत्रीय निष्पादन का समर्थन इसके लिये अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त, मानदंडों में व्यापक गुणवत्ता और गुण समाविष्ट हैं जो इतने व्यापक नहीं हो सकते जिसमें प्रत्येक और सभी आने वाली निर्माण सामग्रियां/प्रौद्योगिकियों को समाविष्ट किया जा सके और इसलिये, बड़ी संख्या में निर्माण सामग्रियों, उत्पादों, उपकरणों और सम्मिश्रणों पर श्रेष्ठता के कई दावे होते हैं जिनकी पुष्टि उपयुक्त मानदंडों की अनुलब्धता अथवा जांच तथा मूल्यांकन पद्धति की कमी के कारण नहीं हो सकती अथवा उत्पादों की मालिकाना प्रकृति उनकी विशेषता, डिजाइन आदि के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताते। बहुत से औद्योगिक देशों में प्रचलित रीतियों के अनुसार, ऐसी स्थिति में वास्तुकारों, इंजीनियरों, भवन निर्माताओं और निर्माण सामग्रियों,उत्पादों और निर्माण सामग्रियों के अन्य प्रयोक्ताओं के मार्गदर्शन के लिये एक स्वतंत्र एजेंसी द्वारा निष्पादन मूल्यांकन/ मूल्यांकन प्रमाणपत्र प्रदान करने की आवश्यकता उत्पन्न होती है।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में, तत्कालीन शहरी विकास एवं गरीबी उन्मूलन मंत्रालय (अब आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय), भारत सरकार ने राजपत्र अधिसूचना के तहत बीएमटीपीसी को निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र (पीएसी)

जारी करने, वांछित उपयोग के लिये नई निर्माण सामग्रियों, उपकरणों, उत्पादों, तत्त्वों, निर्माण प्रणाली और रीतियों की उपयुक्तता पर स्वतंत्र राय देने का अधिकार दिया है, जो अभी भारतीय मानदंड द्वारा समाविष्ट नहीं हैं। यह योजना उत्पाद के निष्पादन को प्रमाणित करने के लिये एक तृतीय पक्ष के प्रमाणीकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत करती है और इस प्रक्रिया में यह पर्याप्त डाटा प्रस्तुत करती है जो बाद में भारतीय मानदंड तैयार करने के लिये अनिवार्य होगा। बीएमटीपीसी ने अब तक विभिन्न नई सामग्रियों और निर्माण प्रणालियों के लिये 27 निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र (पीएसी) जारी किये हैं।

पीएसीएस को नया प्रोत्साहन देने के लिये, बीएमटीपीसी ने पीएसीएस पर एक व्याख्यात्मक पुस्तिका प्रकाशित की जो पीएसीएस के सभी पहलुओं का वर्णन करती है और भावी आवेदकों के लाभ के लिये योजना के बारे में कई शंकाएं मिटाती है।

बीएमटीपीसी द्वारा 23 अगस्त, 2013 को नई दिल्ली में पीएसीएस पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन के तत्कालीन माननीय मंत्री द्वारा व्याख्यात्मक पुस्तिका का विमोचन किया गया।

4. लक्ष्य अनुसरण में मुख्य गतिविधियां शीर्षक पर विवरणिका (ब्रोशर) का प्रकाशन

परिषद ने ''लक्ष्य अनुसरण में मुख्य गतिविधियां'' शीर्षक पर विवरणिका (ब्रोशर) तैयार की है ताकि पिछले 5–6 वर्षों के दौरान परिषद की विभिन्न गतिविधियों को चित्रात्मक रूप से प्रस्तुत किया जा सके। बीएमटीपीसी अपने अधिदेश के अनुरूप, प्रौद्योगिकी विकास एवं संवर्धन, उभरती प्रौद्योगिकियां, प्रदर्शन निर्माण, आपदा न्यूनीकरण, बांस का संरचनात्मक उपयोग, कौशल उन्नयन और परियोजना प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कार्य करती है। बीएमटीपीसी द्वारा 23 अगस्त, 2013 को नई दिल्ली में पीएसीएस पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन के तत्कालीन माननीय मंत्री द्वारा ब्रोशर का विमोचन किया गया।

5. प्रदर्शन निर्माण के माध्यम से किफायती और आपदा रोधी प्रौद्योगिकियों का प्रसार शीर्षक पर ब्रोशर का प्रकाशन

प्रकाशन में बीएमटीपीसी द्वारा अब तक तैयार प्रदर्शन आवास परियोजनाओं का विवरण प्रस्तुत है जिसमें योजनाएं, विनिर्देश और देश के विभिन्न हिस्सों में इस्तोल की गई प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। दिनांक 07 अक्तूबर, 2013 को आयोजित विश्व पर्यावास दिवस, 2013 के महोत्सव के दौरान ब्रोशर का विमोचन आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन के तत्कालीन माननीय मंत्री ने किया।

6. आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन – बीएमटीपीसी द्वारा पहल शीर्षक पर ब्रोशर का प्रकाशन

बीएमटीपीसी आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन के लिये सक्रिय दृष्टिकोण स्थापित करने के लिये निरंतर प्रयासरत है और जन–साधारण तथा

पणधारकों के मध्य व्यापक जागरूकता लाने तथा उन्हें शिक्षित करने के लिये सबसे आगे है। इस प्रकाशन में बीएमटीपीसी द्वारा आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन के क्षेत्र में शुरू किये गये विभिन्न प्रयासों का उल्लेख है। दिनांक 07 अक्तूबर, 2013 को आयोजित विश्व पर्यावास दिवस, 2013 के महोत्सव के दौरान ब्रोशर का विमोचन आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन के तत्कालीन माननीय मंत्री ने किया।

7. परिषद की वेबसाइट के माध्यम से सूचना का प्रसार

परिषद की वेबसाइट (www.bmtpc.org) को विश्व के विभिन्न आयामों के अनुभवविद्ध देख रहे हैं। इसे नवोन्मेषी भवन सामग्रियों और निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में एक संदर्भ साधन के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। परिषद की वेबसाइट सबके लिये किफायती आवास के समर्थकारी परिवेश के निर्माण हेतु इसके अधिदेश के अनुरूप किफायती भवन सामग्रियों और निर्माण पर एक कोष के तौर पर कार्य करती है।

उत्पाद और सेवाओं के बारे में सामान्य पूछताछ के रूप में वेबसाइट पर अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त होती है। परिषद की वेबसाइट को किराया और क्रय आवश्यकताओं, निविदा सूचनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सूचना का अधिकार अधिनियम और समय–समय पर यथा अपेक्षित अन्य सूचनाओं के अतिरिक्त नवीनतम तकनीकी सूचना से नियमित तौर पर अद्यतित किया जाता है।

8. मानकीकरण एवं उत्पाद मूल्यांकन

कार्य–निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणीकरण योजना (पीएसीएस)

बीएमटीपीसी द्वारा चलाई जा रही कार्य–निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणीकरण योजना, किसी उत्पाद के विनिर्माताओं या संस्थापकों के लिए एक तृतीय पक्षीय स्वैच्छिक योजना है। जिसमें मूल्यांकन की उचित प्रक्रिया पश्चात् निर्माण सामग्री, उत्पाद, संघटक, तत्व (कारक) एवं प्रणाली आदि का मूल्यांकन सम्मिलित है।

चूंकि योजना उत्पादों/ प्रणालियों के लिये संचालित की जा रही है जहां कोई उपयुक्त भारतीय मानकीकरण उपलब्ध नहीं है, यह आवश्यक है कि कार्य–निष्पादन मूल्यांकन के लिये पहले अपेक्षित विनिर्देशन तैयार किये जाएं। विचाराधीन मदों के लिये, अंतर्राष्ट्रीय क्रियाकलाप भी उल्लिखित किये जाते हैं। कुछ मामलों में, विनिर्माताओं द्वारा संस्तुत विनिर्देशनों को गुणवत्ता और कार्य–निष्पादन में सुधार लाने के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्रियाकलापों के आधार पर संशोधित किया जाना है।

उत्पाद मूल्य–निर्धारण और मूल्यांकन के आधार पर तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीएसी) की 6वीं बैठक 22 नवंबर, 2013 को आयोजित की गई जिसमें पीएसी को निम्नलिखित उत्पादों/प्रणालियों के लिये अनुमोदित किया गयाः

1. विकसित भवन प्रणाली इमिड्यू

2. फैक्टरी निर्मित फास्ट ट्रैक मोड्यूलर भवन प्रणाली
3. फ्लूओरोजिप्सम आधारित ऐनहिड्राइट बाइंडर
4. कूलटाइल

बैठक के दौरान निम्नलिखिता उत्पादों को भी नवीकृत किया गयाः

1. कंटीन्यूअस सैंडविच पैनल
2. मार्शल डोर
3. एफआरपी मेनहोल
4. पोलीइथिलीन भूमिगत सेप्टिक टैंक
5. ग्लास फाइबर रिइनफोर्सड जिप्सम बिल्डिंग (रैपिड वाल) सिस्टम

फिलहाल अब तक विभिन्न मदों को आवृत्त करने वाली लगभग 27 (मदों) उत्पादों यथा–लकड़ी/एफआर श्रेणी/पीवीसी/पीयूएफ दरवाजे एवं खिड़की, ब्लाक मेकिंग मशीन, पैन मिक्चर, रिक्रोन फाइबर, जिपक्रीट वाल पैनल, ब्रिक किल्न टेक्नोलॉजी, प्लास्टोक्रेट/इंसुलेटेड/सेंडविच/जिप्सम पैनल्स, अंडरग्राउंड वाटर स्टोरेज/सेप्टिक टैंक, एफआरपी मैन होल, मोनोलिथिक फोर्मवर्क, मार्बल स्लरी बाइंडर, फैक्टरी निर्मित फास्ट ट्रैक मोड्यूलर भवन प्रणाली तथा फ्लूओरोजिप्सम आधारित ऐनहिड्राइट बाइंडर के लिए निष्पादकता मूल्यांकन प्रमाण–पत्र (पीएसी) जारी किए जा चुके हैं।

इसके अतिरिक्त, स्पीड लोर सिस्टम और लाइट गॉज फ्रेम्ड स्टील स्ट्रक्चर के मूल्यांकन के लिये, बीएमटीपीसी के प्रतिनिधियों द्वारा 04 और 05 सितंबर, 2013 को क्रमशः मैसर्स जिंदल स्टील एंड पावर लि., रायगढ़ तथा मैसर्स जेबी फैबिनफ्रा प्रा.लि., रायगढ़ की उत्पाद इकाइयों का दौरा किया गया। विवरणों के आधारपर पीएसीएस मसौदा तैयार किया गया और टीएसी के सदस्यों को उनकी टिप्पणियों के लिये वितरित किया गया।

अवधि के दौरान मैसर्स बीर्डसेल लि., चेन्नै के क्विकबिल्ड, 3डी पैनलों, मैसर्स स्कनेल वायर सिस्टम, इटली के कॉनक्रिवाल पैनलों, और मैसर्स आउटिनोर्ड इंटर. लि., पुणे के टनल फोर्मस (फोर्मवर्क/ शटरिंग) के लिये पीएसीएस जारी करने के लिये आवेदन प्राप्त किये गये और उन पर कार्रवाई की गयी।

पीएसी धारकों से पीएसीएस की संपूर्ण प्रक्रिया की समीक्षा हेतु सुझाव मांगे गए। अधिकांश पीएसी धारकों ने अपने उत्पादों/ प्रणालियों के बारे में सुझाव प्रस्तुत किये हैं जिसमें उल्लिखित किया गया है कि बीएमटीपीसी जैसे सरकारी निकाय से एक तृतीय पक्ष के आश्वासन के तौर पर पीएसी से उन्हें अपने ग्राहकों को अपना पक्ष समझाने में बहुत सहायता मिली है।

प्रचार उपाय के तौर पर, कई एजेंसियां निर्माण में इस्तेमाल की जाने वाली नई सामग्रियों/प्रणालियों के विनिर्माण/ विकास/ विपणन में शामिल हुई हैं और उन्होंने अपने नये उभरते उत्पाद/ प्रणाली के लिये पीएसी हेतु आवेदन प्रस्तुत करने के लिये संपर्क किया है।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की अनुभागीय (सेक्शनल) कमेटियों हेतु तकनीकी सहायता

पीएसीएस के अलावा, परिषद सिविल इंजीनियरिंग से संबंधित विभिन्न विषयों – यथा सीमेंट एवं कंक्रीट, लोरिंग, वाल फर्निशिंग तथा रूफिंग सामग्री; भूकंप इंजीनियरिंग, आवासीय प्रीफैब्रिकेटेड निर्माण; पर्वत क्षेत्र विकास तथा नेशनल बिल्डिंग कोड आदि पर–भारतीय मानकों को विनिर्मित करने हेतु भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की विभिन्न अनुभागीय कमेटियों को तकनीकी सहायता (इनपुट) उपलब्ध कराती है।

V. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संवर्धनात्मक और क्षमता निर्माण कार्यकलाप

1. आर एंड डी संस्थानों के साथ वैकल्पिक तथा उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर संभावित समन्वयन क्षेत्रों की पहचान हेतु विचार मंथन सत्र का आयोजन

बीएमटीपीसी पिछले दो दशकों से अधिक समय से प्रयोगशाला से कार्यक्षेत्र, आपदा रोधी प्रौद्योगिकियों, क्षमता और कौशल विकास हेतु उपयुक्त पौद्योगिकियों के विकास और प्रचार के क्षेत्र में कार्य कर रही है। बड़ी संख्या में भवन सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों का विकास, मानकीकरण किया जा चुका है और वे वर्षों से क्षेत्र में सफलता से उपयोग की जा रही हैं। कुछ ज्ञात प्रौद्योगिकियों के उपयोग के कार्यक्षेत्रीय अनुभव सहित, यह महसूस किया गया कि और अधिक सुधार लाने के लिये नवीन ज्ञान का लाभ लेना भी आवश्यक है। टिकाऊ आवास हेतु किफायती, पर्यावरण अनुकूल एवं ऊर्जा दक्ष भवन सामग्रियों तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों में विश्वसनीय अनुसंधान और विकास के क्षेत्रों की पहचान करना भी आवश्यक था। उपरोक्त पृष्ठभूमि में, आर एंड डी संस्थान के साथ वैकल्पिक तथा उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर संभावित समन्वयन क्षेत्र की पहचान हेतु परिषद द्वारा 12 जून, 2013 को नई दिल्ली में एक दिवसीय विचार मंथन सत्र आयोजित किया गया।

लगभग 40 प्रतिभागियों ने शिक्षण संस्थानों जैसे कि आईआईटी मद्रास, आईआईटी कानपुर, आईआईटी रूड़की, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी भुबनेश्वर, आईआईटी पटना, आईआईटी जोधपुर का प्रतिनिधित्व किया, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं जैसे स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर, एडवांस्ड मैटिरीयल्स और प्रोसेस रिसर्च इंस्टीट्यूट(एएमपीआरआई), सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीबीआरआई), इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल एवं मैटिरियल टेकनोलोजी, तथा अन्य संस्थान जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सेरामिक इंस्टीट्यूट (सीजीसीआरआई), राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान (एनआईआरडी), ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टीईआरआई), सम्राट अशोक टेकनोलोजी इंस्टीट्यूट, आरवी–टीआईएफएसी कंपोजिट्स डिजाइन सेंटर, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), पर्यावरण सुरक्षा हेतु समिति, अल्ट्रा ऐक सीमेंट लिमिटेड, आरएमसी एंड न्यू प्रोजेक्ट्स, आर.एल. इंजीनियरिंग, सेंट्रल सोएल एंड मैटिरियल्स रिसर्च

12 जून, 2013 को नई दिल्ली में बीएमटीपीसी के द्वारा अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के साथ वैकल्पिक एवं उभरते आवास प्रौद्योगिकियों पर सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान हेतु विचार मंथन (ब्रेन स्टोरमिंग) सत्र का आयोजन किया गया।

स्टेशन (सीएसएमआरएस), कोयर डिसप्ले एंड इंफोरमेशन सेंटर, कोयर बोर्ड, साउथ एशिया बैम्बू फाउंडेशन, फ्लाई ऐश यूनिट–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास, टाटा आवास विकास कं.लि., विकास विकल्प, जिंदल स्टील एंड पावर, फाउंडेशन फॉर बिल्डिंग टेकनोलोजी एंड इनोवेशन्स, सेंटर ऑफ सांइन्स फॉर विलेजिस से प्रतिनिधियों ने बुद्धिशीलता सत्र में हिस्सा लिया।

नई दिल्ली में विचार मंथन सत्र के परिणाम के तौर पर, परिषद को कई आर एंड डी परियोजना प्रस्ताव मिले हैं। आवास एवं भवन निर्माण के क्षेत्र में आर एंड डी परियोजनाओं की पहचान और चयन में बीएमटीपीसी का मार्गदर्शन करने के लिये, प्राप्त हुए परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन और सिफारिश तथा परियोजनाओं की आवधिक निगरानी के लिये, अध्यक्ष, बीएमटीपीसी की कार्यकारी समिति द्वारा एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। समिति ने वर्ष में दो बैठकें कीं। समिति की सिफारिश पर, निम्नलिखित दो परियोजनाओं का चयन और शुरूआत की गईः

- निम्न लागत आवास हेतु प्रिकास्ट कंक्रीट कॉलम
- ह्यूमोटर का विकास – मानव प्रयासों का उपयोग करने का एक मानवीय तरीका

2. नई दिल्ली में निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र योजना पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

विनिर्माताओं/ विकासकों/ नई भवन सामग्री और निर्माण प्रणाली के प्रदाताओं के मध्य निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र योजना के लाभों के प्रसार और जागरूकता लाने के लिये, दिनांक 23 अगस्त, 2013 को नई दिल्ली में बीएमटीपीसी ने निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र योजना (पीएसीएस) पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। तत्कालीन आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री ने सेमिनार का उद्घाटन किया और उभरती प्रौद्योगिकियों तथा स्थानीय सामग्रियों के उपयोग पर बल देते हुए महत्त्वपूर्ण भाषण दिया। माननीय मंत्री ने इस बात पर ध्यान दिलाया कि राजस्थान में, मार्बल स्लरी वेस्ट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और ऐसी स्थानीय सामग्रियों के उपयोग के लिये प्रयास किया जाना चाहिये ताकि सामग्री और ढुलाई लागत कम की जा सके जो अन्य स्थानों से सामग्री लाने की तुलना में अपेक्षाकृत कम होगी। इस अवसर पर, बीएमटीपीसी के दो प्रकाशन अर्थात् ''निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणीकरण योजना – नवोन्मेषी और नई निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों के प्रचार का साधन'' और ''व्यवसाय में प्रमुख गतिविधियां'' मुख्य अतिथि द्वारा विमोचित किये गये। सेमिनार में विभिन्न क्षेत्रों तथा विभिन्न सरकारी संगठनों, संस्थानों, प्रसिद्ध निजी कंपनियों, वास्तुकारों और सलाहकारों आदि लगभग 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

3. चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में आवास तथा भवन निर्माण में मार्बल स्लरी के उपयोग पर विचार मंथन सत्रों का आयोजन

बीएमटीपीसी अपने शुरू के वर्षों से प्रयोगशाला से कार्यक्षेत्र में स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों, आपदा रोधी प्रौद्योगिकियों, क्षमता तथा कौशल विकास का उपयोग करते हुए उपयुक्त निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों

23 अगस्त, 2013 को नई दिल्ली में प्रदर्शन मूल्यांकन प्रमाणन योजना (पीएसीएस) पर राष्ट्रीय सेमिनार।

24 एवं 25 फरवरी, 2014 का चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में बीएमटीपीसी द्वारा आवास एवं भवन निर्माण में संगमरमर घोल की उपयोगिता पर दो विचार मंथन (ब्रेन स्टोरमिंग) सत्रों का आयोजन किया गया।

के विकास एवं संवर्धन के क्षेत्र में कार्यरत है। कृषि–उद्योग अपशिष्ट का उपयोग करने वाली कई भवन सामग्रियां और प्रौद्योगिकियां विकसित, मानकीकृत की गई हैं और कई वर्षों से क्षेत्र में सफलतापूर्वक इनका उपयोग किया जा रहा है।

एक अनुमान के अनुसार, भारत में 1200 मीलियन टन मार्बल का भंडार होने का अनुमान लगाया है जिसमें से 90 प्रतिशत यानि 1100 मीलियन टन का भंडार राजस्थान में है। राजस्थान में मार्बल उद्योग खनन अपशिष्ट, मार्बल के पत्थरों का अपशिष्ट, मार्बल का गारा/घोल, चमकीला घोल इत्यादि के स्वरूप में भारी मात्रा में अपशिष्ट का उत्पादन होता है जो पर्यावरण संबंधी समस्या, निपटान की समस्या, जलभृत क्षेत्रों में सरंध्रता का खतरा एवं क्षेपण (डंपिंग) के लिए भूमि की बर्बादी इत्यादि की समस्या पैदा करती हैं। सीबीआरआई, आईआईटी दिल्ली, सीआरआरआई, टीआईएफएसी, जैसे विभिन्न शोध संस्थानों द्वारा किए गये शोध एवं विकास कार्य के अनुसार, मार्बल के अपशिष्टों का उपयोग रेत एवं सीमेंट, सड़क के फुटपाथों, तटबंधों एवं दीवारों की जगह, भवन निर्माण के उत्पाद जैसे ईंटे, ब्लॉक, टाइल, चिनाई का सीमेंट, जिप्सम प्लॉस्टर आधारित बोर्ड, सीमेंट कंक्रीट में किया जा सकता है।

आवास एवं भवन निर्माण में मार्बल अपशिष्टों के लाभप्रद उपयोग के बारे में जागरूक बनाने एवं शोध के विस्तृत क्षेत्रों का पता लगाने के उद्देश्य से बीएमटीपीसी ने 23 जनवरी, 2014 को चंडीगढ़ में एवं 24 जनवरी, 2014 को उदयपुर, राजस्थाऩ में आवास एवं भवन निर्माण में मार्बल अवशिष्टों के उपयोग पर विचार मंथन सत्रों का आयोजन किया। विचार मंथन सत्र में स्थानीय मार्बल उद्योग एवं सरकारी संगठनों से चंडीगढ़ में 170 से अधिक प्रतिभागियों एवं उदयपुर में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान, तत्कालीन मंत्री, आवास एवं गरीबी उन्मूलन, भारत सरकार ने यह घोषणा की कि बीएमटीपीसी, अपने अधिदेश के हिस्से के तौर पर चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ, राजसमंद एवं उदयपुर नामक चार स्थानों में प्रत्येक में मार्बल गारा अपशिष्ट का प्रयोग करके वैकल्पिक एवं आपदा रोधी प्रौद्योगिकी के साथ 24 प्रदर्शन घरों (डेमोस्ट्रेशन हाउस) का निर्माण करेगा। प्रत्येक स्थानों में प्रदर्शन घरों (डेमोस्ट्रेशन हाउस) के निर्माण हेतु भूमि एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ एवं राजसमंद के जिला कलेक्टर प्रदर्शन घरों (डेमोस्ट्रेशन हाउस) के निर्माण हेतु भूमि एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत थे। प्रदर्शन घरों (डेमोस्ट्रेशन हाउस) की परियोजनाओं के लिए डिजाइन व अनुमान युक्त दस्तावेज तैयार किए गये।

4. गांधीनगर में उभरती निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला का आयोजन

राज्य स्तर पर उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए, परिषद ने अहमदाबाद नगर परिषद के साथ 31 अगस्त, 2013 को गांधीनगर में उभरती निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकी पर एक

कार्यशाला आयोजित की जिसमें राज्य सरकार के विभिन्न विभाग के लगभग 400 पेशेवरों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के साथ संयुक्त रूप से गुजराज राज्य के अधिकारियों के साथ परिचर्चा भी आयोजित की गयी थी। इसी तरह परिषद ने आंध्र प्रदेश रीसील एस्टेट डेवलेपर्स एसोसिएशन (एपीआरईडीए) के साथ भी हाथ मिलाया एवं अपने चौथे वार्षिक सम्मेलन, 2013 में 25 अक्तूबर, 2013 को हैदराबाद में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर एक सत्र भी आयोजित किया।

5. बंगलुरु में 7 मार्च, 2014 को उभरती निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला का आयोजन

बीएमटीपीसी ने कर्नाटक मलिन बस्ती विकास बोर्ड (केएसडीबी) के साथ मिलकर 07 मार्च, 2014 को बंगलुरु में उभरती निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला दक्षिण क्षेत्र में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर ज्ञान का प्रसार करने के उद्देश्य से अयोजित की गयी थी बीएमटीपीसी इसका मूल्यांकन एवं इसे बढ़ावा दे रही थी। केएसडीबी मुख्य तौर पर पूरे राज्य में मलिन बस्ती पुनर्विकास के कार्य के साथ न्यासित प्रमुख राज्य एजेंसी है इसलिए यह स्वयं इस तरह की प्रौद्योगिकियों का एक आशाजनक ग्राहक है। अपनी प्रौद्योगिकी एवं निर्माण प्रणालियों का प्रदर्शन करने के लिए कुल 8 प्रौद्योगिकी प्रदाताओं ने कार्यशाला में भाग लिया एवं पणधारकों से बातचीत की ताकि गुणवत्तापूर्ण आवास के संबंध में आम लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त हो सके एवं उनकी आकांक्षाएं समझी जा सकें। प्रतिभागियों में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के नीति निर्माता एवं अभियंता व विकासक/ठेका एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिभागियों ने सामाजिक सामूहिक आवास में संभावित क्षेत्र के स्तर के उपयोग पर उभरती हुई प्रौद्योगिकियों की पेचीदगियों को समझने में गहरी रुचि दर्शायी।

6. अहमदाबाद में 26 मार्च, 2014 को किफायती आवास के मानकों एवं विनिर्देशों पर परामर्श बैठक का आयोजन

''सबको आवास' एवं 18.78 मीलियन (2012) के अनुरूप आवास की कमी के उद्देश्य से आवासीय इकाईयों की तेजी से योजना बनाने एवं निर्माण किए जाने की आवश्यकता है। बदलती भू–जलवायु परिस्थितियों के खतरे के परिदृश्य एवं निर्माण सामग्री की उपलब्धता को देखते हुए अलग–अलग वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के साथ आवास इकाईयों के क्षेत्र विशेष मानक एवं विनिर्देश विकसित करना अत्यंत आवश्यक है जो आवास इकाईयों की योजना बनाते समय डिजाइनरों के लिए उपयोगी दिशा निर्देशों के तौर पर कार्य कर सकती है। ऐसे दिशा निर्देश विकसित करने के लिए बीएमटीपीसी ने राज्य सरकारों के परामर्श में प्रयोग प्रारंभ कर दिया है। इसका लक्ष्य निर्माण सामग्री के घटक एवं प्रणाली के विभिन्न प्रकार के लिए जगह का परिमाण के मानकीकरण आधारित मॉड्यूल बनाना भी है। इस संबंध में बीएमटीपीसी द्वारा अहमदाबाद में 26 मार्च, 2014 को किफायती आवास (परिश्चमी क्षेत्र) के लिए मानक एवं विनिर्देश पर परामर्श बैठक आयोजित की गयी। इस परामर्श बैठक में प्रौद्योगिकी प्रदाताओं सहित लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पश्चिमी क्षेत्र के लिए किफायती आवास हेतु मानक एवं विनिर्देश पर परामर्श बैठक पर प्रमुख परिणाम निम्नानुसार रहे।

31 अगस्त, 2013 को गांधी नगर में अहमदाबाद नगर निगम के साथ संयुक्त रूप से मिलकर किफायती आवास हेतु नवीन निर्माण प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

7 मार्च 2014 को बैंगलोर में बीएमटीपीसी के द्वारा उभरती निर्माण सामग्रियों एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- पणधारकों द्वारा पश्चिमी क्षेत्र के डिजाइन पैकेज के लिए अपनाये गये दृष्टिकोण की पुष्टि
- जगहों में मानकीकरण की समझ पूर्वनिर्मित तकनीक को अपनाने में उन्नत गुणवत्ता सहित लागत एवं समय की बचत में सहायक सिद्ध होगी।
- तकनीकी प्रदाता अपने उत्पाद एवं प्रणाली के अनुकूल पंसदीदा परिमाण प्रदान करने के लिए सहमत थे। उपयोगकर्ताओं के लिए जानकारी के आधार पर दिशा निर्देश तैयार किए जाएंगे।
- पश्चिमी क्षेत्र में निष्पादित परियोजना के आम पद्धति में क्लस्टर के रूप में 4 अथवा 8 इकाईयों के विभाज्य में 500 से 1000 इकाईयां शामिल हैं।
- व्यवहार्यता विश्लेषण पर बुद्धिशीलता से स्पष्ट तौर पर पता चला कि लगभग 500 इकाईयों के पैमाने के लिए व्यवहार्यता विश्लेषण करना अच्छा रहेगा। कम संख्या के लिए पूर्वनिर्मित ढांचे की अनुमति नहीं दी जाएगी एवं यह मानकीकरण के लिए संभव भी नहीं होगा। इकाईयों की बड़ी संख्या में मानकीकरण आमतौर पर और भी आसान होगा।

7. विकल्पों तथा लागत प्रभावी निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण

वर्ष के दौरान परिषद ने निम्नलिखित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया :–

राजमिस्त्रियों एवं भावी अभियंताओं के लिए वैकल्पिक एवं लागत प्रभावी आवास प्रौद्योगिकयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायबरेली, उत्तर प्रदेश में 21–22 अप्रैल, 2013 एवं 29–30 अक्तूबर, 2013 को चालू प्रदर्शन आवास परियोजना के स्थल पर वैकल्पिक एवं लागत प्रभावी आवास प्रौद्योगिकयों पर राजमिस्त्रियों के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गये। पहले कार्यक्रम में 20 स्थानीय राजमिस्त्रियों एवं दूसरे कार्यक्रम में 20 को प्रशिक्षित किया गया। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि इन आवास परियोजनाओं में प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों ने रैट'–ट्रैप बौंड एवं फिरल स्लैब, इत्यादि जैसे वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों में अपनी सक्षमता का प्रदर्शन किया एवं उनमें से कुछ ने बताया कि उनके पास क्षेत्र में इसी तरह की परियोजनाओं के साथ अगले 6 माह के लिए पूरा काम है।

इन दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त 8 फरवरी, 2014 को भावी अभियंताओं के लिए भी दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें केएनआईटी सुल्तानपुर के 70 सिविल इंजीनियरिंग छात्रों को हाथो–हाथ प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को निम्नलिखित वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के प्रयोग के बारे में गहन जानकारी प्रदान की गयी थी।

- ईट चिनाई में रैट ट्रैप बौंड
- मजबूत ईंट कंक्रीट का स्लैब

21–22 अप्रैल, 2013 और 29–30 अक्तूबर, 2013 को बीएमटीपीसी के द्वारा रायबरेली, यूपी में प्रदर्शन आवास परियोजना के स्थल पर वैकल्पिक एवं लागत प्रभावी आवास प्रौद्योगिकियों पर मिस्त्रियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

8 फरवरी 2014 को बीएमटीपीसी के द्वारा रायबरेली, यूपी में प्रदर्शन आवास परियोजना के स्थल पर वैकल्पिक एवं लागत प्रभावी आवास प्रौद्योगिकियों पर इंजीनियरों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें केएनआईटी के 70 सिविल इंजीनियर छात्रों को प्रशिक्षण दी गई।

- फिलरो के तौर पर मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग करते हुए फिलर स्लैब
- पूर्वनिर्मित आरसीसी दरवाजा चौखटें
- पूर्वनिर्मित फेरो–सीमेंट सीढ़ीयां
- रास्तों पर इंटरलॉकिंग पेवर्स
- मल निर्यास के लिए जैव–पाचक

निर्माण कारीगरों (मिस्त्रियों) के लिए प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण एवं प्रमाणीकरण कार्यक्रम

परिषद ने 'निर्माण कारीगर प्रमाणीकरण प्रणाली' तैयार की है। इस प्रणाली में 8 प्रमाणपत्र मॉड्यूल शामिल हैं। (1) सहायक चिनाईगीर/राजमिस्त्री (2) राजमिस्त्री/चिनाईगीर (3) आपदा–रोधी निर्माण (4) आरसीसी निर्माण (5) कंक्रीटिंग (6) बार–बेंडिंग (सरिया मोड़क) (7) चिनाई ढांचे की मरम्मत एवं (8) वैकल्पिक निर्माण प्रौद्योगिकी। इन आठ मॉड्यूलों में से इस परियोजना के अंतर्गत सहायक राजमिस्त्री/चिनाईगीर एवं राजमिस्त्री/चिनाईगीर प्रमाण पत्र के लिए उम्मीदवारों का प्रायोगिक आंकलन किया जा रहा है। अहमदाबाद, गुजरात के निकट निम्नलिखित गांवों में प्रशिक्षण कार्यक्रम के 6 बैच आयोजित किए गये।

- हसीला गांव (5–8 फरवरी, 2014)
- पालुड्रां गांव (21–22 फरवरी, 2014)
- मणिपुरा गांव (3–5 मार्च, 2014)
- हैसला गांव (6–9 मार्च, 2014)
- शियावाड़ा गांव (11–22 मार्च, 2014)
- केराला गांव (23–26 मार्च, 2014)

विभिन्न बैचों में चार दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रमाणीकरण कार्यक्रम में कुल 74 निर्माण कारीगरों ने भाग लिया। जिनमें से 68 योग्य थे (40 सहायक राजमिस्त्री/चिनाईगीर एवं 26 मुख्य राजमिस्त्री/चिनाईगीर के तौर पर)।

8. विश्व पर्यावास दिवस 2013 का समारोह

विश्व पर्यावास दिवस 2012 के सुअवसर पर परिषद ने निम्नांकित कार्यक्रम का आयोजन किया :

भिन्न रूप से विकलांग बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता

भिन्न रूप से विकलांग बच्चों के लिए ''शहरी गतिशीलता'' विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भिन्न रूप से विकलांग बच्चों के साहित इन बच्चों में मुख्यतः निम्न श्रेणी; यथा– (1) मानसिक विकलांग (2) दृष्टि बाधिता एवं (3) खराब श्रवण वाले बच्चे थे।

32 आमंत्रित विद्यालयों में से लगभग 2000 बच्चों ने इस पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। संबंधित विद्यालयों द्वारा भेजी गई चयनित प्रविष्टियों में से

बीएमटीपीसी की जूरी ने पुरस्कार हेतु सर्वोत्तम प्रविष्टियों का चयन किया। इन विजेता प्रविष्टियों को नई दिल्ली में 7 अक्तूबर, 2013 को विश्व पर्यावास दिवस के अवसर पर आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय की तत्कालीन मंत्री ने पुरस्कार प्रदान किया।

प्रकाशनों का विमोचन

I. बीएमटीपीसी के न्यूज़लेटर ''न्यूज सारिका'' का विशेषांक
II. ''प्रदर्शन निर्माण के माध्यम से किफायती एवं आपदारोधी प्रौद्योगिकियों का प्रसार'' पर पुस्तिका
III. ''आपदा शमन एवं प्रबंधन – बीएमटीपीसी का एक प्रयास'' पर पुस्तिका
IV. ''भारत में आवास प्रौद्योगिकियों की भूकंप संबंधी सुरक्षा के दस्तावेज हेतु पद्धत्ति'' पर पुस्तक

इन सभी प्रकाशनों का विमोचन विश्व पर्यावास दिवस 2013 के समारोह के दौरान आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के तत्कालीन मंत्री ने किया।

9. प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2013 में 14–27 नवम्बर, 2013 में सहभागिता

बीएमटीपीसी ने हडको बिल्डटेक 2013 में सहभागिता की एवं प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14–27 नवम्बर, 2013 से भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला–2013 के दौरान 271 वर्गफीट की जगह किराये पर लेकर वैकल्पिक एवं उभरती निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रणाली पर प्रदर्शनी लगाई। बीएमटीपीसी की प्रदर्शनी में तेरह प्रौद्योगिकी प्रदाताओं/कंपनियों ने बीएमटीपीसी क्षेत्र के भीतर अपना प्रदर्शन (डिस्पले) लगाकर उभरते हुए आवास प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहभागिता की। इन कंपनियों ने हल्के वजन वाले संग्रह, उड़ती राख आधारित निर्माण उत्पाद, तेज एवं पूर्व निर्मित आवास प्रौद्योगिकी, सीमेंट एवं जल रोधक सामग्री में विकल्प, टिकाऊ मिट्टी एवं सीमेंट आधारित आवास प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण अनुकूल जैव–पाचक के विभिन्न उत्पाद, संयत्र व उपकरणों का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त परिषद ने किफायती, ऊर्जा–दक्ष, पर्यावरण अनुकूल एवं आपदा रोधी सामग्री व निर्माण प्रौद्योगिकी दर्शान के लिए एक प्रदर्शन भवन का निर्माण किया जिसमें व्यक्तिगत आवास से लेकर आम आवास के समाधान के लिए उत्पादों एवं आवास प्रौद्यागिकी की व्यापक श्रेणी की प्रदर्शनी ने भारी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित किया।

VI. प्रौद्योगिकी विकास, प्रसार एवं स्थानांतरण

1- उभरती आवास प्रौद्योगिकियों की पहचान एवं मूल्यांकन

समाज में सामूहिक आवास के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर बल देने के उद्देश्य से बीएमपीटीसी निर्णायक कदम बढ़ा रहा है एवं परिषद ने भारतीय जलवायुवीय दशाओं एवं जोखिम/खतरा दशाओं के अनुकूल उभरती हुई वैकल्पिक लागत प्रभावी आवास प्रौद्योगिकियों के लिए पूर्व में

वैश्विक रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की थी। भारतीय परिवेश में सामूहिक पैमाने (मास स्केल) पर आवास हेतु उभरती प्रौद्योगिकियों की अनुकूलता के अध्ययन करने की सहायता करने में प्रौद्योगिकी सलाहकार समूह (टीएजी) गठित की। उपलब्ध कराई गयी तकनीकी विवरण, प्रदर्शन निर्माण एवं अन्य पहलुओं के आधार पर टीएजी ने 23.10.2013 को आयोजित अपनी बैठक में अभिज्ञात प्रौद्योगिकियों में से निम्नलिखित चार उभरती प्रौद्योगिकियों का अनुमोदन किया :–

1) मैसर्स बी.जी. शिरके कंस्ट्रक्शन टेक्नोलोजी प्रा. लि., पुणे, के द्वारा 3 एस सिस्टम (प्रीकैब/प्रीकास्ट) आरसीसी टेक्नोलोजी।
2) मैसर्स सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज लि. गुजरात के द्वारा देशज स्तर पर निर्मित प्लास्टिक संघनित फोर्मवर्क का उपयोग करते हुए मोनोलिथिक कंक्रीट कस्ट्रक्शन।
3) मैसर्स वी जी सेट्टी कंस्ट्रक्शन टेक्नोलोजी प्रा. लि. मैसूर द्वारा अल्यूमिनियम फोर्मवर्क (आयातित) का उपयोग करते हुए मोनोलिथिक कंक्रीट कंस्ट्रक्शन।
4) मैसर्स इम्मेडयू, एस.पी.ए. वाया टोनीओलो, 39/बी, जेड. आईत्र बेलिओची 61032, फेनो, (पीयू), इटली द्वारा उन्नत निर्माण प्रणाली इम्मेडयू

उपरोक्त प्रौद्योगिकियों के प्रौद्योगिकी प्रोफाइल भी तैयार थे। अनुमोदित प्रौद्योगिकियों के बारे में सभी विवरणों को आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के माध्यम से इस पत्र के साथ राज्य सरकारों एवं संबंधित विभागों को भेजा गया कि ये वे प्रौद्योगिकियां हैं जिनमें संभावनायें हैं एवं इनका उपयोग सामूहिक आवास के लिए किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त परिषद के निष्पादकता मूल्यांकन प्रमाणीकरण (पीएसी) योजना के तहत निम्नांकित तीन प्रौद्योगिकियों को मूल्यांकित एवं प्रमाण–पत्र जारी किए गए :

1) मैसर्स इम्मेडयू, एस.पी.ए. वाया टोनीओलो, 39/बी, जेड. आईत्र बेलिओची 61032, फेनो, (पीयू), इटली द्वारा उन्नत निर्माण प्रणाली इम्मेडयू
2) मैसर्स सिनर्जी थ्रिसलिंगटन, मोहाली, चंडीगढ़ द्वारा फैक्ट्री में निर्मित फास्ट ट्रैक मॉड्यूलर निर्माण प्रणाली–इंसटेकन।

तेज मंजिल प्रणाली (स्पीड फ्लोर सिस्टम) एवं हल्के चौड़े संरचित स्टील संरचना के मूल्यांकन के लिए बीएमटीपीसी के प्रतिनिधियों ने मैसर्स जिंदल स्टील एवं पावर लि., रायगढ़ एवं मैसर्स जे.बी. फेबइंफ्रा प्रा. लि. की उत्पादन इकाईयों का दौरा किया। संबंधित एजेंसियों द्वारा उपलब्ध कराये गये विवरणों के आधार पर पीएसीएस का मसौदा तैयार किया गया एवं टीएसी के सदस्यों को उनकी टिप्पणियों के लिए बांटा गया।

परिषद ने सीपीडब्ल्यूडी की दरों की सूची (एसओआर) में पूर्व में मूल्यांकित उभरती प्रौद्योगिकियों के समावेश की प्रक्रिया की शुरूआत भी कर दी है। इस दिशा में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के वरिष्ठ

उभरती प्रौद्योगिकी–प्लास्टिक–अल्यूमिनियम मिश्रित ढांचा के इस्तेमाल से अखंड कंक्रीट निर्माण प्रणाली

उभरती प्रौद्योगिकी–विस्तृत पॉलीस्टीरीन कोर पैनल प्रणाली।

उभरती प्रौद्योगिकी–सेल्यूलर हल्के भार के कंक्रीट के टुकड़ों एवं पूर्व निर्मित टुकड़े के इस्तेमाल से औद्योगिकृत 3–एस प्रणाली ।

उभरती प्रौद्योगिकी–अल्यूमिनियम ढांचा के इस्तेमाल से अखंड कंक्रीट निर्माण प्रणाली।

उभरती प्रौद्योगिकी–कारखाना निर्मित फास्ट ट्रैक अनुखंडीय भवन निर्माण प्रणाली।

सीपीडब्लूडी के वरिष्ठ इंजीनियरों और वास्तुकारों के समक्ष 18 अक्तूबर, 2013 को जीएफआरजी पैनल प्रणाली और 20 सितंबर, 2013 को बीएमटीपीसी के द्वारा अल्यूमिनियम/प्लास्टिक के ढांचे के इस्तेमाल से अखंडीय कंक्रीट निर्माण के तकनीकी प्रदाताओं की ओर से प्रस्तुतियां आयोजित की गई।

अभियंताओं एवं वास्तुकारों के समक्ष 20, सितंबर, 2013 को मोनोलिथिक कंक्रीट निर्माण के प्रौद्योगिकी प्रदाताओं से एल्यूमिनियम/प्लास्टिक फोर्मवर्क का प्रयोग करने वाला एवं 18, अक्तूबर, 2013 को जीएफआरजी पैनल सिस्टम के प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया गया। सीपीडब्ल्यूडी ने इच्छा व्यक्त की कि बीएमटीपीसी सबसे पहले प्रौद्योगिकी पर एसओआर तैयार करे एवं उनके अवलोकन के लिए उन्हें प्रस्तुत करे। बीएमटीपीसी ने इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस, आईआईटी चेन्नई, एवं एसईपी अहमदाबाद के साथ संयुक्त रूप से एसओआर की तैयारी की प्रक्रिया पहले ही प्रारंभ कर दी है। जीएफआरजी प्रौद्योगिकी के लिए एसओआर तैयार कर लिया गया है एवं विभिन्न हितधारकों को उनकी टिप्पणियों के लिए भेजने की प्रक्रिया में है।

2. निम्न लागत आवास हेतु पूर्वनिर्मित कंक्रीट कॉलम के लिए प्रौद्योगिकी का विकास

बीएमटीपीसी ने सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की के सहयोग से ''निम्न लागत आवास हेतु पूर्वनिर्मित कंक्रीट कॉलम'' नाम से एक परियोजना शुरू की है।

निम्न लागत के आवास की मांग को पूरा करने के लिए कुशल और किफायती संरचनात्मक घटक तैयार करते हुए व्यवस्थित दृष्टिकोण समय की जरूरत है। कॉलम तैयार ढांचो भार उठाने वाले मुख्य घटक होते हैं। प्रस्तावित परियोजना में कंक्रीट से भरे हुए स्टील ट्यूब के मिश्रित कॉलमों का पारंपरिक आरसीसी कालमों के विकल्प के तौर पर परीक्षण किया गया है। वर्तमान अध्ययन दो अथवा तीन मंजिल के भवनों में कॉलमों के प्रावधानों तक ही सीमित है। इस सम्बन्ध में पूर्व निर्मित कंक्रीट पाइप जिसका उपयोग आमतौर पर पानी की आपूर्ति एवं सफाई के उद्देश्य से किया जाता है, का उपयोग पूर्व निर्मित कंक्रीट से भरे कॉलम तैयार करने में किया जाता है। पूर्व निर्मित कंक्रीट पाइपों को न्यूनतम प्रबलन के साथ विभिन्न श्रेणियुक्त कंक्रीट के साथ भरा जाएगा एवं क्षमता एवं लचीलेपन का वहन करने वाले उनके अक्षीय भार का परीक्षण किया जाएगा। ऐसे कॉलमों में बाहरी परिधि में मौजूद पूर्व निर्मित कंक्रीट सामग्री, भरे हुए कंक्रीट को न केवल परिरोध (रोक) प्रदान करेगी बल्कि इसकी वास्तविक क्षमता भी बढ़ाएगी। कालॅमों की क्षमता पर इसका प्रभाव का अध्ययन करने में कंक्रीट की श्रेणी में एम20 – एम 30 के बीच की विविधता होगी। व्यास/मोटाई एवं लंबाई/व्यास के प्रभाव का अध्ययन करने में सीमेंट कंक्रीट के पाइप कॉलमों के व्यास की लंबाई एवं दीवार की मोटाई भी भिन्न–भिन्न होगी। आरसीसी पट्टी की संख्या एवं व्यास भी अलग–अलग होंगे। प्रायोगिक निष्कर्षों के आधार पर ट्यूब की मोटाई, व्यास, प्रबलित जाल, बंधित क्षमता, भार वहन करने की क्षमता इत्यादि के प्रभाव की गणना की जाएगी। इन कॉलमों की ऊर्जा अवशोषित क्षमता का भी विश्लेषण किया जाएगा।

परियोजना के परिणामों के आधार पर, पूर्व निर्मित कंक्रीट कॉलमों के डिजाइन के लिए डिजाइन पद्धत्ति प्रस्तावित है एवं कॉलमो के डिजाइन की गणना के लिए सूत्र भी तैयार किए जाएंगे जो कॉलमों के संरचनात्मक स्थायित्व सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होंगे।

3. हूमोटर का विकास

बीएमटीपीसी ने इंजीनियरिंग डिजाइन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास द्वारा प्रयोगशाला स्तर पर तैयार एवं विकसित हूमोटर के अंतिम डिजाइन के विकास पर अध्ययन करने का बीड़ा उठाया है।

भवन निर्माण की अनेक वाणिज्यिक गतिविधियों में मानव श्रम का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। इन श्रम के गहन तकनीकें जिसके परिणामस्वरूप कभी–कभी बार–बार आने वाले तनावयुक्त कार्य के कारण लगातार चोटें लगती हैं। सुरक्षा उपायों में जागरूकता न होना एवं दयनीय व्यवस्था घातक चोटों को बुलावा देती हैं। उपलब्ध प्राचीन उपकरणों से मिलकर नीरस एवं तनावपूपर्ण माहौल के कारण घटिया उत्पादकता होती है।

निर्माण कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से मानव प्रयास में आसानी एवं तनाव मुक्त माहौल प्रदान करने के लिए प्रस्तावित परियोजना में यांत्रिक उपकरण 'हूमोटर' तैयार किया गया है। यह उपकरण 'हूमोटर' – एक मानव चालित मोटर का लघुरूप है जो एक घिरनी (पुली) के दिशाहीन रोटेशन में पैरों से सीढ़ी चढ़ने की गति के रूप में इस्तेमाल मानव प्रयासों का तरीका बदलती है जिसमें सामग्री एवं मशीन चढ़ाने जैसे कार्यों के निष्पादन में बिजली का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रकार सामग्री की ढुलाई, कंक्रीट के मिश्रण, प्रबलित सलाखों को मोड़ने एवं काटने जैसी गतिविधियों के लिए मानव श्रम पर भरोसा किया जाता है। प्रस्तावित परियोजना निर्माण प्रथा को बढ़ावा देगी जो माचान की आवश्यकता एवं ऊँचाई में काम करने वाले लोगों की संख्या में कमी लाएगी। इस उपकरण का इस्तेमाल आरसीसी प्रबलन तैयार करने के लिए लोहे की छड़ों को मोड़ने में भी किया जाता है।

उत्पाद ने राष्ट्रीय नवोन्मेषी परिषद (एनआईसी) से कठिन श्रमरोधी चुनौती की विजेता प्रविष्टियों में पुरस्कार भी जीता है एवं एनआईसी द्वारा बाजार में उत्पाद शुरू जाने का प्रस्ताव भी किया गया था। निर्माण स्थलों में इसके सफलतापूर्व प्रचालन एवं बड़ पैमाने पर उपयोग के उद्देश्य के साथ इसके मौजूदा डिजाइन में कुछ संशोधन एवं सुधार करने का प्रस्ताव किया गया।

4. निम्न लागत आवास हेतु रसायनिक उपचारित बांस प्रबलित कंक्रीट मैम्बर्स (तख्तों) के लिए डिजाइन प्रविधि का विकास

परिषद् ने आईआईटी खड़गपुर के सहयोग से निम्न लागत आवास हेतु रासायनिक उपचारित बांस प्रबलित कंक्रीट अवयव के लिए डिजाइन प्रविधि के विकास की परियोजना की जिम्मेदारी उठाई है।

इस परियोजना के उद्देश्य निम्नलिखित थे–

- कालम, बीम, रूफ, स्लैब दीवारें जैसे बांस प्रबलित कंक्रीट अवयव एवं प्रौद्योगिकियां जोकि पर्यावरण प्रेरक व अनुकूल एवं लागत प्रभावी (सस्ती) होंगी।
- भिन्न समूह के लोगों के लिए विभिन्न प्रकार की आवास इकाइयों की माड्युलर डिजायन का विकास, आधार भूत सुख–सुविधाएं जैसे कि बहुउद्देश्यीय कक्ष, एक स्नानघर, एक शौचालय, तथा एक रसोई प्रत्येक इकाई में निर्मित होगा।

वर्ष के दौरान बांस प्रबलित कंक्रीट अवयव के प्रयोग से मॉडल घरों का निर्माण सहित यह परियोजना पूरी हो गयी है।

5. भवनों हेतु ऊर्जा श्रम (कुशल) निर्माण सामग्री का विकास

परिषद ने, आईआईटी, रूड़की के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से भवनों हेतु ऊर्जा क्षम (कुशल) निर्माण सामग्री के विकास हेतु एक परियोजना की शुरुआत की है।

इस परियोजना के तहत, भवन निर्माण में विभिन्न प्रकार की प्रयुक्त सामग्री, विशेषरूप से दीवारों एवं छतों की क्लैडिंग (पर्त चढ़ाने) के लिए प्रयुक्त सामग्री पर आईआईटी रूड़की के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की प्रयोगशाला में प्रयोगात्मक अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तावित किया गया है। इसके अंतर्गत ठोस चिनाईयुक्त दीवारें, इंसुलेशन (आवेष्टन) सामग्री के साथ और बिना इंसुलेशन सामग्री के गुहा (केविटी) युक्त दीवारें, एक पर्त वाली मैटल शीटें तथा दीवार एवं छत क्लैडिंग के लिए सैंडविच पैनल आदि शामिल है। यह प्रस्तावित किया गया है कि विभिन्न दीवार एवं रूफ क्लैडिंग के साथ एक कक्षीय भवन बनाया जाएगा और बाहरी एवं अंदरूनी तापमान के अंतर का अध्ययन किया जाएगा। दीवारों के तल और क्लैडिंग इकाइयों तथा कक्ष के अंदर की जगह के तापमान के मापन हेतु थर्मल इमैजर एवं थर्मल कपल्स का प्रयोग किया जाएगा।

इस परियोजना के तहत अभी तक निम्नलिखित कार्य किए गये।

- सतहों पर तापमान मापने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण खरीद गये।
- दीवार की सतह को गर्म करने मे आवश्यक तापक खरीदे गये।
- लकड़ी, खड़े एंगल, ईंट एवं विवरयुक्त गुटके भी खरीदे गये।
- सीध में 2.5 मीटर x 2.5 मीटर एवं ऊँचाई में 2.5 मीटर का कमरा तैयार किया गया।
- प्रयोगात्मक अध्ययन प्रारंभ किया गया एवं उसके आंकड़े एकत्रित किए जा रहे हैं जिनकी जल्दी ही समीक्षा की जाएगी।

इस बात पर जोर दिया गया कि विभिन्न उद्देश्यों के लिए भवनों के डिजाइन तैयार करते समय उचित निर्माण सामग्री के चयन में वास्तुकारों एवं अभियंताओं के लिए उपयोगितापूर्ण होगें। इस चयन की परिणिति भवनों

में कूलिंग एवं हीटिंग (शीतलन एवं उष्मा) के लिए अपेक्षित ऊर्जा बचाने के रूप में होगी।

6. "अर्ध स्वचालित ईंट चिनाई निर्माण का वैज्ञानिक प्रमाणीकरण" पर परियोजना

परिषद ने "अर्ध स्वचालित ईंट चिनाई निर्माण के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण" पर एक परियोजना प्रारंभ की है। आईआईटी, दिल्ली के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व प्रोफेसर, प्रो. एस. एन. सिन्हा ने अर्धस्वचालित चिनाई निर्माण हेतु एक चिनाई प्रणाली एवं नवोन्मेशी चिनाई इकाईयां विकसित की है। मशीनों के कार्य की प्रमाणिकता के लिए इस परियोजना के तहत भारी संख्या में चिनाई इकाईयां बनाई गयी थी। चिनाई दीवारों के मॉडल भी बनाये गये थे एवं चिनाई इकाई व चिनाई दीवारों के मॉडल दोनों की व्यापक क्षमता की जांच भी की गयी थी। चिनाई इकाई के लिए औसत क्षमता 18.5 एमपीए तक पहुंचती है एवं चिनाई दीवारों के लिए 12.8 एमपीए। चिनाई दीवारों के लाभ निम्नानुसार हैं।

i. यह अर्ध स्वचालित चनाई निर्माण की सुविधा प्रदान करती है।

ii. यह निर्माण इसकी इंटरलॉकिंग एवं इंटरफिटिंग के कारण चिनाई इकाईयों को स्वसंरेखन एवं स्वसमायोजन को बढ़ावा देगा।

iii. यह चिनाई इकाईयों के स्वसंरेखन एवं ऊपर से धूल की पंपिंग/बहने के कारण चिनाई कार्य में बेहतर गुणवत्ता प्रदान करता है।

iv. यह काम करने वालों की मांग में कमी लाता है एवं निर्माण में समय की बचत करता है। यह निर्माण अशिक्षित कामगारों द्वारा भी किया जा सकता है।

v. चिनाई इकाईयों में विभिन्न पूर्वनिर्धारित परिमाण हैं जो निर्माण के स्वरूप पर निर्भर करते हैं।

vi. चिनाई इकाईयां तेजी से तैयार की जा सकती हैं एवं पारंपरिक चिनाई इकाईयों की तुलना में सस्ती होती हैं।

vii. प्रचुर मात्रा में उपलब्ध राख का उपयोग चिनाई इकाई बनाने की सामग्री के प्रमुख घटकों में से एक के तौर पर किया जा सकता है।

viii. विवरयुक्त चिनाई इकाईयां अधिक सस्ती संरचना के डिजाइन तैयार करने में चिनाई दीवारों के भार को कम करती है। इसके अतिरिक्त भूकंप के कम प्रभाव के कारण बने भार में भी कमी लाती है।

ix. क्षितिज जोड़ पर निचली चिनाई का अंदरूनी दबाव एवं ऊपरी चिनाई में बाहरी प्रक्षेपण चिनाई इकाईयों को बढ़ी हुई इंटरलॉकिंग/इंटरफिटिंग प्रदान करेगा जिसके परिणामस्वरूप यह गुरुत्वाकर्षण एवं भूकंपीय भार में अपना उन्नत परिणाम देगा।

x. इसके अतिरिक्त सीधे जोड़ पर चिनाई से सटा हुआ चिनाई का अंदरूनी दबाव एवं बाहरी प्रक्षेपण चिनाई इकाईयों को बढ़ी हुई इंटरलॉकिंग/इंटरफिटिंग प्रदान करेगा जिसके परिणामस्वरूप यह गुरुत्वाकर्षण एवं भूकंपीय भार में अपना उन्नत परिणाम देगा।

xi. बंधी हुई चिनाई इकाईयों के लिए गारे की मोटाई छोटी होती हैं जो पारंपरिक चिनाई की क्षमता की तुलना में चिनाई की क्षमता को बढ़ाती है। ऐसी चिनाई की क्षमता 60–80 प्रतिशत पाई गयी जबकि पारंपरिक चिनाई की क्षमता चिनाई इकाई की क्षमता 30–40 प्रतिशत पाई गयी।

xii. अन्वेषित चिनाई इकाईयों के साथ बने दीवार की किसी भी सीध के सिरे में प्लस्तर की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि दोनो सीध के सिरे सपाट, चिकने एवं मिलानयुक्त होते हैं।

xiii. दीवारों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता नहीं पड़ती है क्योंकि इन चिनाई इकाईयों में गारा दीवार की मोटाई के भीतर से रोककर रखते है।

xiv. विवरयुक्त चिनाई के साथ बनाई गई दीवारें पारंपरिक ठोस ईंटों से बनी दीवारों की तुलना में बेहतर तापीय अवरोधन प्रदान करती है।

7. हडको सीएसआर फंडिंग के तहत ''बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क का कायाकल्प एवं सुदृढ़ीकरण–प्रायोगिक अध्ययन'' पर परियोजना

परिषद को हडको के द्वारा हडको – सीएसआर फंडिंग के तहत ''बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क का कायाकल्प (नवीकरण) एवं सुदृढ़ीकरण–प्रायोगिक अध्ययन'' पर एक परियोजना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आवास एवं शहरी–गरीबी उन्मूलन मंत्रालय ने यह सघन प्रयास किया है कि बिल्डिंग सेंटरों को पुनर्जीवन दिया जाए और इसके लिए मंत्रालय के परामर्श से बिल्डिंग सेंटरों के पुनर्जीवन हेतु समस्याओं, संभावनाओं एवं प्रस्ताव के अवलोकन हेतु हडको के द्वारा एक कमेटी गठित की गई है। कमेटी ने अपनी संस्तुतियों कुछ प्रायोगिक अध्ययन को प्रारंभ करने की सलाह दी है ताकि गतिशीलता को समझा जाए। हडको के साथ विस्तृत परिचर्चा के पश्चात 16 परियोजनाओं की शुरुआत की गयी। अवधि के दौरान निम्नलिखित परियोजनाए पूरी की गयी–

क्र.सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी का नाम
1	क्षेत्रीय/राज्य भवन संसाधन केन्द्र का निर्माण, मध्य प्रदेश प्रायोगिक	विदिशा बिल्डिंग सेंटर
2	शिक्षित निर्माण कामगार के रूप में महिलाओं की बाजार समावेश	गुजरात महिला आवास सेवा न्यास, अहमदाबाद
3	निर्माण सामग्री के तौर पर बांस के प्रयोग के लिए निर्माण सक्षमता को बढ़ावा	वैज्ञानिक, अभियांता एवं तकनीकी विशेषज्ञों का मंच (एफओएसईटी), पश्चिम बंगाल
4	निर्माण सामग्री के तौर पर बांस के प्रयोग के लिए निर्माण सक्षमता को बढ़ावा	एनबी संस्थान ग्रामीण प्रौद्योगिकी (एनबीआईआरटी) त्रिपुरा द्वारा सवंर्धित पश्चिम त्रिपुरा भवन केन्द्र

VIII. जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएलएनयूआरएम), राजीव आवास योजना (आरएवाई) प्रायोगिक चरण तथा एक मुश्त 10 प्रतिशत प्रावधान के साथ सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए परियोजनाएं

1. राजीव आवास योजना (आर.ए.वाई) में बीएमटीपीसी की भूमिका

आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार ने राजीव आवास योजना (आरएवाई) के प्रायोगिक के अलावा चरणों के क्रियान्वयन के अंतर्गत परियोजना के लिए बी.एम.टी.पी.सी. को मूल्यांकन एजेंसी में एक के तौर पर नामांकित किया है।

आरएवाई के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआरएस) का मूल्यांकन

परिषद ने राजीव आवास योजना (आरएवाई) के तहत राज्यों यथा अरुणांचल प्रदेश (4), हरियाणा (7), गुजरात (10), कर्नाटक (15), मध्य प्रदेश (4), राजस्थान (12), नागालैंड (3), उत्तराखंड (5) एवं पश्चिम बंगाल (2) से प्राप्त 62 विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआरएस) का मूल्यांकन किया। 45551 आवास इकाईयों को सम्मिलित करते हुए भारत सरकार ने 1367.73 करोड़ के अंश के साथ 2465.50 करोड़ रुपये मूल्य के प्रस्ताव किये थे।

क्र.स.	शहर/नगर	स्थान	परियोजनओं की संख्या
अरुणाचंल प्रदेश			
1	ईटानगर	छिंपू में आरएवाई के तहत खतरनाक जगहों पर रह रहे मलिन बस्ती के लोगों के पुनर्वास के लिए किराये के आवास	4
2.	दिरांग	राजीव आवास योजना के तहत दिरांग में ईडब्ल्यूएस आवास परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
3	बोमडिया	आरएवाई परियोजना – बोमडिया ईडब्ल्यूएस आवास परियोजना	
4	पालिन	राजीव आवास योजना के तहत पालिन में ईडब्ल्यूएस आवास परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
हरियाणा			7
1.	जगाधरी में यमुनानगर	आर.ए.वाई. के तहत यमुनानगर, जगाधरी, हरियाणा की 9 मलिन बस्तियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रायोगिक परियोजना	
2.	सिरसा	आर.ए.वाई. के तहत सिरसा में दो स्थानों (कंगनपुर एवं पार्क ऑटो बाजार के निकट) में 2144 आवास इकाइयों के निर्माण के लिए प्रायोगिक परियोजना	
3.	अंबाला	आर.ए.वाई. के तहत अंबाला के लिए प्रायोगिक परियोजना	
4	रोहतक	राजीव आवास योजना के तहत रोहतक में 8 मलिन बस्तियों के यथा स्थिति आवास एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास की प्रायोगिक परियोजना	
5	हिसार	आर.ए.वाई. के तहत सत रोड मलिन बस्ती में 1508 आवास इकाईयों के निर्माण के लिए हिसार शहर का डीपीआर	
6	रोहतक	आर.ए.वाई. के तहत रोहतक शहर में मूलभूत सुविधा सहित 51 चयनित मलिन बस्तियों (यथा स्थिति विकास) में 2280 (भूतल) आवास इकाईयों का निर्माण	
7	हांसी	आर.ए.वाई. के तहत 192 आवास इकाईयों का निर्माण करते हुए हांसी शहर की पृथ्वीराज चौहान किला मलिन बस्ती के मौजूदा आवासों के पुनर्वास के लिए डीपीआर	
गुजरात			

क्र.स.	शहर/नगर	स्थान	परियोजनओं की संख्या
1	अहमदाबाद	जदीबानगर–इंदिरानगर में 924 आवास इकाईयों एवं 183 गृह इकाईयों के निर्माण के लिए रमेश दत्त कॉलोनी के यथा पुनर्विकास का प्रायोगिक डीपीआर	
2	राजकोट	आरवाईए के तहत नटराज नगर मलिन बस्ती वार्ड सं. 12, राजकोट में मूलभूत सुविधा सहित 252 (जी 4) आवास इकाईयों के निर्माण के प्रायोगिक डीपीआर	
3	भरूच	राजीव आवास योजना के तहत भरूच में शहरी गरीबों के लिए 512 आवास इकाईयों के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	10
4	वडोदरा	राजीव आवास योजना के तहत छन्नी क्षेत्र में टीपी 13, एफपी 209 में 218 आवास इकाईयों, टीपी 13, एफपी 148 में 280 आवास इकाईयों के किराये सह ट्रांजिट आवास के निर्माण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
5	अहमदाबाद	राजीव आवास योजना के तहत अहमदाबाद नगर निगम के दो पुनर्वास भूखंडों में 1184 आवास इकाईयों के नये ईडब्ल्यूएस आवास की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
6	अहमदाबाद	राजीव आवास योजना के तहत अहमदाबाद नगर निगम के 2 पुनर्वास भूखंडों में 1344 आवास इकाईयों के नये ईडब्ल्यूएस आवास की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
7	भुज	राजीव आवास योजना के तहत भुज में भीमराव नगर – 1, रामदेव नगर एवं जीआईडीसी पुनर्वास स्थल के लिए मलिन पुनर्वास परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
8	वडोदरा	अकोटा थंडालजा एरिया में 1448 आवास इकाईयों के निर्माण के लिए सहकार नगर मलिन बस्ती (एफपी–234, टीपी–22 में) के यथा स्थिति पुनर्विकास का डीपीआर	
9	दीसा	1456 आवास इकाईयों निर्माण के लिए उत्तरी मलिन बस्ती (आर. एस. नं0 5278, 5279–2280 एवं 4896, निकट खेलकूद क्लब क्षेत्र) के यथा स्थिति पुनर्विकास का डीपीआर	
10	वडोदरा	बापोड क्षेत्र में 1856 आवास इकाईयों के निर्माण के लिए एकतानगर मलिन बस्ती (आर.एस. नं0–287, मसौदा टीपी–44 में) के यथा स्थिति पुनर्विकास का डीपीआर	
कर्नाटक			
1	गुलबर्गा	राजीव आवास योजना के तहत गुलबर्गा शहर में मलिन बस्ती के निवासियों (पंडित दीनदयाल उपाध्याय मलिन बस्ती, बुडगा जंगम, शिल्पकार, पौरा कार्मिकों एवं देवदासी) के लिए 1024 आवास इकाईयों के निर्माण के लिए प्रायोगिक डीपीआर	
2	बंगलौर	राजीव आवास योजना के तहत बंगलौर की चयनित मलिन बस्तियों में 1353 (जी.एफ.) वृद्धिशील आवास के निर्माण के लिए प्रायोगिक डीपीआर	
3	कोलार	राजीव आवास योजना के तहत कोलार शहर में मूलभूत सुविधा साहित 4 चयनित मलिन बस्तियों (यथास्थिति विकास) में 851 (जी.एफ.) आवास इकाईयों के निर्माण के लिए डीपीआर	15
4	बंगलौर	राजीव आवास योजना के तहत के.आर. पुरम, बंगलौर में 1 चयनित मलिन बस्ती में मूलभूत सुविधा सहित 588 (जी.एफ.) आवास इकाई एवं 1 चयनित मलिन बस्ती में मूलभूत सुविधा साहित 80 (जी. + 4.) के निर्माण के लिए डीपीआर	
5	बंगलौर	राजीव आवास योजना के तहत व्यतारायणपुरा, बंगलौर में मूलभूत सुविधा साहित कुवेमपुनगर मलिन बस्ती (यथा स्थिति विकास) में 666 (जी.एफ.) आवास इकाईयों के निर्माण के लिए डीपीआर	
6	मैसूर	राजीव आवास योजना के तहत कृष्णराजा क्षेत्र, मैसूर में मूलभूत सुविधा साहित 8 चयनित मलिन बस्ती (यथा स्थिति विकास) में 1329 (जी.एफ.) आवास इकाईयों के निर्माण के लिए डीपीआर	

क्र.स.	शहर/नगर	स्थान	परियोजनओं की संख्या
7	मैसूर	राजीव आवास योजना के तहत नरसिंगराजा क्षेत्र, मैसूर में मूलभूत सुविधा साहित के.एन. पुरा मलिन बस्ती (यथा स्थिति विकास) में 1566 (जी.एफ.) आवास इकाईयों के निर्माण के लिए डीपीआर	
8	तुमकुर	राजीव आवास योजना के तहत तुमकुर शहर में मूलभूत सुविधा साहित 6 चयनित मलिन बस्ती (यथा स्थिति विकास) में 1566 (जी.एफ.) आवास इकाईयों के निर्माण के लिए डीपीआर	
9	मंड्या	राजीव आवास योजना के तहत मंड्या शहर में आंशिक मूलभूत सुविधा साहित 4 अलग–अलग मलिन बस्तियों (हल्लाहल्ली, तमिल कॉलोनी पूर्व, कलीकंबा मंदिर मलिन बस्ती, एवं मांडिया टैंक की तलहटी मलिन बस्ती में 1335 (जी.+3) आवास इकाईयों के निर्माण के लिए डीपीआर	
10	मैसूर	राजीव आवास योजना के तहत मैसूर शहर में मूलभूत सुविधा साहित 4 चयनित मलिन बस्तियों (यथा स्थिति विकास) में 655 (जी.एफ.) आवास इकाईयों का निर्माण	
11	बंगलौर	राजीव आवास योजना के तहत शांतिनगर, बंगलौर में 6 चयनित मलिन बस्तियों में मूलभूत सुविधा साहित 1534 (जी.एफ.) आवास इकाईयों एवं 1 चयनित बस्ती में 80 (जी.+3) आवास इकाईयों का निर्माण	
12	बंगलौर	राजीव आवास योजना के तहत राजेश्वरी नगर, बंगलौर में 6 चयनित मलिन बस्तियों में मूलभूत सुविधा साहित 1118 (जी.एफ.) आवास इकाईयों एवं 1 चयनित बस्ती में 444 (जी.+3) आवास इकाईयों का निर्माण	
13	कोलार	रार्बटसोनपेट (के.जी.एफ.) में मूलभूत सुविधा साहित 4 चयनित मलिन बस्तियों में 843 (जी.एफ.) आवास इकाईयों (यथा स्थिति विकास) का निर्माण	
14	चित्रदुर्गा	चित्रदुर्गा शहर में मूलभूत सुविधा साहित 8 चयनित मलिन बस्तियों में 1563 (जी.एफ.) आवास इकाईयों (यथास्थिति विकास) का निर्माण	
15	चिंतामणी	राजीव आवास योजना के तहत चिंतामणी चिक्कबल्लापुर जिले में मूलभूत सुविधा साहित 2 चयनित मलिन बस्तियों में 230 (जी.एफ.) आवास इकाईयों (यथा स्थिति विकास) के निर्माण के लिए डीपीआर	
मध्य प्रदेश			
1	छिंदवाड़ा	राजीव आवास योजना के तहत छिंदवाड़ा में मूलभूत सुविधा सहित 1054 यथा स्थिति एवं 44 किराये के आवास इकाईयों के निर्माण के लिए डीपीआर	4
2	नीमच	राजीव आवास योजना के तहत राधाकृष्ण वार्ड में भागेश्वर मंदिर के पीछे मलिन बस्ती का कायाकल्प (यथास्थिति) के लिए डीपीआर	
3	सिंगरौली	राजीव आवास योजना के तहत सिंगरौली शहर की अभिज्ञात मलिन बस्तियों का डीपीआर	
4	रतलाम	राजीव आवास योजना के तहत रतलाम शहर में ईश्वर नगर मलिन बस्ती के यथा स्थिति पुनर्विकास के लिए डीपीआर	
नागालैंड			
1	मेड्जीफेमा	राजीव आवास योजना के तहत मेड्जीफेमा शहर के शहरी गरीबों के लिए आवास हेतु डीपीआर	3
2	शेमीन्यू	राजीव आवास योजना के तहत शेमीन्यू शहर के शहरी गरीबों के लिए आवास हेतु डीपीआर	
3	चुमुकेड़िमा	राजीव आवास योजना के तहत चुमुकेड़िमा शहर के शहरी गरीबों के लिए आवास हेतु डीपीआर	
राजस्थान			
1	जोधपुर	राजीव आवास योजना के तहत जोधपुर में नातिया बस्ती में 208 आवास इकाईयों के निर्माण के लिए प्रायोगिक परियोजना	

क्र.स.	शहर/नगर	स्थान	परियोजनओं की संख्या
2	बड़ी सदरी	राजीव आवास योजना के तहत बड़ी सदरी में विभिन्न मलिन बस्तियों के यथा स्थिति पुनर्विकास की प्रायोगिक परियोजना	12
3	बेगुन	राजीव आवास योजना के तहत बेगुन में विभिन्न मलिन बस्तियों के यथा स्थिति पुनर्विकास की प्रायोगिक परियोजना	
4	जोधपुर	राजीव आवास योजना के तहत भूरी बेरी मलिन बस्ती में किराया आवास योजना की प्रायोगिक परियोजना	
5	चित्तौड़गढ़	राजीव आवास योजना के तहत चित्तौड़गढ़ में विभिन्न मलिन बस्तियों का यथा स्थिति पुनर्विकास एवं किराया आवास योजना के विकास के लिए डीपीआर	
6	छोटी सदरी	राजीव आवास योजना के तहत छोटी सदरी में विभिन्न मलिन बस्तियों का यथा स्थिति पुनर्विकास की प्रायोगिक परियोजना	
7	कपासन	राजीव आवास योजना के तहत कपासन में विभिन्न मलिन बस्तियों का यथा स्थिति पुनर्विकास की प्रायोगिक परियोजना	
8	निंबाहेड़ा	राजीव आवास योजना के तहत निंबाहेड़ा में विभिन्न मलिन बस्तियों का यथा स्थिति पुनर्विकास एवं किराया आवास योजना के विकास के लिए डीपीआर	
9	प्रतापगढ़	राजीव आवास योजना के तहत प्रतापगढ़ में विभिन्न मलिन बस्तियों का यथा स्थिति पुनर्विकास एवं किराया आवास योजना के विकास के लिए डीपीआर	
10	कपासन	राजीव आवास योजना के तहत कपासन में मलिन बस्तियों (गडोलिया, लोहार बस्ती, नंदवन कॉलोनी कच्ची बस्ती, मियाचंद खेड़ा कच्ची बस्ती एवं कृषि मंडी कच्ची बस्ती) के पुनर्विकास के लिए परियोजना	
11	फतेहनगर	राजीव आवास योजना के तहत फतेहनगर में विभिन्न मलिन बस्तियों का यथा स्थिति पुनर्वास एवं किराया आवास पुनर्विकास के लिए डीपीआर	
12	उदयपुर	राजीव आवास योजना के तहत उदयपुर में विभिन्न मलिन बस्तियों (763 नये आवासों) के यथा स्थिति पुनर्वास के लिए डीपीआर	
उत्तराखंड			5
1	अगस्तमुनी	राजीव आवास योजना के तहत अगस्तमुनी में यथा स्थिति पुनर्विकास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
2	जोशीमठ	राजीव आवास योजना के तहत जोशीमठ, जिला चमोली में यथा स्थिति पुनर्विकास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
3	रुद्रप्रयाग	राजीव आवास योजना के तहत रुद्रप्रयाग में यथा स्थिति पुनर्विकास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
4	बाजपुर	राजीव आवास योजना के तहत बाजपुर शहर में मूलभूत सुविधा सहित 10 चयनित मलिन बस्तियों (यथा स्थिति पुनर्विकास) में 190 (जी.एफ.) आवास इकाईयों के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट	
5	नैनीताल	राजीव आवास योजना के तहत नैनीताल के शहरी गरीबों के लिए (98 आवास इकाई) के लिए पुनर्विकास आवास योजना	
पश्चिम बंगाल			
1	भाटपाड़ा	राजीव आवास योजना के तहत भाटपाड़ा नगरपालिका में सौरमाड़ी मलिन बस्ती, का यथा स्थिति पुनर्विकास के लिए प्रायोगिक परियोजना	
2	कल्याणी	राजीव आवास योजना के तहत कल्याणी नगरपालिका में हरिजनपाड़ा मलिन बस्ती का यथा स्थिति पुनर्विकास के लिए प्रायोगिक परियोजना	

2. जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के कार्यान्वयन में बीएमटीपीसी की भूमिका

भारत सरकार की आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन, राजीव आवास योजना तथा एकमुश्त 10 प्रतिशत प्रावधान के साथ सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए परियोजनाओं के तहत ''शहरी गरीबों के लिए बुनियादी सुविधाएं'' तथा एकीकृत आवास एवं मलिन बस्ती विकास कार्यक्रम (आईएचएसडीपी) कार्यान्वित कर रहा है। जेएनएनयूआरएम के कार्यान्वयन के तहत बीएनटीपीसी के द्वारा निम्नलिखित कार्यकलाप किए जा रहे हैं :

जेएनएनयूआरएम के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआरएस) का मूल्यांकन

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत एकीकृत गरीबों का बुनियादी सेवाओं के उपघटकों (बीएसयूपी) तथा एकीकृत आवास एवं मलिन बस्ती विकास कार्यक्रम (आईएचएसडीपी) में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट मूल्यांकन एवं परियोजना निगरानी में, बीएमटीपीसी तीसरे पक्ष की समीक्षा, निगरानी, पर्यवेक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम में सम्मिलित है। परिषद के परियोजना मूल्यांकन में आवास एवं बाहरी अवसंरचनाएं जैसे कि सड़कें, जलापूर्ति, जल–मल व्ययन (निस्तारण), बरसाती पानी निकास, सामुदायिक सुविधाएं, स्वास्थ्य केन्द्र एवं शिक्षा सुविधाएं शामिल हैं।

वर्ष के दौरान, परिषद को जेएनएनयूआरएम के तहत आंध्र प्रदेश (1), मध्य प्रदेश (4) एवं पश्चिम बंगाल (1) से बीएसयूपी की 6 संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्राप्त हुईं। यह प्रस्ताव 12113 आवास इकाईयों को शामिल करते हुए 162.62 करोड़ रु. की राशि का था जिसमें भारत सरकारी की भागीदारी 77.34 करोड़ रुपयों की थी। यह बीएसयूपी उप घटक विस्तार के चरण में है एवं नई परियोजनाएं स्वीकृत नहीं की जा रही हैं।

क्र.सं.	शहर/नगर	स्थान	परियोजनाओं की संख्या
बीएसयूपी			
मध्य प्रदेश			4
1	बागड़ा दफाई, जबलपुर	बागड़ा दफाई, जबलपुर, म.प्र. हेतु संशोधित विस्तृत परियोजना योजना रिपोर्ट	
2	बसोर मोहल्ला, जबलपुर	बसोर मोहल्ला, जबलपुर, म.प्र. हेतु संशोधित विस्तृत परियोजना योजना रिपोर्ट	
3	छुईखादन, जबलपुर	छुईखादन, जबलपुर, म.प्र. हेतु संशोधित विस्तृत परियोजना योजना रिपोर्ट	
4	लाल कुआं, जबलपुर	लाल कुआं, जबलपुर, म.प्र. हेतु संशोधित विस्तृत परियोजना योजना रिपोर्ट	
आंध्र प्रदेश			
5	विजयवाड़ा	अजीत सिंह नगर में वीएएमबीएवाई के तहत निर्मित आवास इकाईयों की मरम्मत के लिए संक्षिप्त/संशोधित विस्तृत परियोजना योजना रिपोर्ट	1

क्र.सं.	शहर/नगर	स्थान	परियोजनाओं की संख्या
पश्चिम बंगाल			
6.	महेश्तला (कोलकाता वहिर्भाग)	महेश्तला नगरपालिका (फेज़–IV) में बी.एस.यू.पी. के तहत संशोधित योजना रिपोर्ट	1
		कुल बी.एस.यू.पी. परियोजना निष्पादित	6

बीएसयूपी तथा आईएचएसडीपी परियोजनाओं की निगरानी

परिषद को बीएसयूपी तथा आईएचएसडीपी की परियोजनाओं की निगरानी के लिए निगरानी एजेंसी के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है। आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय से परामर्श करके विस्तृत निगरानी तंत्र को इन परियोजनाओं की निगरानी हेतु तैयार किया गया है। हालांकि, इस अवधि के दौरान बीएमटीपीसी के द्वारा को निगरानी दौरा नहीं किया गया।

टीपीआईएम रिपोर्टों की समीक्षा

परिषद ने बीएसयूपी तथा आईएचएसडीपी परियोजनाओं के लिए तृतीय पक्ष निरीक्षण एवं निगरानी (टीपीआईएम) रिपोर्टों की समीक्षा की जिम्मेदारी ली है। वर्ष के दौरान जेएनएनयूआरएम मिशन निदेशालय के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं की जिम्मेदारी ली गई व टीपीआईएम समीक्षा रिपोर्ट जमा की गई :

क्र.सं.	राज्य का नाम	मिशन निदेशालय को जमा की गई टीपीआईएम समीक्षा रिपोर्ट की संख्या
1	अरूणाचल प्रदेश	8
2	असम	5
3	चडीगढ़	4
4	छत्तीसगढ़	19
5	दिल्ली	6
6	गुजरात	15
7	हरियाणा	10
8	हिमाचल प्रदेश	6
9	जम्मू व कश्मीर	19
10	कर्नाटक	6
11	केरल	21
12	महाराष्ट्र	28
13	मध्य प्रदेश	23
14	मणिपुर	1
15	मेघालय	9
16	नागालैंड	5
17	उड़ीसा	21
18	पुडुचेरी	2
19	राजस्थान	62
20	सिक्किम	4
21	तमिलनाडु	33
22	त्रिपुरा	14
23	उत्तराखंड	8
24	उत्तर प्रदेश	47
25	पश्चिम बंगाल	74

कुल	**450**

3. सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 10ः एकमुश्त प्रावधान के तहत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में बीएमटीपीसी की भूमिका

सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एकमुश्त 10 प्रतिशत प्रावधान के तहत आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार परियोजना क्रियान्वित कर रही है। परिषद को सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 10 प्रतिशत एकमुश्त प्रावधान के तहत परियोजनाओं के मूल्यांकन की एजेंसी के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है। वर्ष के दौरान निम्नांकित परियोजनाओं को मूल्यांकित किया गया है :

क्र. सं.	**शहर/नगर**	**परियोजना का नाम**	**परियोजनाओं की संख्या**
1	मणिपुर	महिला वेंडर्स, इम्फाल के पुनर्वास हेतु तोम्बिसना (खवैराम्बंद) बाजार का निर्माण	1
	मूल्यांकित परियोजनाओं की कुल संख्या		**1**

संगठन

अगले पृष्ठ पर दिया गया चार्ट परिषद् की स्थापना में विभिन्न कार्यात्मक यूनिटों के संगठन को दर्शाता है। 31 मार्च, 2013 की स्थिति के अनुसार बीएमटीपीसी के पास कुल 40 कर्मचारी थे, जिनमें 21 अधिकारी हैं तथा 19 सहायक स्टाफ एवं परियोजना अनुसार संविदा पर लगाए गए तकनीशियन/व्यावसायिक हैं।

पारदर्शिता, प्रतिक्रियात्मकता और कर्मचारियों की अधिक सहभागिता लाने के लिए परिषद् ने निरंतर निम्नलिखित प्रशासनिक उपाय अनुपालित किए हैं:

- संशोधित उपनियमों, भर्ती बनाम प्रोन्नति नियमों तथा प्रतिनिधायन शक्तियों के कार्यान्वयन पर बल दिया गया है।
- संगठन के निर्बाध कार्यचालन के लिए निम्नलिखित आंतरिक समितियां गठित की गईं:
  - निर्माण समिति
  - निवेश समिति
  - विज्ञापन समिति
  - प्रिंटिंग समिति
  - स्थानीय खरीद समिति
  - स्टॉक खरीद समिति
  - परिवहन समिति
  - संविदात्मक भुगतान समिति
- परिषद् ने परिणाम–ढांचागत दस्तावेज (आरएफडी) कार्यान्वित किया है।
- नागरिकों की शिकायतों को हल करने के लिए केंद्रीकृत जन शिकायत सुधार एवं मानिटरिंग प्रणाली के माध्यम से जन शिकायतों की ऑनलाइन हैंडलिंग को शुरू किया गया है।
- स्टाफ के सदस्यों की शिकायतों को हल करने और संगठन की सुचारु क्रियाशीलता के लिए एक अधिकारी को निदेशक – शिकायत और एक अधिकारी को कल्याण अधिकारी नामित किया गया है।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कल्याण एवं विकास हेतु एससी/एसटी सैल का गठन
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन।
- कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न निवारण संबंधी समिति की स्थापना।
- नागरिक–चार्टर के कार्यान्वयन हेतु स्वतंत्र लेखा परीक्षा
- जन शिकायत निवारण प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु स्वतंत्र लेखा परीक्षा

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद

संस्थागत संरचना

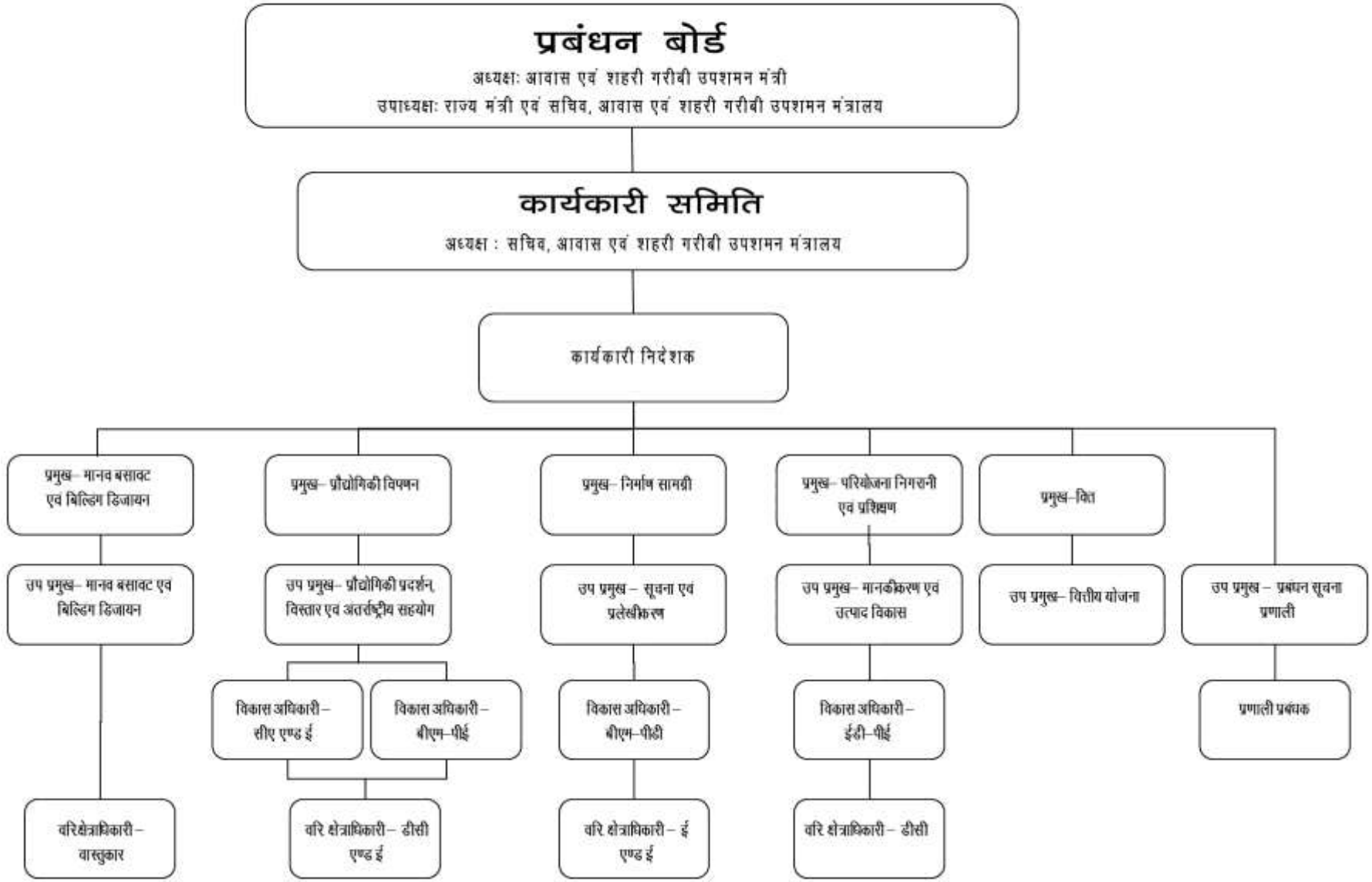

स्टाफ/कार्मिक संख्या (31.3.2014 की स्थिति के अनुसार)

क्र.सं.	नाम व पदनाम	कार्यग्रहण की तारीख
1.	**डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल** *कार्यकारी निदेशक*	17.01.08
2.	**एस. बालाश्रीनिवासन** *प्रमुख–वित्त*	08.04.92
3.	**जे.के. प्रसाद** *प्रमुख–निर्माण सामग्री*	01.09.03
4.	**एम. रमेश कुमार** *प्रमुख–मानव बसावट एवं बिल्डिंग डिजायन*	01.04.93
5.	**अरुण कुमार तिवारी** *प्रमुख–परियोजना निगरानी एवं प्रशिक्षण तथा प्रशासन*	22.07.03
6.	**एस.के. गुप्ता** *उप प्रमुख–प्रौद्योगिकी, प्रदर्शन, विस्तार एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग*	26.10.93
7.	**अरविंद कुमार** *उप प्रमुख–प्रबंधन सूचना तंत्र*	15.04.99
8.	**डॉ. अमित राय** *उप प्रमुख*	05.11.98
9.	**चंडी नाथ झा** *उप प्रमुख–मानकीकरण एवं परियोजना विकास*	09.09.99
10.	**पंकज गुप्ता** *उप प्रमुख–सूचना एवं प्रलेखन*	14.10.99
11.	**डी.पी. सिंह** *विकास अधिकारी – इंजीनियरिंग डिजाइन एवं उत्पाद मूल्यांकन*	05.10.98
12.	**दलीप कुमार** *वरिष्ठ क्षेत्राधिकारी–प्रदर्शन निर्माण एवं प्रदर्शनी*	04.03.91
13.	**आलोक भटनागर** *वरिष्ठ क्षेत्राधिकारी–मूल्यांकन एवं प्रदर्शनी*	05.10.98
14.	**आकाश माथुर** *वरिष्ठ क्षेत्राधिकारी–वास्तुकार*	01.01.02
15.	**अनीता कुमार** *वरिष्ठ प्रोग्रामर*	03.10.96
16.	**एम. रामा कृष्णा रेड्डी** *संपर्क अधिकारी (कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर)*	29.10.03
17.	**पंकज गुप्ता** *कार्मिक अधिकारी*	01.03.94
18.	**प्रवीन सूरी** *तंत्र विश्लेषक*	01.09.94
19.	**एस.एस. राणा** *पुस्तकालय अधिकारी*	01.04.98
20.	**डी. प्रभाकर** *क्षेत्राधिकारी*	29.01.04
21.	अश्विनी कुमार *सहायक क्षेत्राधिकारी*	01.01.02
सेवानिवृत्ति		
	एस.एम. मल्होत्रा *प्रधान निजी सचिव (31.7.2013 को सेवा निवृत्त)*	09.04.99

लेखा

परिषद् को आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार से वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान 500.00 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों की प्राप्तियों से जैसे– शुल्क, परामर्श, प्रशिक्षण, बीआईपीएआरडी, जेएनएनयूआरएम, ब्याज, प्रकाशनों इत्यादि से 236.14 लाख रु. प्राप्त हुए और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा विवरणी के अनुसार इस वर्ष के दौरान परिषद् ने 1027.07 लाख रुपए की कुल राशि खर्च की है। परिषद के व्यय का संक्षिप्त ब्योरा नीचे दिया गया है :–

मुख्य शीर्ष	राशि (रुपए में)
• अवसंरचना सुविधाओं, कंप्यूटर सॉफ्टवेयरों और आटोमेशन प्रणालियों के प्रति व्यय	12,59,216
• वेतन, स्थापना एवं प्रशासन पर व्यय	4,28,31,417
• भारत और विदेशों में विभिन्न संगोष्ठियों, सम्मेलन, कार्यशालाएं आयोजित करने और उनमें भाग लेना, ब्रोशरों, लीफलेटों, मैनुअलों, दिशानिर्देशों आदि के रूप में तकनीकी जानिए–कैसे का प्रचार, व्यवसायविदों के साथ–साथ निर्माण श्रमिकों के लिए क्षमता निर्माण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	88,09,632
• त्रिपुरा सहित भारत के विभिन्न भागों में प्रदर्शन आवास परियोजनाओं, अन्य इमारतों का निर्माण सहित प्रौद्योगिकी विकास/अनुप्रयोग और प्रायोजित अध्ययनों के लिए वित्तीय सहायता पर व्यय	2,13,70,176
• मूल्यांकन, निगरानी, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, निगरानी प्रकोष्ठ और जेएनएनयूआरएम, बीआईपीएआरडी, बिल्डिंग सेंटर और अन्यों से संबंधित अन्य क्रियाकलापों पर हुए व्यय	2,84,37,285
कुल	10,27,07,726

लेखाओं की लेखा–परीक्षा मैसर्स माटा एण्ड एसोसिएट्स, सनदी लेखाकार द्वारा की गई है। वर्ष 2013–14 का तुलन–पत्र तथा लेखा विवरण रिपोर्ट में दिया गया है।

माटा एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
- 877, अग्रवाल साइबर प्लाजा–II, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली–110034
- 308, आरजी ट्रेड टावर, प्लॉट सं. बी–7, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली–110034

मोबाइलः +91-98111-90720
ईमेलः mattaassociates@gmail.com
वेबः www.mattaassociates.com

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्यगण
निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
नई दिल्ली

वित्तीय विवरणियों पर रिपोर्ट

हमनें **निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्,** जो सोसायटीज एक्ट, 1860 के तहत एक पंजीकृत सोसायटी है, की 31 मार्च, 2014 के संलग्न तुलन–पत्र सहित उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के आय तथा व्यय लेखों एवं प्राप्ति तथा भुगतान लेखों की लेखा–परीक्षा की है और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा नीतियों एवं अन्य विवरणात्मक सूचना का एक सारांश है।

वित्तीय विवरणियों हेतु प्रबंधन दायित्व

इन वित्तीय विवरणियों को तैयार करने के लिए प्रबंधन उत्तरदायी है जो भारत में प्रचलित सामान्यः लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार स्वीकार्य एक सही एवं उचित वित्तीय स्थिति एवं वित्तीय निष्पादकता का दृष्टिकोण देते हैं। इस उत्तरदादियत्व के अंतर्गत वित्तीय विवरणियों की तैयारी एवं प्रस्तुति तथा डियाजन, कार्यान्वयन एवं आंतरिक नियंत्रण के अनुरक्षण की औचित्यतता समाहित होती है, जो एक सही एवं उचित दृष्टिकोण देते हैं एवं धोखाधड़ी या फिर गलतियों, किसी भी भौतिक रूप में गलत बयानी से मुक्त होते हैं।

लेखा–परीक्षक का दायित्व

हमारा दायित्व यह है कि अपनी लेखा परीक्षा के आधार इन वित्तीय विवरणियों पर अपनी एक राय अभिमत प्रकट करें। हम अपनी लेखा परीक्षा को दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउटेंट्स आफ इंडिया के द्वारा जारी मानकों के अनुसार करते हैं। ये मानक अपेक्षा करते हैं कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करें और नियोजन तथा लेखा परीक्षा निष्पादित करके औचित्यपूर्ण आश्वस्ति हासिल करें कि क्या यह वित्तीय विवरणियां भौतिक रूप से गलत बयानी से मुक्त हैं।

लेखा परीक्षा की निष्पादन प्रक्रिया में वित्तीय विवरणों में दी गई राशि एवं विगोपनों के बारे में लेखा–साक्ष्य प्राप्त करना होता है। प्रक्रिया का चयन लेखा–परीक्षक के निर्णय पर आधारित होता है जिसमें वित्तीय विवरणियों की भौतिक गलत प्रस्तुति (बयानी) के जोखिम का मूल्यांकन भी शामिल होता है कि क्या वे धोखा–धड़ी के कारण हैं अथवा त्रुटि से हैं या नहीं। इन जोखिमों का मूल्यांकन करने में, लेखा–परीक्षक लेखा परीक्षा डिजायन के क्रम में वित्तीय विवरणियों की निष्पक्ष प्रस्तुति तथा सोसायटी की तैयारी हेतु आंतरिक नियंत्रण के औचित्य पर विचार करता है, जोकि ऐसी पारिस्थितियों में अनुकूल होते हैं। एक लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की औचित्यतता का मूल्यांकन तथा प्रबंधन द्वारा तैयार लेखांकन प्राक्कलनों की तर्कसंगतता के साथ–साथ वित्तीय विवरणियों की सकल प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना शामिल होता है।

हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा–परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं वे पर्याप्त एवं औचित्यपूर्ण हैं जो हमारी अबाधित (पक्की) लेखा–परीक्षा अभिमत (राय) के लिए एक आधार प्रदान करते हैं।

अभिमत (राय) का आधार

अभिमत (राय)

हमारे अभिमत (राय) और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार एवं लेखांकन हेतु हमें दी गई व्याख्याओं के अनुसार हमने वे सभी सूचनाएं तथा स्पष्टीकरण प्राप्त किए जो हमारी जानकारी और विश्वास तथा भारत में प्रायः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार लेखा–परीक्षा अनुमोदन की दृष्टि हेतु आवश्यक थे;

क. तुलन पत्र के मामले में, परिषद (सोसायटी) के विवरण 31 मार्च, 2014 के यथानुकूल हैं।

ख. आय एवं व्यय लेखों के विवरण के मामले में वर्ष की समाप्ति के लिए, उस तिथि पर अधिशेष यथावत है और

ग. प्राप्ति एवं भुगतान लेखा के मामले में वर्ष की समाप्ति हेतु, उस तिथि पर प्राप्तियां एवं भुगतान यथावत हैं।

अन्य कानूनी एवं विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

हम रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि

क. हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए जो लेखा–परीक्षा के उद्देश्य हेतु हमारी जानकारी और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

ख. हमारी राय में खातों की लेखा–पुस्तिकाएं विधिक आवश्यकतानुसार सोसायटी के द्वारा रखी गई थीं जैसा कि हमारी जांच में लेखा पुस्तिकाओं में पाया गया।

ग. हमारी राय में, तुलन पत्र एवं आय और व्यय के लेखा विवरण भारत में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउटेंट्स के द्वारा जारी मानकों के अनुरूप रिपोर्ट में संकलित किए गए हैं।

घ. तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा के विवरण इस रिपोर्ट के द्वारा लेखा–पुस्तिकाओं के साथ अनुबंधानुसार निपटान किए गए।

ङ इस रिपोर्ट में दिए गए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखाबहियों के अनुसार हैं।

कृते माटा एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
एफआरएन सं. 004259एन

ह./–
(अनिल माटा)
भागीदार
सदस्यता सं.84935

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 25.07.2014

यथा 31 मार्च, 2014 को तुलनपत्र

धनराशि (₹)

	अनुसूची	2013-14	2012-13
मूल निधि/पूंजीनिधि एवं देयताएं			
मूल /पूंजी निधि	1	10,00,000	10,00,000
आरक्षितियां एवं अधिशेष	2	19,40,01,939	21,17,65,648
उद्दिष्ट निधियां	3	29,28,030	74,79,974
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	4	18,42,297	66,67,249
कुल		**19,97,72,266**	**22,69,12,871**
आस्तियां			
स्थिर अचल परिसम्पत्तियां	5	3,96,64,141	3,95,24,455
चालु परिसम्पत्तियां, ऋण एवं अग्रिम आदि	6	16,01,08,125	18,73,88,416
कुल		**19,97,72,266**	**22,69,12,871**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	14		

ह0
(एस. बालाश्रीनिवासन)
प्रमुख– वित्त

ह0
(डॉ0 शैलेश कुमार अग्रवाल)
कार्यकारी निदेशक

हमारी संलग्न पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते माटा एवं एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

ह0

अनिल माटा, एफसीए
भागीदार
सदस्य संख्या–084835
फर्म नं. 04258एन

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 25.07.2014

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

धनराशि (₹)

	Schedule	2013-14	2012-13
आय			
अनुदान / आर्थिक सहायता	7	5,00,00,000	5,00,00,000
जेएनएनयूआरएम निगरानी / मूल्यांकन शुल्कें / सेमिनार प्राप्तियां	8	1,05,71,250	1,85,69,000
प्रकाशनों एवं पीएसीएस	9	10,48,686	3,16,032
अर्जित ब्याज	10	1,27,18,336	1,25,33,114
कुल (क)		**7,43,38,272**	**8,14,18,146**
व्यय			
वेतन, स्थापना एवं प्रशासन पर व्यय	11	4,08,78,799	3,52,27,417
प्रचार/प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों/कार्यशालों तथा जेएनएनयूआरएम आदि पर व्यय	12	2,87,86,819	2,66,11,756
वित्तीय सहायता, प्रायोजित अध्ययनों आदि पर व्यय	13	2,13,16,833	1,66,85,096
मूल्यह्रास	5	11,19,530	11,85,561
कुल (ख)		**9,21,01,981**	**7,97,09,830**
आय पर व्यय का आधिक्य (ख–क)		(1,77,63,709)	
व्यय पर आय का आधिक्य (क–ख)			17,08,316
अधिशेष होने पर शेष तुलन पत्र में ले जाया गया		**(1,77,63,709)**	**17,08,316**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और लेखाओं पर टिप्पणियां	14		

हस्ता0

(एस. बालाश्रीनिवासन)
प्रमुख- वित्त

हस्ता0

(डॉ0 शैलेश कुमार अग्रवाल)
कार्यकारी निदेशक

हमारी संलग्न पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते भाटा एवं एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

हस्ता0

अनित भाटा, एफसीए
भागीदार
सदस्यता संख्या-084835
फर्म सं. 04254एन

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 25.07.2014

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

राशि (₹)

	2013-14		2012-13	
प्राप्तियां				
1 **प्रारंभिक शेष**				
नकद शेष		1,50,685		1,64,267
बैंक शेष				
अनुसूचित बैंकों में				
- जमा खातों में	13,14,52,624		12,00,84,236	
- बचत खातों में:				
- केनरा बैंक (संसद मार्ग)	3,25,88,749		3,59,81,669	
- केनरा बैंक (हौजखास)	3,51,287		3,35,471	
- केनरा बैंक, बैंगलोर	1,99,067		96,400	
- स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद (स्कोप कांप्लेक्स)	43,62,461	16,89,54,208	49,73,431	16,14,73,207
2 केन्द्र सरकार से प्राप्त (आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय) अनुदान–सहायता		5,00,00,000		5,00,00,000
3 शुल्क/परामर्श तथा प्रशिक्षण/सम्मेलन/जेएनएनयूआरएम, से प्राप्तियां		53,96,250		2,62,14,750
4 प्रतिभूति जमाएं आदि		3,39,163		1,80,837
5 ऋण एवं अग्रिम (निवल)		37,18,909		22,64,567
6 प्रकाशनों से आय		10,48,686		3,16,032
7 अर्जित ब्याज		1,31,11,806		1,23,60,919
कुल		**24,27,19,707**		**25,29,74,579**
भुगतान				
1 अचल परिसम्पत्तियों की खरीद	12,59,216		1,17,629	
2 वेतन, संगठन व प्रशासन पर व्यय	4,28,31,417		3,38,83,656	
3 प्रशिक्षण कार्यक्रमों, गोष्ठियों/कार्यशालाओं आदि पर व्यय	88,09,632		1,01,50,842	
4 वित्तीय सहायता/प्रायोजित अध्ययनों पर व्यय	2,13,70,176	7,42,70,441	1,66,91,870	6,08,43,997
5 विनिर्धारित निधियां				
पूर्वोत्तर राज्यों में बांस पटाई उत्पादन केंद्रों की स्थापना	18,41,598		–	
मिजोरम में प्रदर्शन आवासों का निर्माण प्रारंभिक शेष	3,14,343		–	
त्रिपुरा में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के साथ प्रदर्शन भवन निर्माण तथा प्रदर्शन प्रौद्योगिकियों बनाम उत्पाद	17,78,430		3,09,760	
आईबीओएमएस, गुणवत्ता मिशन तथा टीपीआईएम	6,328		54,222	
कस्बे एवं ग्राम नियोजन अधिनियम जोनिंग विनियमन में मॉडल संशोधन	–		5,36,801	
बीआईपीएआरडी	5,85,668		4,13,083	
एनडीएमए	1,60,630		17,78,120	
बिल्डिंग सेंटरों का पुर्नजीकरण तथा सुदृढ़ीकरण	6,91,675	53,78,672	29,28,000	60,19,986
6 जेएनएनयूआरएम पर व्यय		2,30,58,613		1,70,05,703
7 **इतिशेष**				
– नकद शेष		75,930		1,50,685
– बैंक शेष				
– अनुसूचित बैंकों में				
– जमा खाता में	13,05,78,008		13,14,52,624	
– बचत खाता में				
- केनरा बैंक (संसद मार्ग)	15,85,808		3,25,88,749	
- केनरा बैंक (हौजखास)	3,65,479		3,51,287	
- केनरा बैंक, बैंगलोर	49,544		1,99,067	
- स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद (स्कोप कांप्लेक्स)	73,57,212	13,99,36,051	43,62,461	16,89,54,208
कुल		**24,27,19,707**		**25,29,74,579**

ह0

(एस. बालसुब्रमणियन)
प्रमुख- वित्त

ह0

(डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल)
कार्यकारी निदेशक

हमारी संलग्न पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते नाटा एवं एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

ह0

अनिल नाटा, एफसीए
भागीदार
सदस्यता संख्या-[illegible]
फर्म सं. [illegible]

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 25.07.2014

यथा 31 मार्च, 2014 पर तुलन–पत्र का अनुसूची गठन भाग

धनराशि (₹)

अनुसूची 1 – मूल/पूंजी निधि	2013-14		2012-13	
वर्ष के प्रारंभ में शेष		**10,00,000**		10,00,000
कुल		**10,00,000**		**10,00,000**

अनुसूची 2 – आरक्षित एवं अधिशेष	2013-14		2012-13	
1 पूंजी आरक्षित				
प्रारंभिक शेष	**8,61,12,188**		8,59,94,559	
	12,59,216	8,73,71,404	1,17,629	8,61,12,188
2. व्यय से आय का अधिक्य				
प्रारंभिक शेष	**12,56,53,460**		12,40,62,773	
घटाएं: आय एवं व्यय खाते से अंतरित राशि के रूप में	- 1,77,63,709			
जोड़ें: आय एवं व्यय खाते से अंतरित राशि के रूप में			17,08,316	
	10,78,89,751		12,57,71,089	
पूंजी आरक्षित से लेखे को अंतरित	12,59,216	10,66,30,535	1,17,629	12,56,53,460
कुल		**19,40,01,939**		**21,17,65,648**

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट निधि	2013-14		2012-13	
1 लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी के साथ प्रदर्शन भवन निर्माण तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शन सह उत्पादन केंद्र त्रिपुरा				
प्रारंभिक शेष	17,78,430		20,88,190	
घटाएं: इस वर्ष के दौरान उपयोगित/व्यय	3,29,120		3,09,760	17,78,430
घटाएं: वर्ष के दौरान लौटाई गई राशि	14,49,310	–		
2 नगर एवं ग्राम नियोजन अधिनियम में मॉडल संशोधन, जोनिंग विनियमन	–			
प्रारंभिक शेष			5,36,801	
घटाएं: वर्ष के दौरान राशि वापसी	–		5,36,801	–
3 पूर्वोत्तर राज्यों में बांस चटाई उत्पादन केन्द्र की स्थापना				
प्रारंभिक शेष	18,41,598		18,41,598	
घटाएं: इस वर्ष के दौरान किए उपयोग/व्यय	–		–	18,41,598
घटाएं: वर्ष के दौरान लौटाई गई राशि	18,41,598	–		
4 मिजोरम में प्रदर्शन आवासों का निर्माण प्रारंभ शेष	3,14,343		–	3,14,343
घटाएं: वर्ष के दौरान लौटाई गई राशि	3,14,343	–		
5 आईसीओएसएस पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम, गुणवत्ता निश्चियन तथा पीपीआईएम				
प्रारंभिक शेष	12,03,091		11,10,035	
घटाना : वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय	6,328		6,944	
जोड़ना : वर्ष के दौरान समायोजन	-	11,96,763	1,00,000	12,03,091
6 एनडीएमए परियोजना	1,60,630			
वर्ष के दौरान प्राप्त की गई राशि	-		19,20,750	
घटाना : वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय	1,60,630	–	17,80,120	1,60,630
7 बीआईपीएआरडी परियोजना	1,64,882			
वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	7,50,000		6,80,000	
घटाना : वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय	5,08,940	4,05,942	5,15,118	1,64,882
8 बिल्डिंग सेंटरों का पुनर्विकरण तथा सुदृढ़ीकरण	20,17,000			
वर्ष के दौरान प्राप्त राशि			49,45,000	
घटाना : वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय	6,91,675	13,25,325	29,28,000	20,17,000
कुल		**29,28,030**		**74,79,974**

अनुसूची 4 – चालू देयताएं एवं प्रावधान	2013-14	2012-13
चालू देयताएं		
– बकाया देयताएं	5,94,048	57,58,163
– प्रतिभूति जमा	11,78,277	8,39,114
– भवन उद्यमियों के विकास हेतु प्राप्त निधियों का शेष	19,972	19,972
– रेलवे के तहत बिलासपुर परियोजना के प्रति देयताएं	50,000	50,000
कुल	**18,42,297**	**66,67,249**

यथा 31 मार्च, 2014 पर तुलनपत्र का अनुसूची गठन भाग

घनराशि (₹)

अनुसूची 5 – स्थिर आस्तियां							2013-14	2012-13
	सकल ब्लाक			मूल्य ह्रास			निवल ब्लॉक	निवल ब्लॉक
	1.4.13 को लागत	वृद्धियां	कुल	1.04.13 तक	चालू वर्ष	31.03.14 तक	यथा 31.03.14 को	यथा 31.03.13 को
आईएचसी में कार्यालय (लीज होल्ड)	3,43,19,817	-	3,43,19,817	-	-	-	3,43,19,817	3,43,19,817
फर्नीचर एवं जुड़नार	34,29,006	1,47,645	35,76,651	24,40,609	1,06,222	25,46,831	10,29,820	9,88,397
कार्यालय उपस्कर	1,89,89,139	14,000	1,90,03,139	1,67,14,973	3,42,175	1,70,57,148	19,45,991	22,74,166
कंप्यूटर / पैरिफेरल्स	1,61,21,526	7,74,345	1,68,95,871	1,58,69,809	3,93,337	1,62,63,146	6,32,725	2,51,717
एयरकंडिशनर	7,31,940	3,03,226	10,35,166	5,12,135	55,713	5,67,848	4,67,318	2,19,805
पंखे एवं कूलर	55,405	20,000	75,405	34,838	4,585	39,423	35,982	20,567
टीवी एवं वीसीआर	3,80,450	-	3,80,450	2,88,112	13,851	3,01,963	78,487	92,338
प्रदर्शनी, पैनल, प्रदर्शन मॉडल	1,20,84,905	-	1,20,84,905	1,07,27,257	2,03,647	1,09,30,904	11,54,001	13,57,648
	8,61,12,188	12,59,216	8,73,71,404	4,65,87,733	11,19,530	4,77,07,263	3,96,64,141	3,95,24,455
पूर्व वर्ष में ;2012.13द्ध	8,59,94,559	1,17,629	8,61,12,188	4,54,02,172	11,85,561	4,65,87,733	3,95,24,455	4,05,92,387

यथा 31 मार्च, 2014 को तुलन–पत्र की अनुसूचियां गठन भाग

धनराशि (₹)

अनुसूची 6 – चालू आस्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	2013-14		2012-13	
क **चालू आस्तियां**				
1. नकद शेष		75,930		1,50,685
2. बैंक शेष				
- जमा खातों में	13,05,78,008		13,14,52,624	
- बचत खातों में				
- केनरा बैंक (संसद मार्ग)	15,85,808		3,25,88,749	
- केनरा बैंक (हौजखास)	3,65,479		3,51,287	
- केनरा बैंक, बैंगलोर	49,544		1,99,087	
- स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद (स्कोप कांप्लेक्स)	73,57,212	13,99,36,051	43,62,461	16,89,54,208
ख **ऋण, अग्रिम एवं अन्य आस्तियां**				
1. कर्मचारियों को ऋण	26,60,839	26,60,839		35,39,382
2. अग्रिम एवं अन्य नकद प्रतिदेय राशियां या जिनकी कीमत प्राप्त हुई				
क. आयकर, सेवा कर तथा अन्य प्रतिदेय अग्रिम	71,46,192		39,45,968	
ख. प्रतिभूति जमा स्थान वापसी योग्य	4,20,000	75,66,192	5,35,590	44,81,558
3. अर्जित ब्याज		98,69,113		1,02,62,583
कुल (क + ख)		16,01,08,125		18,73,88,416

यथा 31 मार्च, 2014 को वर्ष की समाप्ति पर आय एवं व्यय खाते का अनुसूची गठन भाग

धनराशि (₹)

अनुसूची 7 – अनुदान/सहायता अनुदान ;अशोध्य अनुदान एवं प्राप्त सहायता अनुदानद्ध	2013-14	2012-13
1 केन्द्र सरकार (आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार)	5,00,00,000	5,00,00,000
कुल	**5,00,00,000**	**5,00,00,000**

अनुसूची 8 – शुल्क/अंशदान	2013-14	2012-13
1 आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय से मूल्यांकन शुल्क	–	1,85,69,000
2 आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय से निगरानी शुल्क	1,05,71,250	–
कुल	**1,05,71,250**	**1,85,69,000**

अनुसूची 9 – पीएसीएस शुल्क, प्रकाशनों आदि से आय	2013-14	2012-13
1 प्रकाशनों की बिक्री एवं पीएसीएस आदि की प्राप्तियां	10,48,686	3,16,032
कुल	**10,48,686**	**3,16,032**

अनुसूची 10 – अर्जित ब्याज	2013-14	2012-13
1 अनुसूचित बैंकों में सावधि जमाएं	1,16,81,278	1,16,16,048
2 अनुसूचित बैंकों में बचत खाते	9,31,605	8,37,749
3 ऋण पर कर्मचारी/आयकर धन वापसी	1,05,453	79,317
कुल	**1,27,18,336**	**1,25,33,114**

अनुसूची 11 – वेतन, संगठन एवं प्रशासन पर व्यय	2013-14	2012-13
1 वेतन एवं भत्ते	3,44,34,472	2,84,10,093
2 छुट्टी यात्रा अंशदान	5,58,709	4,03,475
3 चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	9,60,213	13,78,737
4 बानदेय	2,43,000	2,00,300
5 कर्मचारियों की भर्ती हेतु प्रशासनिक व्यय	18,428	5,12,113
6 प्रशासनिक व्यय	46,63,977	43,22,699
कुल	**4,08,78,799**	**3,52,27,417**

अनुसूची 12 – प्रचार, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जूएनएनयूआरएम आदि पर व्यय	2013-14	2012-13
1 प्रदर्शिनी एवं प्रचार व विज्ञापन	26,67,983	41,81,713
2 संगोष्ठी एवं सम्मेलन व्यय	25,12,938	24,66,674
3 मुद्रण, प्रकाशन, विज्ञापन	19,07,457	22,21,826
4 पुस्तकें एवं पत्रादि (पीरियोडिकल्स)	93,434	99,469
5 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	7,96,061	7,35,345
6 प्रशासन व्यय सहित जेएनएनयूआरएम पर खर्च	2,08,08,946	1,69,06,729
कुल	**2,87,86,819**	**2,66,11,756**

यथा 31 मार्च, 2014 को वर्ष की समाप्ति पर आय एवं व्यय खाते का अनुसूची गठन भाग

धनराशि (₹)

	अनुसूची 13 – प्रायोजित अध्ययनों एवं वित्तीय सहायताओं आदि पर व्यय	2013-14	2012-13
क	निर्माण सामग्रियां एवं निर्माण प्रौद्योगिकियां		
1	भवन निर्माण हेतु ऊर्जा दक्ष निर्माण सामग्री	2,50,000	1,50,000
2	निम्न लागत आवास हेतु रासायनिक उपचारित बांस प्रबलित कंक्रीट सदस्यों हेतु डिजाइन पद्धति	4,55,000	4,55,000
3	अंबाला में सामुदायिक केंद्र का निर्माण	1,88,531	14,09,471
4	रायबरेली में प्रदर्शन आवासों का निर्माण	1,15,25,166	29,72,889
5	पिंजोर में प्रदर्शन आवासों का निर्माण	6,10,892	47,41,630
6	दिमापुर, नागालैंड में बांस की चटाई उत्पादन केंद्र की स्थापना	4,23,600	15,04,200
7	वृत्ताकार पंक्तियों के भूकंप प्रतिरोध क्षमता में सुधार	18,000	2,54,000
8	कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन प्रमाणन योजना	4,53,790	26,160
9	आर एण्ड डी संस्थान के सहयोग से संभावित क्षेत्रों हेतु मनोमंथन सत्र	2,77,662	-
10	बांस आधारित तकनीकों के इस्तेमाल से प्रदर्शन ढांचा का निर्माण	1,54,168	-
11	गुजरात में किफायती आवास हेतु मानक विनिर्देश पर परामर्श	1,00,000	-
12	बैंगलोर में उभरते निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला	2,54,584	-
13	निम्न लागत आवास हेतु कंक्रीट के खंभे का विकास	2,17,268	-
14	इंजीनियरिंग एवं वास्तुकला शिक्षा हेतु स्थाई भवन प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम का विकास	2,50,000	-
15	मोनोलिथिक कंक्रीट निर्माण प्रौद्योगिकी हेतु कार्य विनिर्देश एवं दर विश्लेषण का विकास	1,37,700	-
16	भारत में प्रचलित चिनाई एवं प्रबलित कंक्रीट के भवन का त्वरित दृश्य स्क्रीनिंग हेतु दिशा-निर्देश	24,000	-
17	ह्यू मोटर पर परियोजना मानवीय प्रयासों के इस्तेमाल का मानवीय तरीका	3,00,000	-
18	गुजरात पर ध्यान केंद्रण सहित पश्चिम क्षेत्र हेतु इंदिरा आवास योजना के डिजाइन हेतु प्रारंभिक अध्ययन	1,15,888	-
19	भवन निर्माण सूचना मॉडल (बीआईएम) के प्रयोग से जीएफआरजी के प्रतिनिधित्व पर परियोजना	3,00,000	-
20	कर्नाटक में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से प्रदर्शन ढांचा के निर्माण हेतु डिजाइन पैकेज	1,50,000	-
21	जीएफआरजी एवं मोनोलिथिक कंक्रीट निर्माण प्रौद्योगिकियों पर दर की अनुसूची का विकास	2,00,000	-
22	अमेठी में प्रदर्शन आवास परियोजना का प्रलेखीकरण	2,34,800	-
23	मैदानी क्षेत्र अर्थात मध्य प्रदेश/बिहार एवं तटीय क्षेत्रओड़िशा/आंध्र प्रदेश हेतु मानक विनिर्देश का विकास	5,50,000	-
24	मध्य भारत हेतु ईडब्ल्यूएस एवं एलआईजी आवास योजनाओं हेतु सुझावित डिजाइन सहित मानक एवं विनिर्देश का विकास	2,75,000	-
25	पंजाब में दोआबा क्षेत्र एवं आस-पास के क्षेत्र हेतु निम्न लागत नवोन्मेषी आवास का आदर्श डिजाइन एवं प्लानिंग	1,89,000	-
26	कोलकाता एवं आस-पास के क्षेत्र हेतु निम्न लागत नवोन्मेषी आवास का आदर्श डिजाइन एवं प्लानिंग	1,89,000	-
27	जीएफआरजी भवनों हेतु कार्य विनिर्देश एवं दरों के विश्लेषण का विकास	1,87,500	-
28	अर्द्ध-स्वचालित ईंट चिनाई निर्माण पर वैज्ञानिक प्रमाणीकरण	-	1,50,000
29	स्पंज आयरन अपशिष्ट से भवन निर्माण घटकों का विकास	-	2,50,000
30	भवन निर्माण सामग्रियों के सन्निहित ऊर्जा पर डाटाबेस का विकास	-	3,94,000
31	निर्माण सामग्री के रूप में चावल की भूसी के राख के साथ कंक्रीट का प्रदर्शन	-	1,50,000
32	नालीदार रिज टोपी वाले बांस की चटाई के व्यावसायीकरण हेतु उन्नयन सुविधा	-	1,00,000
33	नालीदार चादर वाले बांस की चटाई के निर्माण हेतु ऊर्जा परीक्षा एवं कार्बन स्तर	-	3,89,250
34	सीमेंट कंक्रीट दरवाजा और खिड़की फ्रेम के कार्यप्रदर्शन का विस्तृत अध्ययन	-	3,29,046
35	उत्तराखंड क्षेत्र हेतु डिजाइन पैकेज का विकास	-	1,30,200
36	हरियाणा हेतु लागत-प्रभावी प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से मॉडल आवास योजना का आकलन	-	45,000
37	पश्चिमी क्षेत्र हेतु डिजाइन पैकेज का विकास	-	84,739
38	दक्षिणी क्षेत्र हेतु डिजाइन पैकेज का विकास	-	2,13,265
39	ढांचा के मूलभूत बातों पर मैनुअल का विकास	-	29,781
	उप जोड़ (क)	**1,80,31,549**	**1,37,78,631**

यथा 31 मार्च, 2014 को वर्ष की समाप्ति पर आय एवं व्यय खाते का अनुसूची गठन भाग

धनराशि (₹)

		अनुसूची 13 – प्रायोजित अध्ययनों एवं वित्तीय सहायताओं आदि पर व्यय (निरंतर)	2013-14	2012-13
क		**क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास**		
	1	विकेंद्रीकृत मॉड्यूलों से संबंधित विकसित भवन कारीगर मैत्री प्रमाणन प्रोग्रामर	12,40,435	6,08,200
	2	कारीगर हेतु मूलभूत ऑडियो–वीडियो एवं स्थिर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास	6,62,160	2,40,000
	3	टेहरी गढ़वाल, उत्तराखंड पर प्रभावी आवास पौद्योगिकियों पर सुपरवाइजरों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	50,000	50,000
	4	कन्याकुमारी में हरित भवन प्रौद्योगिकी पर इंजीनियरों एवं सुपरवाइजरों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	49,000	49,000
	5	विदिशा, एमपी में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों पर सुपरवाइजरों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	1,00,000	50,000
	6	अमीरगढ़, गुजरात में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी पर मिस्त्री हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	45,824	73,750
	7	अहमदाबाद, गुजरात पर आपदा प्रतिरोध अभ्यास पर निर्माण कामगारों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	34,543	57,635
	8	शिलोंग, मेघालय पर बांस आवास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सह कार्यशाला	4,12,520	-
	9	रायबरेली में इंजीनियरों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	49,850	-
	10	जमशेदपुर में फ्लाईएश आधारित भवन निर्माण घटकों पर ग्रामीण क्षेत्रों में मिस्त्रियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	61,431	-
	11	इम्फाल (मणिपुर) में बांस आवास पर कार्यन्न प्रशिक्षण सह कार्यशाला	4,00,000	-
	12	रायबरेली में मिस्त्रियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों	66,000	-
	13	श्रीनगर, गढ़वाल तके आपदा प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों पर मिस्त्रियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	76,100
	14	कन्याकुमारी में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों पर मिस्त्रयों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	79,100
	15	नई दिल्ली में एमसीडी स्कूल का रिट्रोफीटिंग	-	19,900
	16	कन्याकुमारी में कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	56,000
	17	विदिशा, मध्यप्रदेश में कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	1,60,000
	18	टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड में कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	76,000
	19	कंक्रीट पर क्षेत्र एवं लैब तकनीशियनों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	2,90,630
	20	विदिशा, एमपी में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों पर सुपरवाइजरों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	50,000
	21	आदित्यपुर में फ्लैाईएश आधारित भवन निर्माण घटकों पर ग्रामीण क्षेत्रों में मिस्त्रियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	50,200
	22	चेन्नई में रेपिड वॉल बिल्डिंग प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	2,45,790
		उप–जोड़ (ख)	**31,71,763**	**22,32,305**
ग		**आपदा न्युनीकरण एवं प्रबंधन**		
	1	पटना में भूकंप रोधी डिजाइन एवं निर्माण पर बीआईपीएआरडी के साथ प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन	1,13,521	-
	2	भूकंप उपयों का निर्माण	-	6,74,160
		उप–जोड़ (ग)	**1,13,521**	**6,74,160**
		कुल (क + ख +ग)	**2,13,16,833**	**1,66,85,096**

अनुसूची 14– महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं लेखां पर टिप्पणियां

1 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

क) **लेखाकन की प्रणाली** : वित्तीय विवरण भारत में उपराज्य सिद्धांतो तथा अधिसूचित लेखांकन मानकों के साथ सभी भौतिक पहलू के अनुपालन के आधार पर तैयार किए गए हैं।

ख) **स्थिर परिसम्पतियां** : स्थिर परिसम्पतियां प्राप्ति की लागतों पर दर्ज की जाती है और मूल्यह्रास का प्रावधान, आय कर अधिनियम, 1961 में यथा विर्दिष्ट तरीके से और परिमाण दर पर किया जाता है।

ग) **सेनाविनृत्ति लाभ** :

1. परिषद अपने भविष्य निधि न्यास में अंशदान करती है, जो आयकर प्राधिकारियों से मान्यता प्राप्त है और इस वर्ष के दौरान भविष्य निधि न्यास में किया गया अंशदान राजस्व को प्रभारित किया है।

2. कर्मचारियों को दिए जाने वाले उपदान के संबंध में देयता का प्रावधान, समूह उपदान योजना के अंतर्गत भारतीय जीवन बीमा निगम को भुगतान किए गए प्रीमियम के जरिए किया जाता है।

3. कर्मचारियों को भुगतानयोग्य छुट्टी नकदीकरण के संबंध में देयता का प्रावधान, मास्टर पालिसी के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को भुगतान की गई प्रीमियम के जरिए किया जाता है और भुगतान की गई प्रीमियम राजस्व को प्रभारित की जाती है।

ग) **सामान्य** : लेखांकन नीतियों को विशिष्ट रूप से नहीं उल्लिखित किया गया है पर दूसरे ढंग से सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन नीतियों के साथ सामंजस्य है।

2 **आकस्मिक देयताएं** : ऋण के रूप में नहीं माने गए परिषद के विरूद्ध दावे – शून्य

3 प्रबंधन की राय में, चालू आस्तियों परिसम्पतियों, ऋणों एवं सामान्य व्यवसाय की दुनिया में अग्रिम राशियों के वसूली के पश्चात मूल्य राशि उस धनराशि से कम नहीं होगी, जिस धनराशि पर उन्हें तुलन–पत्र में दर्शाया गया है। सभी ज्ञात देयताओं के लिए लेखाओं में आगे प्रावधान कर दिया गया है।

4 आयकर अधिनियम 1961 के अंतर्गत कोई कर योग्य आमदनी नहीं होने के मद्देनजर, आयकर का प्रावधान लेखों में नहीं किया गया है। परिषद स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), सेवाकर तथ अन्य वैधानिक देयताएं नियमित जमा करती है। उक्त सभी को समय पर जामा किया गया केवल कुछेक टीडीएस मामलों के अलावा।

5 भारत पर्यावास केन्द्र, लोदी रोड, नई दिल्ली–03 स्थित कार्यालय स्थान की कीमत को भारत पर्यावास केन्द्र ने विभिन्न आबंटियों में अनुपातनुसार नहीं बांटा हुआ है। इसलिए, 3.43 करोड़ की राशि को परिषद ने भारत पर्यावास केन्द्र कार्यालय को मांग/भुगतान आधार पर पूंजीकृत किया है।

6 वित्त वर्ष 2012–2013 में प्रशासनिक खर्च अनुदानों के साथ–साथ जेएनएनयूआरएम व्यय के समान है।

7 जहां कहीं आवश्यक समझा गया, आंकड़ो को पुनः समूहीकृत और पुनः व्यवस्थित किया गया है, ताकि उन्हें चालू वर्ष के आंकड़ों के अनुरूप बनाया जा सके। उपरोक्त सूचना सामग्री प्रबंधन के द्वारा उपलब्ध कराई गई है तथा लेखा–परीक्षकों के द्वारा विश्वसनीय माना गया।

ह0
(एस.बालाश्रीनिवासन)
प्रमुख–वित्त

ह
(डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल)
कार्यकारी निदेशक

हमारी संलग्न पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कूते माटा एवं एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

ह0
अनिल माटा, एफसीए
भागीदार
सदस्यता संख्या-084835

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 25/07/2014

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता

I. प्रदर्शनियां

इस वर्ष के दौरान परिषद ने निम्नलिखित प्रदर्शनियों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसने लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा दक्ष निर्माण सामग्रियों, निर्माण प्रौद्योगिकियों तथा निर्माण संघटकों के उत्पादन के लिए सरल मशीनों के क्षेत्र में जानकारी एवं अनुभवों के आदान–प्रदान में सहायता की है :

– 6 से 10 सितंबर, 2013 तक शांतिनिकेतन, बोलपुर, पश्चिम बंगाल में सेंट्रल कलकत्ता साइंस एण्ड कल्चर ऑर्गेनाइजेशन फॉर यूथ, कोलकाता के द्वारा ''एक विश्व शक्ति की ओर भारत के बढ़ते कदम'' विषय पर 17वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित की गई।

– 8 से 15 अगस्त, 2013 तक हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखंड में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समारोह संगठन, नई दिल्ली के द्वारा राष्ट्रीय कार्निवल 2013 का आयोजन किया गया।

– 14 से 21 अगस्त, 2013 तक चंदनेश्वर महाविद्यालय कैम्पस, सहाबाजीपुर, पो.ऑ. भगोरिया, जिला– बालासोर, ओड़िशा में उत्कल–बंगा उत्सव–2013

– 2 से 4 सितंबर, 2013 तक मुंबई में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ, नई दिल्ली के द्वारा बिग 5 कंसट्रक्ट इंडिया 2013 अंतर्राष्ट्रीय भवन एवं निर्माण शो आयोजित किया गया।

– 14–27 नवंबर 2013 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के दौरान हडको बिल्डटेक'13

– बिल्ड इंटेक 2014: कोडिसिया इंटेक (सीओडीआईएसएसआईए आईएनटीईसी) टेक्नोलॉजी सेंटर के द्वारा 6 से 9 दिसंबर, 2013 को कोयम्बटुर में 7वां संस्करण।

– 22 से 24 दिसंबर 2013 तक रूड़की में आईजीसी रूड़की, आईआईटी रूड़की और सीएसआईआर–सीबीआरआई रूड़की के द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय भू–तकनीकी सम्मेलनः आईजीसी–2013 के दौरान प्रदर्शनी आयोजित की गई।

– 17 से 19 फरवरी 2014 को जयपुर, राजस्थान में ''5वां विजन राजस्थान 2014'' पर प्रदर्शनी।

– 22 से 23 फरवरी, 2014 तक बैंगलोर में बेम्बो सोसाइटी ऑफ इंडिया के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं बेम्बो एक्सपो–2014 का आयोजन किया गया।

II. संगोष्ठियां/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि

– 7 से 10 मई, 2013 को पटना में बीआईपीएआरडी एवं बीएसडीएमए के साथ संयुक्त रूप से बीएमटीपीसी के द्वारा बिहार सरकार हेतु भूकंप रोधी ढांचा के डिजाइन एवं निर्माण पर अभियांत्रिकों एवं वास्तुकारों हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित किया गया।

– 13–14 मई, 2013 को नई दिल्ली में ''विकास में मुख्यधारा डीआरआर जोखिम से लचीलेपन तक'' पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु राष्ट्रीय मंच का प्रथम सत्र आयोजित किया गया।

– 14 मई, 2013 को नई दिल्ली में दक्षिण पश्चिम मानसून 2013 हेतु तैयारी की स्थिति की समीक्षा हेतु राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन विभाग, राहत आयुक्तों/सचिवों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

– 17 मई 2013 को नई दिल्ली में आयोजित क्यूसीआई रेडी मिक्स्ड कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट प्रमाणन परियोजना कार्यक्रम को पेश किया गया।

– 21 से 24 मई, 2013 को पटना में बीआईपीएआरडी एवं बीएसडीएमए के साथ संयुक्त रूप से बीएमटीपीसी के द्वारा आयोजित बिहार सरकार हेतु भूकंप रोधी ढांचा के डिजाइन एवं निर्माण पर अभियांत्रिकों एवं वास्तुकारों हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)।

– 7 जून 2013 को चेन्नई में आईआईटी, चेन्नई में त्वरित किफायती सामूहिक आवास हेतु जीएफआरजी प्रदर्शन भवन का शुभारंभ।

– 12 जून 2013 को नई दिल्ली में ''भारत और विदेशों में आर एण्ड डी संस्थानों के साथ वैकल्पिक एवं उभरते आवास तकनीकों पर सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान'' हेतु विचारमंथन सत्र आयोजित किया गया।

– 11 से 14 जून, 2013 को पटना में बीआईपीएआरडी एवं बीएसडीएमए के साथ संयुक्त रूप से बीएमटीपीसी के द्वारा आयोजित बिहार सरकार हेतु भूकंप रोधी ढांचा के डिजाइन एवं निर्माण पर अभियांत्रिकों एवं वास्तुकारों हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)।

– 14 जून 2013 को नई दिल्ली में आयोजित सहकारी आवास समस्याएं एवं संभावनाओं पर एनसीएचएफ/एनएचबी–एनसीएचएफ अध्ययन का राष्ट्रीय सेमिनार।

14–27 नवंबर, 2013 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के दौरान बीएमटीपीसी प्रदर्शनी।

श्री अरुण कुमार मिश्रा, सचिव, आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय ने 14–27 नवंबर, 2013 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के दौरान विविध वैकल्पिक आवास प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने हेतु बीएमटीपीसी द्वारा निर्मित प्रदर्शन आवास का दौरा किया।

श्री अरुण कुमार मिश्रा, सचिव, आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय ने 14–27 नवंबर, 2013 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के दौरान बीएमटीपीसी प्रदर्शनी में बीएमटीपीसी नेटवर्क भागीदारों के साथ मुलाकात की।

- 25 से 27 जून 2013 को इम्फाल में एस.ए.बी.एफ. एवं स्थानीय सरकार के साथ संयुक्त रूप से बीएमटीपीसी के द्वारा आयोजित उत्तर पूर्व क्षेत्र में आवास निर्माण में बांस के प्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

- 28 जून 2013 को नई दिल्ली में बीएमटीपीसी एवं विकास विकल्पों के द्वारा आयोजित ''भारत के ग्रामीण एवं अर्ध–शहरी क्षेत्रों हेतु ऋण आधारित इको–हाउसिंग की संभावना'' पर गोलमेज चर्चा।

- 22 जुलाई 2013 को नई दिल्ली में आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय के द्वारा आयोजित किफायती आवास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

- 25–26 जुलाई 2013 को नई दिल्ली में हेक्सा ग्रीन–डेवकॉम मीडिया प्रा.लि., नई दिल्ली द्वारा आयोजित हरित पर्यावास सम्मेलन।

- 31 जुलाई, 2013 को नई दिल्ली में पीएचडीसीसीआई के द्वारा आयोजित ''राष्ट्रीय भू–संपदा सम्मेलन''।

- 2 अगस्त 2013 को नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ के द्वारा आयोजित भू–संपदा आवास एवं खुदरा हेतु व्यापक दृष्टिकोण के चित्रण पर लक्षित भू संपदा ''रियलटी 2013'' पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

- 23 अगस्त 2013 को नई दिल्ली में बीएमटीपीसी के द्वारा आयोजित कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन प्रमाणन योजना (पीएसीएस) पैक्स पर राष्ट्रीय सेमिनार।

- 30–31 अगस्त 2013 को अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम के साथ संयुक्त रूप से आयोजित विभिन्न राज्यों में सामाजिक सामूहिक आवास हेतु उभरते एवं नए निर्माण तकनीकों पर संवेदनशीलता सह जागरूकता कार्यशाला।

- 7 अक्तूबर 2013 को नई दिल्ली में आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय के द्वारा आयोजित विश्व पर्यावास दिवस 2013 समारोह।

- 24–25 अक्तूबर 2013 को हैदराबाद में एपीआरईडीए–एनएआरईडीसीओ के द्वारा आयोजित ''भू संपदा में आगे रहना– नवीन निर्माण एवं कराधान टैक्स प्रक्रिया को समझाना'' पर सम्मेलन।

- 8–9 नवंबर 2013 को नई दिल्ली में शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार के संरक्षण में भारतीय कंक्रीट संस्थान के द्वारा आयोजित

निर्माण एवं विघटन (सी एण्ड डी) कचरा रिसाइक्लिंग हेतु प्रौद्योगिकी एवं उपकरण पर संगोष्ठी।

– 10 से 14 दिसंबर 2013 को सीएसआईआर–एसइआरसी, चेन्नई में पवन इंजीनियरिंग पर 8वां एशिया प्रशांत (एपीसीडब्लूई VIII) सम्मेलन।

– 19 से 21 दिसंबर 2013 को सीपीडब्लूडी प्रशिक्षण संस्थान, गाजियाबाद में भारतीय कंक्रीट संस्थान के द्वारा आयोजित ''कंक्रीट की संरचनाओं में प्रवृत्तियां एवं चुनौतियां'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

– 18 जनवरी 2014 को नई दिल्ली में एनएआरईडीसीओ के द्वारा आयोजित ''भू संपदा–सबसे अच्छा परिसंपत्ति वर्ग'' पर 12वां राष्ट्रीय सम्मेलन एवं नेशनल रिएलटी अवार्ड।

– 21 जनवरी 2014 को नई दिल्ली में आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय के द्वारा आयोजित जेएनएनयूआरएम एवं आरएवाई के तहत परियोजनाओं के पुरस्कार समारोह की प्रस्तुतीकरण।

– 22 से 24 दिसंबर 2013 तक रूड़की में आईजीसी रूड़की, आईआईटी रूड़की और सीएसआईआर–सीबीआरआई रूड़की के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारतीय भू–तकनीकी सम्मेलनः आईजीसी– 2013।

– 24–25 जनवरी 2014 को चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में आयोजित ''आवास एवं भवन निर्माण में संगमरमर के कचरे का उपयोग'' पर विचार मंथन सत्र।

– 3 फरवरी 2014 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन के द्वारा आयोजित (एचएसयूआई) के द्वारा पायलट हाउसिंग स्टार्ट अप इंडेक्स का मोचन।

– 3 मार्च 2014 को चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में प्रदर्शन आवास योजनाओं हेतु शिलान्यास समारोह।

– 7–8 मार्च 2014 को बैंगलोर में कर्नाटक कनार्टक झुग्गी बस्ती विकास बोर्ड के साथ संयुक्त रूप से उभरते भवन एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला।

– 17–18 मार्च 2014 को साओ पाउलो, ब्राजील में शहरों, मानव बसावटों एवं विकासः उभरते देशों में लागू अनुसंधान एवं नीति–निर्माण हेतु एजेंडा की ओर पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार।

III. तकनीकी समिति/कार्यदल (समूह) बैठकें आदि

– 1 अप्रैल 2013 को संसद भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में वर्ष 2013–14 हेतु आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय के अनुदानों हेतु मांग की जांच पर बैठक हुई।

– 12.04.2013 को नई दिल्ली में सीएसएमसी की 143वीं बैठक और जेएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 143वीं बैठक और आरएवाई की 11वीं सीएसएमसी की बैठक हुई।

– 22.04.2013 को नई दिल्ली में भारत पर्यावास केंद्र के अधिशासी परिषद् की 85वीं बैठक हुई।

– 23.04.2013 को नई दिल्ली में 'सिविल इंजीनियरिंग ओर वास्तुकला पाठ्यक्रमों हेतु स्थाई भवन निर्माण तकनीकों' हेतु पाठ्यक्रम से संबंधित चर्चा हेतु विशेषज्ञ समूह के साथ गोलमेज चर्चाएं हुई।

– 29.4.2013 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा बीएमटीपीसी के द्वारा तैयार किए गए भारत के राज्यों एवं जिलों के विविध अद्यतित भूकंप खतरा मानचित्रों की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक आयोजित की गई।

– 13 मई, 2013 को जेएस (यूपीए) के कक्ष में पूर्वोत्तर हेतु 10ः एकमुश्त प्रावधान के तहत परियोजनाओं हेतु मूल्यांकन रिपोर्ट की समीक्षा हेतु बैठक।

– 5 जून, 2013 को नई दिल्ली में बीएमटीपीसी के कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट, आरएफडी सह वार्षिक कार्य योजना की बैठक।

– 6 जून 2013 को नई दिल्ली में मैसर्स पॉलीकेयर रिसर्च टेक्नोलॉजी यूके लि. के साथ पॉलीमर कंक्रीट उत्पाद पर चर्चा हेतु बैठक की गई।

– 17 जून, 2013 को जेएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 140वीं बैइक हुई।

– 16 जुलाई 2013 को नई दिल्ली में नए उभरते निर्माण तकनीकों के पहचान मूल्यांकन हेतु बैठक हुई।

– 24–25 जुलाई 2013 को सीएसआईआर–स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर (एसईआरसी) की 50वीं अनुसंधान परिषद् बैठक हुई।

– 8 अगस्त 2013 को सचिव कक्ष के कार्यालय एचयूपीए मंत्रालय में प्रासंगिक विनिर्देश शामिल करने के द्वारा सामूहिक किफायती

आवास हेतु अनुकूल सीपीडब्लूडी दर अनुसूची को बनाने पर चर्चा हेतु बैठक।

– 12 और 13 अगस्त 2013 को मोहाली, चंडीगढ़ में फेक्ट्री मेड फास्ट ट्रेक मॉड्यूलर बिल्डिंग सिस्टम पर पीएसीएस (पैक्स) से संबंधित मैसर्स सिनर्जी थ्रीस्लिंगटन के साथ बैठक।

– 13 अगस्त 2013 को नई दिल्ली में सीएसएमसी की 145वीं बैठक एवं जेएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 141 वीं बैठक हुई।

– 5 और 6 सितंबर 2013 को रायगढ़, छत्तीसगढ़ में स्पीड फ्लोर एवं लाइट गेज स्टील फ्रेम स्ट्रक्चर से संबंधित मैसर्स जिंदल स्टील एण्ड पावर लि. के साथ पैक्स से सम्बन्धित बैठक हुई।

– 6 सितंबर 2013 को नई दिल्ली में भारत पर्यावास केंद्र की 86वीं अधिशासी परिषद् बैठक हुई।

– 10 सितंबर 2013 को नई दिल्ली में आरएवाई के तहत सीएसएमसी की पहली बैठक हुई।

– 10 सितंबर 2013 को नई दिल्ली में सीएसएमसी की 146वीं बैठक एवं जेएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 142 वीं बैठक हुई।

– 11 सितंबर 2013 को संसद भवन एनेक्सी में पीएसी के समक्ष मौखिक साक्ष्य सहित शहरी विकास पर स्थाई समिति की बैठक हुई।

– 20 सितंबर 2013 को नई दिल्ली में सीपीडब्लूडी के दर–सूची में उभरते प्रौद्योगीकियों के समावेशन हेतु सीपीडब्लूडी के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष उभरते प्रौद्योगिकियों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

– 26 सितंबर 2013 को नई दिल्ली में आरएवाई के तहत सीएसएमसी की दूसरी बैठक एवं जेएनएनयूआरएम के तहत सीएसएमसी की 147 वीं बैठक हुई।

– 26 सितंबर 2013 को नई दिल्ली में जेएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 143 वीं बैठक हुई।

– 30–1 अक्तूबर 2013 को बरवारीपुर, रायबरेली में 24 प्रदर्शन आवास के चल रहे निर्माण का निरीक्षण किया गया।

– 3 अक्तूबर 2013 को भारतीय गुणवत्ता परिषद में आरएमसी प्रमाणन समिति की बैठक हुई।

– 3 अक्तूबर 2013 को बीएमटीपीसी के सम्मेलन कक्ष में आर एण्ड डी समिति की पहली बैठक हुई।

– 18 अक्तूबर 2013 को नई दिल्ली में सीपीडब्लूडी के दर–सूची में उभरते प्रौद्योगीकियों के समावेशन हेतु सीपीडब्लूडी के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष उभरते प्रौद्योगिकियों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

– 23 अक्तूबर 2013 को नई दिल्ली में उभरते प्रौद्योगिकियों के पहचान हेतु तकनीकी सलाहाकर समिति की बैठक।

– 11 नवंबर 2013 को नई दिल्ली में आईआईटी के निदशकों के साथ सचिव, एचयूपीए के द्वारा बैठक ली गई।

– 19 नवंगर 2013 को नई दिल्ली में बीएमटीपीसी के कार्यकारी समिति की 43वीं बैठक आयोजित की गई।

– 19 नवंबर 2013 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय भूकंप जोखिम न्यूनीकरण परियोजना (प्रारंभिक चरण) के तहत तकनीकी–कानूनी शासन घटक के क्रियान्वयन पर एनडीएमए के द्वारा बैठक आयोजित की गई।

– 22 नवंबर 2013 को नई दिल्ली में कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन प्रमाणन योजना पीएसीएस (पैक्स) की तकनीकी निर्धारण समिति की बैठक हुई।

– 10 दिसंबर 2013 को नई दिल्ली में आईएचसी के वित्त एवं व्यय समिति की 104वीं बैठक हुई।

– 12 दिसंबर 2013 को नई दिल्ली में सीएसएमसी की 4थी बैठक और जूएनएनयूआरएम के तहत सीएसएमसी की 149वीं बैठक हुई।

– 12 दिसंबर 2013 को नई दिल्ली में जूएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 145वीं बैठक हुई।

– 30 दिसंबर 2013 को नई दिल्ली में सीएसएमसी की 5वीं बैठक और जूएनएनयूआरएम के तहत सीएसएमसी की 150वीं बैठक हुई।

– 30 दिसंबर 2013 को नई दिल्ली में जूएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 146वीं बैठक हुई।

– 7 जनवरी 2014 को बीएमटीपीसी के आर एण्ड डी समिति की दूसरी बैठक हुई।

– 13 जनवरी 2014 को नई दिल्ली में वरिष्ठ सलाहकार (एचयूडी), योजना आयोग की अध्यक्षता में एचयूपीए मंत्रालय के संबंध में वर्ष 2014–15 हेतु वार्षिक योजना पर चर्चा हेतु बैठक हुई।

– 13 और 16 जनवरी 2014 को नई दिल्ली में दरों की अनुसूची के विकास हेतु इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस के साथ बैठक हुई।

– 18 जनवरी, 2014 को दरों की अनुसूची के विकास हेतु राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के साथ बैठक हुई।

– 20 जनवरी, 2014 को नई दिल्ली में सचिव, एचयूपीए की अध्यक्षता में आरएवाई के तहत सीएसएमसी की 6ठी बैठक।

– 20 जनवरी 2014 को नई दिल्ली में सीएसएमसी की 151वीं बैठक और जूएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 147वीं बैठक हुई।

– 14 फरवरी 2014 को रूड़की में पर्यावास सेक्टर पर टेक्नोलॉजी विजन 2035–विजन दस्तावेज को अंतिम रूप देने हेतु बैठक हुई।

– 15–16 फरवरी 2014 को चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में माननीय आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री की अध्यक्षता में राजस्थान में शुरू किए जाने वाले प्रदर्शन आवास परियोजनाओं के संबंध में बैठक हुई।

– 20 फरवरी 2014 को नई दिल्ली में सीएसएमसी की 152वीं बैठक और जूएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 148वीं बैठक हुई।

– 21 फरवरी 2014 को नई दिल्ली में कांझावाला में पारगमन आवास के निर्माण के संबंध में डीएसआईआईडीसी के साथ बैठक हुई।

– 24 फरवरी 2014 को नई दिल्ली में भवन निर्माण अनुभागीय समिति में स्थाईत्व–सीईडी 58, बीआईएस की बैठक हुई।

– 24–25 फरवरी 2014 को राय बरेली में बरवारीपुर में प्रदर्शन आवास परियोजना को सुपूर्द करने हेतु बैठक हुई।

– 27 फरवरी 2014 को नई दिल्ली में आरएवाई के तहत सीएसएमसी की 7वीं बैठक हुई।

– 14 मार्च, 2014 को नई दिल्ली में सीमेंट एवं कंक्रीट अनुभागीय समिति–सीईडी 2, बीआईएस की बैठक हुई।

– 25 मार्च, 2014 को नई दिल्ली में सीएसएमसी की 153वीं बैठक और जूएनएनयूआरएम के तहत सीएससी की 149वीं बैठक हुई।

– 25 मार्च 2014 को राज्य सभा सचिवालय, नई दिल्ली में प्रदूषण न्यूनीकरण हेतु टेक्स्टाइल्स मंत्रालय और आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय और बैंकों द्वारा उठाए गए कदम की समीक्षा हेतु बैठक हुई।

– 27 मार्च 2014 को टीआईएफएसी बोर्ड रूम, नई दिल्ली में टेक्नोलॉजी विजन 2035–विजन दस्तावेज को अंतिम रूप देने हेतु बैठक हुई।

– राष्ट्रीय बांस मिशन के अंतर्गत राज्य सरकार से प्राप्त प्रसताव पर विचार करने हेतु बैठकों का एक दौर चला।

– भवन केंद्रों के राष्ट्रीय तंत्र के कायाकल्प एवं मजबूती पर प्रारंभिक परियोजना के तहत परियोजनाएं देने हेतु बैठकों का एक दौर।

IV. अन्य क्रियाकलाप

– आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय के अधिकरियों और हडको, बीएमटीपीसी एवं एचपीएल के तकनीकी अधिकारियों का एक दल 6/7 जुलाई 2013 को देहरादून गए और उत्तराखंड सरकार के द्वारा शुरू किए गए गए पुनर्वास एवं मरम्मत कार्यों हेतु सहायता को विस्तारित करने हेतु 6 जुलाई 2013 को देहरादून में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से मिले।

– सितंबर 2013 में औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के केंद्रीय पूंजी निवेश छूट योजना (सीसीआईएस) के तहत मैसर्स जम्बों रूफिंग एण्ड टाइल्स, गुवाहाटी और मैसर्स नॉर्थ इस्ट रूफिंग प्रा.लि. कामरूप के दावों का एक सदस्य के रूप में आकलन किया।

– 17 सितंबर 2013 को आवास एवं मानव बसावटों के क्षेत्र में भारत–अफ्रीका तकनीकी सहयोग कार्यक्रम के संबंध में कांगो गणराज्य के दूतावास में कांगो के राजदूत श्री फेलिक्स नगोमा के साथ बैठक हुई।

प्रस्तुत/प्रकाशित आलेख

- मणिपुर राज्य बांस मिशन, वन विभाग, मणिपुर सरकार एवं साउथ एशिया बेम्बू फाउंडेशन (एसएबीएफ) के साथ संयुक्त रूप से 26 से 29 जून 2013 को इम्फाल, मणिपुर में आयोजित बांस से भवन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बीएमटीपीसी पहल–पूर्वोत्तर क्षेत्र में आवास निर्माण हेतु बांस आधारित तकनीकों के संवर्द्धन पर प्रस्तुतीकरण।

- 31 अगस्त, 2013 को अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम एवं बीएमटीपीसी के द्वारा आयोजित किफायती आवास हेतु नए निर्माण तकनीक पर सेमिनार के दौरान आवास एवं भवन निर्माण हेतु उभरते प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतीकरण।

- आवास क्षेत्र में मुख्यधारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में बीएमटीपीसी के पहलों पर अक्तूबर, 2013 के एनसीएचएफ न्यूज लेटर में आलेख प्रकाशित हुई।

- भवनों का भूकंपीय पुनर्वास (हिंदी) पर बीएमटीपीसी निर्माण सारिका, अक्तूबर, 2013 में आलेख प्रकाशित हुई।

- शहरी क्षेत्रों में झुग्गी बस्ती पुनर्वास परियोजनाओं हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बीएमटीपीसी निर्माण सारिका, अक्तूबर 2013 में लेख प्रकाशित हुई।

- 25 अक्तूबर 2013 को हैदराबाद में एपीआरईडीए–एनएआरईडीसीओ के द्वारा आयोजित भूसंपदा में आगे रहना–अभिनव निर्माण एवं कराधान समझ पर सम्मेलन के दौरान आवास एवं भवन निर्माण हेतु उभरती प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतीकरण।

- स्थाई निर्माण वातावरण हेतु वैकल्पिक एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों पर एक लेख इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस जर्नल, दिसंबर 2013 में प्रकाशित हुई।

- वन विभाग, मेघालय सरकार के साथ संयुक्त रूप से 2 से 4 दिसंबर 2013 को शिलोंग, मेघालय में बांस से भवन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में आवास निर्माण हेतु बांस आधारित प्रौद्योगिकियों के उपयोग के संवर्द्धन पर प्रस्तुतीकरण।

- 29 जनवरी, 2014 को नई दिल्ली में आरआईसीएस एवं एमिटी विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित गोलमेज–भारत में ऑफसाइट

निर्माणः इसका समय के दौरान आवास एवं भवन निर्माण हेतु उभरते प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतीकरण।

- 12 फरवरी 2014 को सीआईआई द्वारा नई दिल्ली में आयोजित भवन एवं निर्माण मानकों पर कार्यशाला के दौरान आवास एवं भवन निर्माण हेतु वैकल्पिक एवं उभरते प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतीकरण।

- 22 से 23 फरवरी, 2014 को बेम्बू सोसाइटी ऑफ इंडिया के द्वारा बैंगलोर में आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन एवं बेम्बू एक्सपो –2014 में भवन निर्माण में बांस का प्रयोग पर आलेख प्रकाशित हुई।

- 12 से 14 मार्च, 2014 को साओ पाउलो, ब्राजील में आईबीएसए के द्वारा आयोजित शहरों, मानव बसावटों एवं विकासः उभरते देशों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं नीति–निर्माण हेतु एक एजेंडा की दिशा में, अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान शहरी तंत्रों के माध्यम से अनुसंधान, ज्ञान रचना एवं प्रसार पर प्रस्तुतीकरण।

- 26 मार्च, 2014 को अहमदाबाद में बीएमटीपीसी के द्वारा आयोजित किफायती आवास हेतु मानकों एवं विनिर्देशों पर परामर्श के दौरान किफायती आवास प्रौद्योगिकियों के विहंगमावलोकन पर प्रस्तुतीकरण।

वर्ष के दौरान निकाले गए प्रकाशन

1. रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट सर्टिफिकेशन स्कीम (क्यूसीआई) के तहत आरएमसी क्षमता प्रमाणन हेतु रेडी मिक्स कंक्रीट के उत्पादन नियंत्रण हेतु मानदंड।

2. कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन प्रमाणन योजना–नवोन्मेशी एवं नवीन निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों को फैलाने हेतु एक औजार।

3. खोज में प्रमुख गतिविधियां।

4. प्रदर्शन निर्माण के माध्यम से लागत प्रभावी एवं आपदा प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों का प्रसार।

5. आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन–बीएमटीपीसी के द्वारा पहलें।

6. भारत में हाउसिंग टाइपोलॉजी के भूकंपीय सुरक्षा प्रलेखीकरण हेतु पद्धति।

7. ''निर्माण सारिका''–न्यूजलेटर का विशेषांक जों विश्व पर्यावास दिवस 2013 के थीम ''शहरी गतिशीलता'' से संबंधित प्रमुख मुद्दे

अनुबंध – IV

विदेशों से दौरों पर आने वाले आगंतुक

1. आवास एवं शहरी विकास पर सम्मेलन के एशिया प्रशांत मंत्रियों के एक प्रतिनिधि मंडल (एपीएमसीएचयूडी) जिसमें येमन, इराक, श्रीलंका और अफगानिस्तान के एक–एक प्रतिनिधि शामिल थे, जिन्होंने एक अध्ययन दौरा किया और 8.4.2013 को बीएमटीपीसी का दौरा किया। बीएमटीपीसी ने किफायती आवास के साथ–साथ उभरते प्रौद्योगिकियों पर एक प्रस्तुतीकरण दी। दौरे पर आए प्रतिनिधियों ने सामाजिक सामूहिक आवास हेतु विविध वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों में गहरी रूचि दिखाई। दौरे पर आए प्रतिनिधियों ने विविध वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों में भी गहरी रूचि दिखाई।

2. आवास एवं पुनर्निर्माण हेतु राष्ट्रीय निधि, सुडान गणराज्य से एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जिसमें श्री अलहाग मोहम्मद अली, नीति माहनिदेशक, वित्त एवं निवेश विभाग, श्री अलगिजोली मोहम्मूद, महानिदेशक (केसोला राज्य), श्री अलखलवाटी अलशरीफ, मुख्य इंजीनियर परामर्शदाता, श्री हसाबु अदलबागी, कार्यपालक निदेशक, अफ्रीका सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और श्री घोहम अलदीन एम. अहमद, आर्किटेक्ट इंजीनियर शामिल थे, ने 8 नवंबर 2013 को बीएमटीपीसी के साथ संबंधित क्षेत्र में भविष्य में सहयोग हेतु संभावना को बढ़ाने हेतु बीएमटीपीसी का दौरा किया और सामाजिक आवास के निर्माण हेतु उपयुक्त निर्माण प्रौद्योगिकियों पर एक विस्तृत चर्चा हुई।

कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट एवं तदनुरूपी उपलब्धियां सहित वर्ष 2013–14 हेतु परिणाम–ढांचा दस्तावेज

भाग1:
विज़न, मिशन, उद्देश्य और कार्य

विज़न

बीएमटीपीसी, आम आदमी पर विशेष ध्यान देते हुए आपदारोधी निर्माण सहित सुस्थिर निर्माण सामग्रियों और उचित प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों के क्षेत्र में सब के लिए ज्ञान तथा प्रदर्शन का विश्व स्तरीय केंद्र बने ।

मिशन

आवास के सुस्थिर विकास के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों सहित संभावित लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल, आपदा रोधी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन और प्रयोगशालाओं से जमीन तक इनके अंतरण के लिए व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण बनाने की दिशा में कार्य करना ।

उद्देश्य:

- ***निर्माण सामग्रियां और निर्माण प्रौद्योगिकियां*** : निर्माण क्षेत्र में जांची–परखी हुई अभिनव और उभरती सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के विकास, मानकीकरण, यंत्रीकरण और बड़े पैमाने पर फील्ड अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।

- ***क्षमता निर्माण कौशल उननयन*** : व्यवसायविदों, निर्माण एजेंसियों, कारीगरों को अच्छी निर्माण पद्धतियों को बढ़ावा देने और क्षमता निर्माण करने के लिए प्रशिक्षण स्रोत केंद्र के रूप में कार्य करना तथा प्रयोगषाला से जमीनी स्तर पर भवन प्रौद्योगिकियों की मार्केटिंग (विपणन) करना

- ***आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन*** : मानव बस्तियों के लिए आपदा प्रतिरोधी प्लानिंग और भवनों की रेट्रोफिटिंग/पुनर्निर्माण तथा प्राकृतिक आपदा अल्पीकरण, असुरक्षितता और जोखिम कम करने के लिए पद्धतियों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।

- ***परियोजना प्रबंधन एवं परामर्श इकाई*** : केन्द्र सरकार/राज्य सरकारों की विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत आवास परियोजनाओं के मूल्यांकन, मॉनीटरिंग और तृतीय पक्ष निरीक्षण सहित परियोजना प्रबंधन और परामर्शी सेवाएं आरंभ करना।

कार्य:

1. जांची–परखी और अंतर्राष्ट्रीय रूप से उपलब्ध उभरती प्रौद्योगिकियों की पहचान, मूल्यांकन और निर्माण सामग्रियों और निर्माण क्षेत्र में संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना।

2. निर्माण में किफायत, दक्षता और गुणवत्ता को बढ़ावा देना।

3. प्रौद्योगिकियों का उन्नयन, तकनीकी जानकारी प्राप्त करना, आत्मसात्करण और प्रसार।

4. जांची–परखी, स्थानीय रूप से उपलब्ध और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए पर्यावरण अनुकूल, ऊर्जा दक्ष और आपदा प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों का फील्ड स्तरीय अनुप्रयोग।

5. उभरती प्रौद्योगिकियों/प्रणालियों सहित जांची–परखी निर्माण सामग्रियों/प्रौद्योगिकियों पर मानक तैयार करना और उन्हें विनिर्देशनों/दरों की अनुसूची में शामिल करना।

6. लागत प्रभावी और अभिनव निर्माण सामग्रियों तथा प्रौद्योगिकियों के लाभों, उनकी मजबूती और स्वीकार्यता का प्रलेखीकरण।

7. क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सम्मेलनों, कार्यशालओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों के माध्यम से व्यवसायविदों और निर्माण वर्करों का कौशल उन्नयन।

8. आपदा प्रतिरोधी निर्माण प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।

9. परियोजना प्रबंधन और परामर्शी सेवाएं आरंभ करने सहित आवास परियोजनाओं का मूल्यांकन, मानीटरिंग और तृतीय पक्ष निरीक्षण।

10. सफल कहानियों के प्रलेखीकरण सहित, उपभोक्ता मैनुअलों, दिशानिर्देशों, कम्पेंडियमों, ब्रॉषरों, तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्टों, वीडियो फिल्मों, प्रदर्शन सीडीज का प्रकाशन।

भाग 2:
प्रमुख उद्देश्यों, सफलता के संकेतकों और लक्ष्यों के बीच अंतः प्राथमिकताएं

उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्यांकन				
						उत्कृष्ट (100%)	बहुत अच्छा (90%)	अच्छा (80%)	औसत (70%)	खराब (60%)
(1) भवन सामग्रियां एवं निर्माण प्रौद्योगिकियां: निर्माण क्षेत्र में जांची–परखी अभिनव और उभरती सामग्रियों एवं प्रौद्योगियों के विकास, मानकीकरण, यंत्रीकरण तथा बड़े पैमाने पर फील्ड (जमीनी) अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।	60	(1.1) राय बरेली में प्रदर्शन आवास योजना का निर्माण	(1.1.1) परियोजना का समापन	तारीख	12.0	30/11/2013	31/12/2013	31/01/2014	28/02/2014	31/03/2014
		(1.2) नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	(1.2.1) भारत एवं विदेशों दोनों के आर एंड डी संस्थानों के साथ सहयोग के क्षेत्र में दो मनोमंथन (ब्रेन स्टार्मिंग सत्रों का आयोजन)	संख्या	2.0	2	1			
			(1.3.1) प्रविधियां व रणनीतियां बनाने तथा समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की तैयारियों हेतु आमने–सामने बैठक करना।	तारीख	1.0	30/11/2013	31/12/2013	31/01/2014	28/02/2014	31/03/2014
			(1.4.1) आर एण्ड डी परियोजनाओं का चुनाव एवं शुरूआत	संख्या	3.0	3	2	1		
		(1.5) नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	(1.5.1) चिन्हित उभरते प्रौद्योगिकियों का अनुमोदन	संख्या	6.0	3	2	1		
			(1.6.1) लागत विश्लेषण सहित तकनीकी प्रोफाइलों की तैयारी	संख्या	3.0	3	2	1		
			(1.7.1) तकनीकी प्रदाता के साथ संयुक्त रूप से राज्य सरकार एवं भू संपदा विकासकों के साथ बातचीत	संख्या	2.0	2	1			

उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्यांकन				
						उत्कृष्ट (100%)	बहुत अच्छा (90%)	अच्छा (80%)	औसत (70%)	खराब (60%)
			(1.8) 8 पहले से चिन्हित प्रौद्योगिकियों के अलावा अतिरिक्त उभरती प्रौद्योगिकियों (2) की पहचान एवं मूल्यांकन	संख्या	3.0	2	1			
		(1.9) उभरते/लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन	(1.9.1) आईआईटीएफ के दौरान या अन्य किसी स्थल पर एक प्रदर्शनी का आयोजन	संख्या	5.0	1				
		(1.10) हडको, नई दिल्ली के द्वारा उपलब्ध कराए गए स्थल पर स्थाई डिस्पले सेंटर की स्थापना	(1.10.1) केंद्र की स्थापना	तारीख	2.0	31/12/2013	31/01/2014	28/02/2014	31/03/2014	
		(1.11) कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	(1.11.1) पीएसीएस पर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन	तारीख	3.0	31/12/2013	31/01/2014	28/2/2014	31/03/2014	
			(1.12.1) पीएसीएस के तहत उत्पादों/प्रणालियों का मूल्यांकन	संख्या	3.0	5	4	3	2	1
			(1.13.1) पीएसीएस का अवार्ड	संख्या	3.0	5	4	3	2	1
		(1.14) वेबसाइट अनुरक्षण सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार	(1.14.1) जर्नल, पत्रिकाओं, वेबसाइट, विज्ञापनों के माध्यम से सूचना का आवधिक आदान–प्रदान एवं दृश्य सामग्री की तैयारी	तारीख	4.0	31/03/2014				
			(1.15.1) प्रकाशनों की तैयारी	संख्या	4.0	3	2	1		
		(1.16) भवन सामग्रियों एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों में सहभागिता	(1.16.1) सेमिनारों/कार्यशालाओं/प्रदर्शनियों में सहभागिता	संख्या	4.0	5	4	3	2	1
(2) क्षमता निर्माण एवं कौशल विकासः प्रयोगशाला से कार्य क्षेत्र में भवन प्रौद्योगिकियों के विपणन तथा व्यावसायिकों, एजेंसियों कारीगरों के बीच अच्छे निर्माण विधा एवं व्यवहार को बढ़ावा देने एवं क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना।	15	(2.1) रायबरेली, उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र स्तर पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रयुक्त करने हेतु इंजीनियरों, आर्किटैक्ट्स तथा राजमिस्त्रियों (कारीगरों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	(2.1.1)प्रशिक्षित इंजीनियरों एवं आर्किटैक्ट्स की संख्या	संख्या	3.0	25	20	15	10	

उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्यांकन				
						उत्कृष्ट (100%)	बहुत अच्छा (90%)	अच्छा (80%)	औसत (70%)	खराब (60%)
			(2.2.1) प्रशिक्षित मिस्त्रियों की संख्या	संख्या	3.0	40	30	20	10	
		(2.3) पहले से विकसित प्रशिक्षण मॉड्यूलों पर कारीगरों/शिल्पियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।	(2.3.1) प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।	संख्या	3.0	4	3	2	1	
		(2.4) सीएसआर के अधीन हडको द्वारा प्रायोजित – प्रायोगिक परियोजना – ''बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क को जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण'' पर परियोजना का कार्यान्वयन	(2.4.1) बिल्डिंग केंद्रों के राष्ट्रीय नेटवर्क के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण पर प्रायोगिक अध्ययन	संख्या	6.0	10	8	7	6	5
(3) आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन : मानव बस्तियों के लिए प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण, नाजुकता एवं जोखिम न्यूनीकरण तथा भवनों में रेट्रोफिटिंग/ आपदारोधी नियोजन हेतु प्रविधियों एवं प्रौद्योगिकियों को संवर्धित करना	6	(3.1) बीआईपीएआरडी के माध्यम से बिहार सरकार के इंजीनियरों एवं वास्तुकारों के लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	(3.1.1) टीओटी कार्यक्रमों का आयोजन	प्राप्त अनुरोध का %	3.0	100	90	80	70	60
		(3.2) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हेतु अद्यतित भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	(3.2.1) 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बचे भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	तारीख	3.0	30/09/2013	31/10/2013	30/11/2013	31/12/2013	31/01/2014
(4.) परियोजना प्रबंधन एवं परामर्श: विभिन्न केन्द्र/राज्य की विविध योजनाओं के अंतर्गत आवास परियोजनाओं के प्रबंधन एवं परामर्श सेवाओं के साथ साथ मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी लेना	8	(4.1) जेएनएनयूआरएम/आरएवाई के तहत परियोजनाओं का मूल्यांकन	(4.1.1) मूल्यांकन रिर्पोटों को जमा करना	प्राप्त अनुरोध का %	2.0	100	90	80	70	60
		(4.2) जेएनएनयूआरएम/आरएवाई के अंतर्गत परियोजना स्थलों की निगरानी	(4.2.1) निगरानी रिर्पोटों को जमा करना	निगरानी किए गए परियोजना का %	2.0	100	90	80	70	60
		(4.3) टीपीआईएम समीक्षा	(4.3.1) टीपीआईएम समीक्षा रिर्पोटों को जमा करना	समीक्षा किए गए परियोजना का %	2.0	100	90	80	70	60
		(4.4) गुणवत्ता सुनिश्चित एवं टीपीआईएम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	विभिन्न राज्यों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन	मिशन निदेशालय से अनुरोध का %	2.0	100	90	80	70	60

उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्यांकन				
						उत्कृष्ट (100%)	बहुत अच्छा (90%)	अच्छा (80%)	औसत (70%)	खराब (60%)
*आरएफडी सिस्टम की दक्ष कार्यशीलता	3	अनुमोदन हेतु (2013–14) आरएफडी ड्राफ्ट को समय पर जमा करना	समय पर जमा	तारीख	2.00	15/05/2013	16/05/2013	17/05/2013	20/05/2013	21/05/2013
		आरएफडी (2012–13) के लिए परिणामों को समय पर जमा करना	समय पर जमा	तारीख	1.00	01/05/2013	02/05/2013	05/05/2013	06/05/2013	07/05/2013
*प्रशासकीय सुधार	4	अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार आईएसओ 9001 कार्यान्वयन	% कार्यान्वयन	%	2.00	100	95	90	85	80
		नवाचार/नवोन्मेषन हेतु एक कार्य योजना तैयार	समय पर जमा	तारीख	2.00	30/07/2013	10/08/2013	20/08/2013	30/08/2013	10/09/2013
*मंत्रालय/विभाग के सेवा देयता/प्रतिक्रियात्मकता/आंतरिक सक्षमता को सुधारना	4	सेवोत्तम का कार्यान्वयन	सिटीजन चार्टर के कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा–परीक्षा	%	2.00	100	95	90	85	80
		सेवोत्तम का कार्यान्वयन	जन शिकायत निवारण प्रणाली के कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा–परीक्षा	%	2.00	100	95	90	85	80

भाग 3:
सफलता के संकेतकों का प्रवृत्ति मूल्य

उद्देश्य	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	वित्त वर्ष 2011–12 हेतु वास्तविक मूल्य	वित्त वर्ष 2012–13 हेतु वास्तविक मूल्य	वित्त वर्ष 2013–14 हेतु लक्षित मूल्य	वित्त वर्ष 2014–15 हेतु अनुमानित मूल्य	वित्त वर्ष 2012–13 हेतु अनुमानित मूल्यांकन
(1) भवन सामग्रियां एवं निर्माण प्रौद्योगिकियां: निर्माण क्षेत्र में जांची–परखी अभिनव और उभरती सामग्रियों एवं प्रौद्योगियों के विकास, मानकीकरण, यंत्रीकरण तथा बडे पैमाने पर फील्ड (जमीनी) अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।	(1.1) राय बरेली में प्रदर्शन आवास योजना का निर्माण	(1.1.1) परियोजना का समापन	तारीख			31/12/2013		
	(1.2) नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	(1.2.1) भारत एवं विदेशों दोनों के आए एडं डी संस्थानों के साथ सहयोग के क्षेत्र में दो विचार मंथन (ब्रेन स्टार्मिंग) सत्रों का आयोजन	संख्या			1	2	
		(1.2.2) प्रविधियां व रणनीतियां बनाने तथा समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की तैयारियों हेतु आमने–सामने बैठक करना।	तारीख			31/12/2013	31/12/2014	
		(1.2.3) आर एण्ड डी परियोजनाओं का चुनाव एवं शुरूआत	संख्या			2	3	
	(1.3) नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	(1.3.1) चिन्हित उभरते प्रौद्योगिकियों का अनुमोदन	संख्या			2	3	
		(1.3.2) लागत विश्लेषण सहित तकनीकी प्रोफाइलों की तैयारी	संख्या			2	3	
		(1.3.3) तकनीकी प्रदाता के साथ संयुक्त रूप से राज्य सरकार एवं भू संपदा विकासकों, भवन निर्माणकों के साथ बातचीत	संख्या			1	2	
		(1.3.4) पहले से चिन्हित आठ प्रौद्योगिकियों के अलावा अतिरिक्त उभरती प्रौद्योगिकियों दो की पहचान एवं मूल्यांकन	संख्या			1	2	
	(1.4) उभरते/लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन	(1.4.1) आईआईटीएफ के दौरान या अन्य किसी स्थल पर एक प्रदर्शनी का आयोजन	संख्या			1	1	
	(1.5) हडको, नई दिल्ली के द्वारा उपलब्ध कराए गए नई दिल्ली में स्थल पर स्थाई डिस्पले सेंटर की स्थापना	(1.5.1) केंद्र की स्थापना	तारीख			31/01/2014		

उद्देश्य	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	वित्त वर्ष 2011–12 हेतु वास्तविक मूल्य	वित्त वर्ष 2012–13 हेतु वास्तविक मूल्य	वित्त वर्ष 2013–14 हेतु लक्षित मूल्य	वित्त वर्ष 2014–15 हेतु अनुमानित मूल्य	वित्त वर्ष 2012–13 हेतु अनुमानित मूल्यांकन
	(1.6) कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	(1.6.1) पीएसीएस पर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन	तारीख			31/01/2014		
		(1.6.2) पीएसीएस के तहत उत्पादों/प्रणालियों का मूल्यांकन	संख्या			4	5	
		(1.6.3) पीएसीएस का अवार्ड	संख्या			4	5	
	(1.7) वेबसाइट अनुरक्षण सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार	(1.7.1) जर्नल, पत्रिकाओं, वेबसाइट, विज्ञापनों के माध्यम से सूचना का आवधिक आदान प्रदान एवं दृश्य सामग्री की तैयारी	तारीख			31/03/2014	31/03/2015	
		(1.7.2) प्रकाशनों की तैयारी	संख्या			2	3	
	(1.8) निर्माण सामग्रियों एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों में सहभागिता	(1.8.1) सेमिनारों/कार्यशालाओं/ प्रदर्शनियों में सहभागिता	संख्या			4	5	
(2) क्षमता निर्माण एवं कौशल विकासः प्रयोगशाला से कार्य क्षेत्र में भवन प्रौद्योगिकियों के विपणन तथा व्यावसायिकों, एजेंसियों कारीगरों के बीच अच्छे निर्माण विधा एवं व्यवहार को बढ़ावा देने एवं क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना।	(2.1) रायबरेली, उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र स्तर पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रयुक्त करने हेतु इंजीनियरों, आर्किटैक्ट्स तथा राजमिस्त्रियों (कारीगरों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	(2.1.1)प्रशिक्षित इंजीनियरों एवं आर्किटैक्ट्स की संख्या	संख्या			20	25	
		(2.1.2) प्रशिक्षित मिस्त्रियों की संख्या	संख्या			30	40	
	(2.2) पहले से विकसित प्रशिक्षण मॉड्यूलों पर कारीगरों/शिल्पियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।	(2.2.1) प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।	संख्या			3	4	
	(2.3) सीएसआर के अधीन हडको द्वारा प्रायोजित – प्रायोगिक परियोजना – ''बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क को जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण'' पर परियोजना का कार्यान्वयन	(2.3.1) बिल्डिंग केंद्रों के राष्ट्रीय नेटवर्क के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण पर प्रायोगिक अध्ययन	संख्या			8		

उद्देश्य	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	वित्त वर्ष 2011–12 हेतु वास्तविक मूल्य	वित्त वर्ष 2012–13 हेतु वास्तविक मूल्य	वित्त वर्ष 2013–14 हेतु लक्षित मूल्य	वित्त वर्ष 2014–15 हेतु अनुमानित मूल्य	वित्त वर्ष 2012–13 हेतु अनुमानित मूल्यांकन
(3) आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन : मानव बस्तियों के लिए प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण, नाजुकता एवं जोखिम न्यूनीकरण तथा भवनों में रेट्रोफिटिंग/ आपदारोधी नियोजन हेतु प्रविधियों एवं प्रौद्योगिकियों को संवर्धित करना	(3.1) बीआईपीएआरडी के माध्यम से बिहार सरकार के इंजीनियरों एवं वास्तुकारों के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रमों के प्रशिक्षण का आयोजन	(3.1.1) टीओटी कार्यक्रमों का आयोजन	प्राप्त अनुरोध का %			90		
	(3.2) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हेतु अद्यतित भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	(3.2.1) 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बचे भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	तारीख			31/10/2013		
(4.) परियोजना प्रबंधन एवं परामर्श: विभिन्न केन्द्र/राज्य की विविध योजनाओं के अंतर्गत आवास परियोजनाओं के प्रबंधन एवं परामर्श सेवाओं के साथ साथ मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी लेना	(4.1) जेएनएनयूआरएम/आरएवाई के तहत परियोजनाओं का मूल्यांकन	(4.1.1) मूल्यांकन रिर्पोटों को जमा करना	प्राप्त अनुरोध का %			90	100	
	(4.2) जेएनएनयूआरएम/आरएवाई के अंतर्गत परियोजना स्थलों की निगरानी	(4.2.1) निगरानी रिर्पोटों को जमा करना	निगरानी किए गए परियोजना का %			90	100	
	(4.3) टीपीआईएम समीक्षा	(4.3.1) टीपीआईएम समीक्षा रिर्पोटों को जमा करना	समीक्षा किए गए परियोजना का %			90	100	
	(4.4) गुणवत्ता सुनिश्चियन एवं टीपीआईएम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	(4.4.1) विभिन्न राज्यों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन	मिशन निदेशालय से अनुरोध का %			90	100	
*आरएफडी सिस्टम की दक्ष कार्यशीलता	अनुमोदन हेतु (2013–14) आरएफडी ड्राफ्ट को समय पर जमा करना	समय पर जमा	तारीख	07/03/2012	02/04/2011	15/05/2013	15/05/2014	15/05/2015
	आरएफडी (2012–13) के लिए परिणामों को समय पर जमा करना	समय पर जमा	तारीख	30/04/2013		01/05/2013	01/05/2014	01/05/2015
*प्रशासकीय सुधार	अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार आईएसओ 9001 कार्यान्वयन	% कार्यान्वयन	%			95	100	100
	नवाचार/नवोन्मेषन हेतु एक कार्य योजना तैयार	नवाचार/नवोन्मेषन हेतु एक कार्य योजना तैयार	तारीख			30/07/2013	30/07/2014	30/07/2015
*मंत्रालय/विभाग के सेवा देयता/प्रतिक्रियात्मकता/आंतरिक सक्षमता को सुधारना	सेवोत्तम का कार्यान्वयन	सिटीजन चार्टर के कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा–परीक्षा	%			95	100	100
	सेवोत्तम का कार्यान्वयन	जन शिकायत निवारण प्रणाली के कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा–परीक्षा	%			95	100	100

भाग 4:
संक्षिप्त रूप

संक्षिप्त रूप	विवरण
बीआईपीएआरडी	बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान
बीआईएस	भारतीय मानक ब्यूरो
बीएमटीपीसी	निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
बीएसयूपी	शहरी गरीबों हेतु मूलभूत सेवाएं
सीएसआर	कॉर्पोरेट सोशल उत्तरदायित्व
हडको	आवास एवं शहरी विकास निगम
आईएचएसडीपी	एकीकृत आवास एवं झुग्गी बस्ती विकास कार्यक्रम
जेएनएनयूआरएम	जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन
एनडीएमए	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
पीएसीएस	कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन प्रमाणन योजना
आर एण्ड डी	अनुसंधान एवं विकास
आरएवाई	राजीव आवास योजना
टीएजी	तकनीकी सलाहकार समूह (इस समूह में भारत के प्रसिद्ध विशेषज्ञ,विद्वान शामिल होंगे और तकनीको को चिन्हित करने में सहायता करेंगे)
टीओटी	प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
टीपीआईएम	तृतीय पक्ष निरीक्षण एवं निगरानी

भाग 4:
सफलता के संकेतकों एवं प्रस्तावित माप पद्धति का विवरण एवं परिभाषा

क्र.सं.	सफलता के संकेतक	विवरण	परिभाषा	माप	सामान्य टिप्पणियां
1	(1.1.1) परियोजना का समापन	लागत प्रभावी तकनीकों के इस्तेमाल से रायबरेली में प्रदर्शन आवास योजना का निर्माण	रायबरेली में प्रदर्शन आवास योजना का निर्माण	परियोजना का समय पर पूरा होना	
2	(1.2.1) भारत एवं विदेशों दोनों के आर एंड डी संस्थानों के साथ सहयोग के क्षेत्र में दो विचार मंथन (ब्रेन स्टार्मिंग) सत्रों का आयोजन	नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	विचार मंथन (ब्रेन स्टार्मिंग) सत्रों का आयोजन	
3	(1.2.2) प्रविधियां व रणनीतियां बनाने तथा समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की तैयारियों हेतु आमने–सामने बैठक करना।	नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	रणनीति एवं पद्धतियां तैयार करना और समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देना	
4	(1.2.3) आर एण्ड डी परियोजनाओं का चुनाव एवं शुरूआत	नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	दिशानिर्देशों, उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की पहचान एवं विकास	
5	(1.3.1) चिन्हित उभरते प्रौद्योगिकियों का अनुमोदन	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	उभरते प्रौद्योगिकियों का अनुमोदन	
6	(1.3.2) लागत विश्लेषण सहित तकनीकी प्रोफाइलों की तैयारी	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	प्रौद्योगिकी प्रोफाइलों को तैयार करना	
7	(1.3.3) तकनीकी प्रदाता के साथ संयुक्त रूप से राज्य सरकार एवं भू संपदा विकासकों, निर्माणकों के साथ बातचीत	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	
8	(1.3.4) 8 पहले से चिन्हित प्रौद्योगिकियों के अलावा अतिरिक्त उभरती प्रौद्योगिकियों (2) की पहचान एवं मूल्यांकन	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	
9	(1.4.1) आईआईटीएफ के दौरान या अन्य किसी स्थल पर एक प्रदर्शनी का आयोजन	उभरते/लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन	उभरते/लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन	प्रदर्शनी का आयोजन	
10	(1.5.1) केंद्र की स्थापना	उभरते/लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु केंद्र की स्थापना	उभरते/लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु केंद्र की स्थापना	केंद्र की स्थापना	
11	(1.6.1) पीएसीएस पर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन	कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	कार्य प्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणपत्रों का वितरण	
12	(1.6.2) पीएसीएस के तहत उत्पादों/प्रणालियों का मूल्यांकन	कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	कार्य प्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणपत्रों का वितरण	
13	(1.6.3) पीएसीएस का अवार्ड	कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	पीएसीएस का अवार्ड	
14	(1.7.1) जर्नल, पत्रिकाओं, वेबसाइट, विज्ञापनों के माध्यम से सूचना का आवधिक आदान प्रदान एवं दृश्य सामग्री की तैयारी	वेबसाइट अनुरक्षण सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार	वेबसाइट अनुरक्षण सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार	उभरते एवं लागत प्रभावी भवन निर्माण प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	
15	(1.7.2) प्रकाशनों की तैयारी	प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार	प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार	प्रकाशनों का मुद्रण	

क्र.सं.	सफलता के संकेतक	विवरण	परिभाषा	माप	सामान्य टिप्पणियां
16	(1.8.1) सेमिनारों/कार्यशालाओं/प्रदर्शनियों में सहभागिता	निर्माण सामग्रियों एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों में सहभागिता	निर्माण सामग्रियों एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों में सहभागिता	उभरते एवं लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	
17	(2.1.1)प्रशिक्षित इंजीनियरों एवं आर्किटैक्ट्स की संख्या	रायबरेली, उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र स्तर पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रयुक्त करने हेतु इंजीनियरों, आर्किटैक्ट्स तथा राजमिस्त्रियों (कारीगरों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	रायबरेली, उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र स्तर पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रयुक्त करने हेतु इंजीनियरों, आर्किटैक्ट्स तथा राजमिस्त्रियों (कारीगरों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	लागत प्रभावी भवन निर्माण प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल में इंजीनियरों एवं वास्तुकारों का क्षमता निर्माण	
18	(2.1.2) प्रशिक्षित मिस्त्रियों की संख्या	रायबरेली, उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र स्तर पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रयुक्त करने हेतु इंजीनियरों, आर्किटैक्ट्स तथा राजमिस्त्रियों (कारीगरों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	रायबरेली, उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र स्तर पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रयुक्त करने हेतु इंजीनियरों, आर्किटैक्ट्स तथा राजमिस्त्रियों (कारीगरों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	विविध लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों में मिस्त्रियों का कौशल विकास	
19	(2.2.1) प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।	पहले से विकसित प्रशिक्षण मॉड्यूलों पर कारीगरों/शिल्पियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।	पहले से विकसित प्रशिक्षण मॉड्यूलों पर कारीगरों/शिल्पियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।	कौशल अद्यतन	
20	(2.3.1) बिल्डिंग केंद्रों के राष्ट्रीय नेटवर्क के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण पर प्रायोगिक अध्ययन	सीएसआर के अधीन हडको द्वारा प्रायोजित – प्रायोगिक परियोजना – ''बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क को जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण'' पर परियोजना का कार्यान्वयन	सीएसआर के अधीन हडको द्वारा प्रायोजित – प्रायोगिक परियोजना – ''बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क को जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण'' पर परियोजना का कार्यान्वयन	बिल्डिंग केंद्रों को मजबूत करना	
21	(3.1.1) टीओटी कार्यक्रमों का आयोजन	बिहार सरकार के इंजीनियरों एवं वास्तुकारों के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रमों के प्रशिक्षण का आयोजन	बिहार सरकार के इंजीनियरों एवं वास्तुकारों के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रमों के प्रशिक्षण का आयोजन	भूकंप प्रतिरोधी तकनीकों में इंजीनियरों एवं वास्तुकारों का क्षमता निर्माण	
22	(3.2.1) 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बचे भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हेतु अद्यतित भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हेतु अद्यतित भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	मानचित्रों का निर्माण	
23	(4.1.1) मूल्यांकन रिर्पोटों को जमा करना	विविध केंद्रीय/राज्य योजनाओं के तहत आवास परियोजनाओं का मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निरीक्षण	विविध केंद्रीय/राज्य योजनाओं के तहत आवास परियोजनाओं का मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निरीक्षण	मूल्यांकित परियोजनाओं की संख्या	
24	(4.2.1) निगरानी रिर्पोटों को जमा करना	विविध केंद्रीय/राज्य योजनाओं के तहत आवास परियोजनाओं का मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निरीक्षण	विविध केंद्रीय/राज्य योजनाओं के तहत आवास परियोजनाओं का मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निरीक्षण	निगरानी किए गए परियोजनाओं की संख्या	
25	(4.3.1) टीपीआईएम समीक्षा रिर्पोटों को जमा करना	विविध केंद्रीय/राज्य योजनाओं के तहत आवास परियोजनाओं का मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निरीक्षण	विविध केंद्रीय/राज्य योजनाओं के तहत आवास परियोजनाओं का मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निरीक्षण	समीक्षित टीपीआईएम रिर्पोटों की संख्या	
26	(4.4.1) विभिन्न राज्यों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन	गुणवत्ता सुनिश्चियन एवं टीपीआईएम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	गुणवत्ता सुनिश्चियन एवं टीपीआईएम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	क्षमता निर्माण	

भाग 5:
अन्य विभागों से विशिष्ट कार्यप्रदर्शन अपेक्षाएं

स्थल प्रकार	राज्य	आयोजन का प्रकार	आयोजन का नाम	उचित सफलता के संकेतक	आयोजन से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं	इस जरूरत हेतु औचित्य	कृपया इस आयोजन से अपनी अपेक्षा की मात्रा बताएं	यदि आपकी अपेक्षा पूरी नहीं होती तो क्या होगा
केंद्र सरकार		अन्य	अन्य	(1.2.1) भारत एवं विदेशों दोनों के आए एडं डी संस्थानों के साथ सहयोग के क्षेत्र में दो विचार मंथन (ब्रेन स्टार्मिंग) सत्रों का आयोजन	वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु आम हित के क्षेत्र में बीएमटीपीसी के साथ काम करने की इच्छा के साथ सक्रिय सहभागिता	संबंधित क्षेत्रों में अग्रणी आर एण्ड डी संस्थान	पूर्ण सहायता	लक्ष्यों को प्राप्त करने में कमी
				(1.2.2) प्रविधियां व रणनीतियां बनाने तथा समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की तैयारियों हेतु आमने–सामने बैठक करना।				
				(1.2.3) आर एण्ड डी परियोजनाओं का चुनाव एवं शुरूआत				
				(1.3.1) चिन्हित उभरते प्रौद्योगिकियों का अनुमोदन				
				(1.3.4) 8 पहले से चिन्हित प्रौद्योगिकियों के अलावा अतिरिक्त उभरती प्रौद्योगिकियों दो की पहचान एवं मूल्यांकन				
				(1.4.1) आईआईटीएफ के दौरान या अन्य किसी स्थल पर एक प्रदर्शनी का आयोजन				
				(1.5.1) केंद्र की स्थापना				
				(3.2.1) 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बचे भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण				
				(4.4.1) विभिन्न राज्यों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन				
राज्य सरकार	सभी राज्य			(1.3.3) तकनीकी प्रदाता के साथ संयुक्त रूप से राज्य सरकार एवं भू संपदा विकासकों के साथ बातचीत				
राज्य सरकार	सभी राज्य			(2.3.1) बिल्डिंग केंद्रों के राष्ट्रीय नेटवर्क के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण पर प्रायोगिक अध्ययन				
राज्य सरकार	सभी राज्य			(3.1.1) टीओटी कार्यक्रमों का आयोजन				

स्थल प्रकार	राज्य	आयोजन का प्रकार	आयोजन का नाम	उचित सफलता के संकेतक	आयोजन से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं	इस जरूरत हेतु औचित्य	कृपया इस आयोजन से अपनी अपेक्षा की मात्रा बताएं	यदि आपकी अपेक्षा पूरी नहीं होती तो क्या होगा
	सभी राज्य			(4.1.1) मूल्यांकन रिर्पोटों को जमा करना				
	सभी राज्य			(4.2.1) निगरानी रिर्पोटों को जमा करना				
	सभी राज्य			(4.3.1) टीपीआईएम समीक्षा रिर्पोटों को जमा करना				

भाग 6:
विभाग/मंत्रालय का परिणाम/प्रभाव

विभाग/मंत्रालय का परिणाम/प्रभाव	निम्नलिखित विभाग(विभागों)/मंत्रालय(यों) के साथ इस परिणाम/प्रभाव को प्रभावित करने हेतु संयुक्त रूप से जिम्मेदार है	सफलता के संकेतक	इकाई	वित्त वर्ष 09/10	वित्त वर्ष 10/11	वित्ता वर्ष 11/12	वित्त वर्ष 12/13	वित्त वर्ष 13/14
1. रायबरेली में प्रदर्शन आवास परियोजना का निर्माण	उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार	परियोजना का पूरा होना	तारीख			31/12/2013		
2. नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	आर एण्ड डी संस्थान/आईआईटीज, एनजीओ और इस क्षेत्र में विशेषज्ञ	भारत एवं विदेशों दोनों के आर एंड डी संस्थानों के साथ सहयोग के क्षेत्र में दो विचार मंथन (ब्रेन स्टार्मिंग) सत्रों का आयोजन	संख्या			1	2	2
		प्रविधियां व रणनीतियां बनाने तथा समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की तैयारियों हेतु आमने–सामने बैठक करना।	तारीख			31/12/2013	31/12/2014	31/12/2015
		आर एंड डी परियोजनाओं का चुनाव एवं शुरूआत	संख्या		3	2	3	3
3. नए एवं उभरते निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	सीएसआईआर प्रयोगशालाएं/परीक्षण प्रयोगशालाएं, शैक्षणिक संस्थान, इस क्षेत्र में विशेषज्ञ	चिन्हित उभरते प्रौद्योगिकियों का अनुमोदन	संख्या			2	3	3
		लागत विश्लेषण सहित प्रौद्योगिकी प्राफाइलों को तैयार करना	संख्या			2	3	3
		तकनीकी प्रदाता के साथ संयुक्त रूप से राज्य सरकार एवं भू संपदा विकासकों के साथ बातचीत	संख्या			1	2	2
		8 पहले से चिन्हित प्रौद्योगिकियों के अलावा अतिरिक्त उभरती प्रौद्योगिकियों दो की पहचान एवं मूल्यांकन	संख्या			1	2	2
4. उभरते/लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन	हडको, आईटीपीओ एवं भवन निर्माण उद्योग	आईआईटीएफ के दौरान या किसी अन्य स्थल पर एक प्रदर्शनी का आयोजन	संख्या			1	1	1
5. नई दिल्ली में हडकों के द्वारा उपलब्ध कराए गए स्थल पर स्थाई डिस्प्ले सेंटर की स्थापना	एचयूपीए मंत्रालय, हडको	सेंटर की स्थापना	तारीख			31/01/2014		
6. कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	इस क्षेत्र में विशेषज्ञ, उद्यमियों, विनिर्माताओं, तकनीकी प्रदाताओं/आपूर्तिकर्ताओं	पीएसीएस पर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन	तारीख			31/01/2014	31/01/2015	31/01/2016
		पीएसीएस के तहत उत्पादों/प्रणालियों का मूल्यांकन	संख्या			4	5	5
		पीएसीएस का अवार्ड				4	5	5
7. वेबसाइट अनुरक्षण सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार	इस क्षेत्र में विशेषज्ञ, डीएवीपी एवं उद्यमी	जर्नल, पत्रिकाओं, वेबसाइट, विज्ञापनों के माध्यम से सूचना का आवधिक आदान प्रदान एवं दृश्य सामग्री की तैयारी	तारीख			31/03/2014	31/03/2015	31/03/2016
		प्रकाशनों की तैयारी	संख्या			2	3	3
8. निर्माण सामग्रियों एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों में सहभागिता	सार्वजनिक एवं निजी संस्थान, चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, उद्यमी	सेमिनारों/कार्यशालाओं/प्रदर्शनियों में सहभागिता	संख्या			4	5	5

विभाग/मंत्रालय का परिणाम/प्रभाव	निम्नलिखित विभाग(विभागों)/मंत्रालय(यों) के साथ इस परिणाम/प्रभाव को प्रभावित करने हेतु संयुक्त रूप से जिम्मेदार है	सफलता के संकेतक	इकाई	वित्त वर्ष 09/10	वित्त वर्ष 10/11	वित्ता वर्ष 11/12	वित्त वर्ष 12/13	वित्त वर्ष 13/14
9. रायबरेली, उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र स्तर पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रयुक्त करने हेतु इंजीनियरों, आर्किटैक्ट्स तथा राजमिस्त्रियों (कारीगरों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	राज्य सरकार, इस क्षेत्र के विशेषज्ञ	प्रशिक्षित इंजीनियरों और वास्तुकारों की संख्या	संख्या			20	25	25
		प्रशिक्षित मिस्त्रियों की संख्या	संख्या			30	40	40
10. पहले से विकसित प्रशिक्षण मॉड्यूलों पर कारीगरों/शिल्पियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।	इस क्षेत्र के विशेषज्ञ	प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	संख्या			3	4	4
11. सीएसआर के अधीन हडको द्वारा प्रायोजित – प्रायोगिक परियोजना – ''बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क को जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण'' पर परियोजना का कार्यान्वयन	हडको, बिल्डिंग सेंटर्स	बिल्डिंग केंद्रों के राष्ट्रीय नेटवर्क के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण पर प्रायोगिक अध्ययन	संख्या			8		
12. बीआईपीएआरडी के माध्यम से बिहार सरकार के इंजीनियरों एवं वास्तुकारों के लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	राज्य सरकार, बीआईपीएआरडी, इस क्षेत्र के विशेषज्ञ	टीओटी कार्यक्रमों का आयोजन	प्राप्त अनुरोध का %			90		
13. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हेतु अद्यतित भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	एनडीएमए, सर्वे ऑफ इंडिया, भारत की जनगणना, इस क्षेत्र के विशेषज्ञ	11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बचे भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	तारीख			31/10/2013		
14. जेएनएनयूआरएम/आरएवाई के तहत परियोजनाओं का मूल्यांकन	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें, आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय	मूल्यांकन रिपोर्टें जमा करना	प्राप्त परियोजना का %			90	100	100
15. जेएनएनयूआरएम/आरएवाई के तहत परियोजना स्थलों की निगरानी	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें, आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय	निगरानी रिपोर्ट जमा करना	परियोजना का %			90	100	100
16. टीपीआईएम समीक्षा	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें, आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय	टीपीआईएम समीक्षा रिपार्टों को जमा करना	परियोजना का %			90	100	100
17. गुणवत्ता सुनिश्चयन एवं टीपीआईएम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें, आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय	विभिन्न राज्यों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन	मिशन निदेशालय से अनुरोध का %			90	100	100

वर्ष 2013–14 का कार्य प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट एवं तदनुरूपी उपलब्धियां

क्र. सं.	उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्य					उपलब्धि	कार्यप्रदर्शन		
							उत्कृष्ट	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब		कच्चा अंक	भारित अंक	एचपीसी के द्वारा अनुमोदित अनुसार
1.	भवन सामग्रियां एवं निर्माण प्रौद्योगिकियां: निर्माण क्षेत्र में जांची–परखी अभिनव और उभरती सामग्रियों एवं प्रौद्योगियों के विकास, मानकीकरण, यंत्रीकरण तथा बड़े पैमाने पर फील्ड (जमीनी) अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।	60	राय बरेली में प्रदर्शन आवास परियोजना का निर्माण	परियोजना का पूरा होना	तारीख	12	30/11/2013	31/12/2013	31/01/2014	28/02/2014	31/03/2014	31/01/2014	80	9.6	31/01/2014
			नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आरएंडडी तथा शैक्षणिक संगठनों के साथ सहयोग	भारत एवं विदेशें दोनों के आए एंड डी संस्थानों के साथ सहयोग के क्षेत्र में दो विचार मंथन (ब्रेन स्टार्मिंग) सत्रों का आयोजन	संख्या	2	2	1				2	100	2	4
				प्रविधियां व रणनीतियां बनाने तथा समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की तैयारियों हेतु आमने–सामने बैठक करना।	तारीख	1	30/11/2013	31/12/2013	31/01/2014	28/02/2014	31/03/2014	31/03/2014	60	0.6	31/03/2014
				आर एण्ड डी परियोजनाओं का चुनाव एवं शुरूआत	संख्या	3	3	2	1			2	90	2.7	2
			नई एवं उभरती निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों का संवर्द्धन	चिन्हित उभरते प्रौद्योगिकियों का अनुमोदन	संख्या	6	3	2	1			4	100	2.7	4
				लागत विश्लेषण सहित प्रौद्योगिकी प्राफाइलों को	संख्या	3	3	2	1			2	90	2.7	2

क्र. सं.	उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्य					उपलब्धि	कार्यप्रदर्शन		
							उत्कृष्ट	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब		कच्चा अंक	भारित अंक	एचपीसी के द्वारा अनुमोदित अनुसार
				तैयार करना											
				तकनीकी प्रदाता के साथ संयुक्त रूप से राज्य सरकार एवं भू संपदा विकासकों, निर्माणकों के साथ बातचीत	संख्या	2	2	1				2	100	2	2
				8 पहले से चिन्हित प्रौद्योगिकियों के अलावा अतिरिक्त उभरती प्रौद्योगिकियों दो की पहचान एवं मूल्यांकन	संख्या	3	2	1				3	100	3	3
			उभरते/लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन	आईआईटीएफ के दौरान या किसी अन्य स्थल पर एक प्रदर्शनी का आयोजन	संख्या	5	1					1	100	5	1
			नई दिल्ली में हडकों के द्वारा उपलब्ध कराए गए स्थल पर स्थाई डिस्प्ले सेंटर की स्थापना	सेंटर की स्थापना	तारीख	2	31/12/2013	31/01/2014	28/02/2014	31/03/2014			लागू नहीं	लागू नहीं	
			कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन योजना का क्रियान्वयन	पीएसीएस पर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन	तारीख	3	31/12/2013	31/01/2014	28/02/2014	31/03/2014		23/08/2013	100	3	31/12/2013
				पीएसीएस के तहत उत्पादों/प्रणालियों का मूल्यांकन	संख्या	3	5	4	3	2	1	6	100	3	6
				पीएसीएस का अवार्ड		3	5	4	3	2	1	6	100	3	6
			वेबसाइट अनुरक्षण सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार	जर्नल, पत्रिकाओं, वेबसाइट, विज्ञापनों के माध्यम से सूचना का आवधिक आदान प्रदान एवं दृश्य सामग्री की	तारीख	4	31/03/2014					31/03/2014	100	4	31/03/2014

क्र. सं.	उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्य					उपलब्धि	कार्यप्रदर्शन		
							उत्कृष्ट	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब		कच्चा अंक	भारित अंक	एचपीसी के द्वारा अनुमोदित अनुसार
				तैयारी											
				प्रकाशनों की तैयारी	संख्या	4	3	2	1			4	100	4	4
			निर्माण सामग्रियों एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों में सहभागिता	सेमिनारों/कार्यशालाओं /प्रदर्शनियों में सहभागिता	संख्या	4	5	4	3	2	1	8	100	4	8
2	क्षमता निर्माण एवं कौशल विकासः प्रयोगशाला से कार्य क्षेत्र में भवन प्रौद्योगिकियों के विपणन तथा व्यावसायिकों, एजेंसियों कारीगरों के बीच अच्छे निर्माण आचरण या व्यवहार को बढ़ावा देने एवं क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना।	15	रायबरेली, उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के कार्यक्षेत्र स्तर पर लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को प्रयुक्त करने हेतु इंजीनियरों, आर्किटैक्ट्स तथा राजमिस्त्रियों (कारीगरों) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	प्रशिक्षित इंजीनियरों और वास्तुकारों की संख्या	संख्या	3	25	20	15	10		70	100	3	70
				प्रशिक्षित मिस्त्रियों की संख्या	संख्या	3	40	30	20	10		42	100	3	42
			पहले से विकसित प्रशिक्षण मॉड्यूलों पर कारीगरों/शिल्पियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।	प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन	संख्या	3	4	3	2	1		4	100	3	4
			सीएसआर के अधीन हडको द्वारा प्रायोजित – प्रायोगिक परियोजना – "बिल्डिंग सेंटरों के राष्ट्रीय नेटवर्क	बिल्डिंग केंद्रों के राष्ट्रीय नेटवर्क के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण पर प्रायोगिक अध्ययन	संख्या	6	10	8	7	6	5	16	100	6	16

क्र. सं.	उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्य					उपलब्धि	कार्यप्रदर्शन		
							उत्कृष्ट	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब		कच्चा अंक	भारित अंक	एचपीसी के द्वारा अनुमोदित अनुसार
			को जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण'' पर परियोजना का कार्यान्वयन												
3	आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन : मानव बस्तियों के लिए प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण, नाजुकता एवं जोखिम न्यूनीकरण तथा भवनों में रेट्रोफिटिंग/ आपदारोधी नियोजन हेतु प्रविधियों एवं प्रौद्योगिकियों को संवर्धित करना	8	बीआईपीएआरडी के माध्यम से बिहार सरकार के इंजीनियरों एवं वास्तुकारों के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रमों के प्रशिक्षण का आयोजन	टीओटी कार्यक्रमों का आयोजन	प्राप्त अनुरोध का :	3	100	90	80	70	60	100	100	3	100
			राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हेतु अद्यतित भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बचे भूकंप जोखिम मानचित्रों का निर्माण	तारीख	3	30/09/2013	31/10/2013	30/11/2013	31/12/2013	31/01/2014	30/09/2013	100	3	30/09/2013
4	परियोजना प्रबंधन एवं परामर्श: विभिन्न केन्द्र/राज्य की विविध योजनाओं के अंतर्गत आवास परियोजनाओं के प्रबंधन एवं परामर्श सेवाओं के साथ साथ मूल्यांकन, निगरानी एवं तृतीय पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी लेना	8	जेएनएनयूआरएम/ आरएवाई के तहत परियोजनाओं का मूल्यांकन	मूल्यांकन रिपोर्ट जमा करना	प्राप्त परियोजना का :	2	100	90	80	70	60	100	100	2	100
			जेएनएनयूआरएम/ आरएवाई के तहत परियोजना स्थलों की निगरानी	निगरानी रिपोर्ट जमा करना	निगरानी किए परियोजना का :	2	100	90	80	70	60	100	100	2	100
			टीपीआईएम समीक्षा	टीपीआईएम समीक्षा रिपार्टों को जमा करना	समीक्षित परियोजना का :	2	100	90	80	70	60	100	100	100	100
			गुणवत्ता सुनिश्चयन एवं टीपीआईएम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	विभिन्न राज्यों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन	मिशन निदेशालय से अनुरोध का :	2	100	90	80	70	60	0	0	0	0

क्र. सं.	उद्देश्य	भारांश	कार्यवाही	सफलता के संकेतक	इकाई	भारांश	लक्ष्य/मापदंड मूल्य					उपलब्धि	कार्यप्रदर्शन		
							उत्कृष्ट	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब		कच्चा अंक	भारित अंक	एचपीसी के द्वारा अनुमोदित अनुसार
'	आरएफडी सिस्टम की दक्ष कार्यशीलता	3	अनुमोदन हेतु (2013–14) आरएफडी ड्राफ्ट को समय पर जमा करना	समय पर जमा	तारीख	2	15/05/2013	16/05/2013	17/05/2013	20/05/2013	21/05/2013	15/05/2013	100	2	
			आरएफडी (2012–13) के लिए परिणामों को समय पर जमा करना	समय पर जमा	तारीख	1	01/15/2013	02/05/2013	05/05/2013	06/05/2013	07/05/2013	30/04/2013	100	1	
'	प्रशासकीय सुधार	4	अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार आईएसओ 9001 कार्यान्वयन	: कार्यान्वयन	:	2	100	95	90	85	80	0	0	0	
			नवाचार/नवोन्मेषन हेतु एक कार्य योजना तैयार	समय पर जमा	तारीख	2	30/07/2013	10/08/2013	20/08/2013	30/08/2013	10/09/2013	12/06/2013	100	2	12/06/2013
'	मंत्रालय/विभाग के सेवा देयता/प्रतिक्रियात्मकता /आंतरिक सक्षमता को सुधारना	4	सेवोत्तम का कार्यान्वयन	सिटीजन चार्टर के कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा–परीक्षा	:	2	100	95	90	85	80	100	100	2	
				जन शिकायत निवारण प्रणाली के कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा–परीक्षा	:	2	100	95	90	85	80	100	100	2	100

' अनिवार्य उद्देश्य

कुल समग्र अंक : 90.6
पीएमडी समग्र अंक : 89.6